THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 125 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.7 2083 बुधवार, 5 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

केजरीवाल फिरोजशाह रोड पर धरने पर बैठे

बोले- ई20 के खिलाफ 2 लाख+ लोगों की चिट्ठियां भिजवाईं

नई दिल्ली, 4 अगस्त(एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को E20 फ्यूल के खिलाफ प्रधानमंत्री आवास तक मार्च निकाला। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, जैस्मिन शाह समेत पार्टी के अन्य नेताओं को फिरोजशाह रोड पर ही रोक दिया।

इसके बाद केजरीवाल सहित अन्य नेता फिरोजशाह रोड पर ही बीच सड़क पर धरने पर बैठ गए। आप ने करीब 100 नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ यह मार्च निकाला था। पार्टी का दावा है कि उसने देशभर से 2.30 लाख से ज्यादा लोगों की याचिकाएं जुटाई हैं।

नौकरियां और रोजगार के नए अवसर

'मंगल मिलन' बैठक में खेलों में उपलब्धियों पर भी चर्चा

नई दिल्ली, 4 अगस्त(एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री और एनडीए के घटक दलों के नेताओं ने मंगलवार को संसद में सत्तारूढ़ गठबंधन की साप्ताहिक बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक में बताया गया कि भारत अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में लगातार उपलब्धियां हासिल कर रहा है। साथ ही युवाओं के लिए करोड़ों नौकरियां पैदा करने वाले रोजगार के नए अवसरों पर भी प्रस्तुति दी गई। बैठक में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन भी मौजूद रहे।

यह बैठक बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा की हार के एक दिन बाद हुई। इस सीट पर भाजपा के उम्मीदवार को चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर ने हराया था। बांकीपुर विधानसभा सीट को भाजपा का गढ़ माना जाता है। यह उपचुनाव नितिन नवीन के राज्यसभा के लिए चुने जाने और भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद सीट खाली करने के कारण हुआ था।

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने बताया कि केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने बैठक में खेलों को लेकर विस्तार से प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 2014 में खेल नीति लागू की थी। इसके बाद भारत ने ओलंपिक, एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेलों जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कई उपलब्धियां हासिल कीं और स्वर्ण पदक भी जीते।

रोजगार के अवसरों पर क्या बताया?

मनोज तिवारी ने कहा कि बैठक में रोजगार पैदा करने वाले अवसरों पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। इसमें बताया गया कि युवाओं के लिए नौकरी के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'मंगल मिलन' बैठक में बताया गया कि 2004 से 2014 के बीच 2.89 करोड़ युवाओं को रोजगार मिला, तब यूपीए सरकार सत्ता में थी। वहीं 2014 से 2026 के बीच कुल 17.1 करोड़ युवाओं को रोजगार मिला। तिवारी ने बताया कि एनडीए संसदीय दल की बैठक में सरकार की अलग-अलग सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर भी प्रस्तुति दी गई। भाजपा सांसद पीपी चौधरी ने बैठक को लेकर कहा, मंगल मिलन में मंगल ही होता है।

इस बैठक में एनडीए के सहयोगी दलों जदयू, जेडी (एस), एनसीपी, शिवसेना, एनसीपीआई समेत कई दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए। एनसीपीआई नेता सुदीप बंद्योपाध्याय बताया कि उन्होंने पहली बार एनडीए संसदीय दल की बैठक में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि वह देश के सबसे वरिष्ठ सांसदों में से एक हैं और एनसीपीआई में सभी लोग एकजुट हैं। उन्होंने बैठक को अच्छा अनुभव बताया। इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विदेश मंत्री एस. जयशंकर समेत कई अन्य नेता भी शामिल हुए।

सरकार का मेटा ग्लोबल टीम को समन

यौन शोषण कंटेंट कंट्रोल में चूक का मामला, नेताओं और वीआईपी अकाउंट्स पर गलत कार्रवाई पर जवाब मांगा

नई दिल्ली, 4 अगस्त(एजेंसियां)। भारत सरकार और मेटा की ग्लोबल टीम के बीच 5 और 6 अगस्त को एक अहम बैठक होने जा रही है। केंद्र सरकार ने फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा के प्रतिनिधियों को समन भेजकर तलब किया है। केंद्र सरकार इस बैठक में चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मटीरियल यानी सीएसएएम पर लगाम लगाने में हुई चूक, फर्जी/सिंथेटिक एआई कंटेंट और बड़े नेताओं के वेरिफाइड अकाउंट्स पर गलत कार्रवाई जैसे संवेदनशील मुद्दों को उठाएगी। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने मेटा द्वारा अब तक दिए गए जवाबों को नाकाफी माना है।

यह बैठक हाल ही में फेसबुक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक वीडियो पोस्ट के कुछ समय के लिए हट जाने के विवाद के बाद तय की गई है। इस घटना के बाद सरकार ने मेटा के प्लेटफॉर्म्स की कंटेंट मॉडरेशन नीतियों, ऑटोमेटेड सिस्टम और बिग-टेक कंपनियों की जवाबदेही पर निगरानी सख्त कर दी है। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक मेटा ने पीएम मोदी के वीडियो के हटने पर खेद व्यक्त किया है और वह इसके लिए औपचारिक माफी मांगने को भी तैयार है।

बिहार-बंगाल में बिजली गिरने से 11 मौतें

बद्रीनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड, 200 यात्री फंसे

नई दिल्ली, 4 अगस्त(एजेंसियां)। देशभर में बारिश से आम लोगों का जीवन भी प्रभावित है। बिहार और पश्चिम बंगाल में सोमवार को बिजली गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई। 14 लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में बिहार के अलग-अलग जिलों के 7 और बंगाल के हावड़ा के 4 लोग शामिल हैं।

उत्तराखंड के चमोली में बद्रीनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड हुई। सड़क पर पहाड़ी से मलबा और बोल्डर गिरने से यातायात बाधित हो गया। इसके कारण करीब 200 यात्री फंस गए हैं, जो सोमवार रात 9 बजे से रास्ता खुलने का इंतजार कर रहे हैं। इधर, हरियाणा के अंबाला और झज्जर में रात भर बारिश हुई। इससे सड़कें तालाब बन गईं। दुकानों में पानी घुस गया।

संसद में राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर हंगामा

खड़गे बोले- ईडी कहां है, रिजिजू ने कहा- विपक्ष घड़ियाली आंसू बहा रहा

नई दिल्ली, 4 अगस्त(एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र के 12वें दिन राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ। मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 19 मिनट चल पाई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने इस दौरान टैक्स संशोधन से जुड़े बिल पेश किए। इसके बाद सदन बुधवार तक के लिए स्थगित हो गई।

राज्यसभा की कार्यवाही दिन में दो बार स्थगित हुई। 11 बजे कार्यवाही शुरू होने के आधे घंटे के भीतर स्थगित भी हो गई। दोपहर 12 बजे कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, लेकिन 20 मिनट ही चल पाई। दोपहर 2 बजे कार्यवाही फिर शुरू हुई।

इससे पहले राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बीच बहस हुई। खड़गे ने कहा- राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन केंद्र सरकार ने किया था। ट्रस्ट को 70 एकड़ से ज्यादा जमीन सौंपी। पीएम खुद राम मंदिर से जुड़े हर आयोजन में शामिल हुए। अब ईडी, सीबीआई और अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियां कहां हैं। सरकार को सदन में इसका जवाब देना चाहिए।

इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने राम मंदिर बनने पर काली पट्टी बांधकर विरोध किया था।

आज वही लोग घड़ियाली आंसू बहाकर देश को गुमराह नहीं कर सकते। पहले भगवान राम का अपमान करने के लिए देश से माफी मांगिए, उसके बाद सरकार से जवाब मांगिए।

कर्नाटक कांग्रेस में बगावत

'पार्टी सब कुछ है, इस्तीफा तुरंत होगा मंजूर'

नाराज विधायकों को सीएम ने दी चेतावनी

बंगलूरू, 4 अगस्त(एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को असंतुष्ट कांग्रेस विधायकों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पार्टी महत्वपूर्ण है। अगर वे इस्तीफा देते हैं, तो इसे कुछ ही मिनटों में स्वीकार कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने असंतुष्ट विधायकों से धैर्य रखने और अपने अवसर की प्रतीक्षा करने का आग्रह करते हुए कहा कि राज्य द्वारा संचालित बोर्डों और निगमों में पद जल्द ही भरे जाएंगे। विधायकों द्वारा इस्तीफे की धमकी के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में शिवकुमार ने कहा, 'मुझे जो कहना था कह दिया है। राजनीति में इस्तीफे होते रहते हैं। कोई भी उन्हें इस्तीफा देने से नहीं रोक सकता। अगर उन्हें पार्टी और अपना भविष्य चाहिए, तो पार्टी महत्वपूर्ण है। अगर पार्टी है तो सब कुछ है।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा,' धर्म सिंह और सिद्धारमैया के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान मुझे मंत्री नहीं बनाया गया था, इसलिए मैं भी इस्तीफा दे सकता था। क्या परमेश्वर (उपमुख्यमंत्री) और मैंने धैर्य नहीं रखा? वीरेंद्र पाटिल के मुख्यमंत्री रहते हुए बंगारप्पा, खरगे (एआईसीसी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे) और धर्म सिंह को मंत्री नहीं बनाया गया था। क्या बंगारप्पा और सिंह बाद में मुख्यमंत्री नहीं बने? धैर्य रखना जरूरी है।'

उन्होंने कहा, 'पार्टी के जिन सदस्यों और विधायकों को पहले बोर्ड और निगमों के सदस्य और प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें बताया गया था कि उनका कार्यकाल ढाई साल का होगा। इसमें पहले ही देरी हो चुकी है। मैं पहले अपने कार्यकर्ताओं से पदों से इस्तीफा देने और उन पदों को नए सिरे से भरने के लिए कहूंगा, उसके बाद मैं विधायकों से एक-एक करके बात करूंगा।'

ईरान में विदेश मंत्री अराघची को हटाने की तैयारी

दावा- ईरानी राष्ट्रपति की ताकत कम हुई, अब सुप्रीम लीडर के कंट्रोल वाली इस्लामिक फोर्स ज्यादा पावरफुल

तेहरान, 4 अगस्त(एजेंसियां)। ईरान के कुछ सांसद विदेश मंत्री अब्बास अराघची को पद से हटाने की तैयारी कर रहे हैं। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के मुताबिक सीनियर सांसद होसैनअली हाजीदेलिगानी ने मंगलवार को कहा, 'हम अराघची के खिलाफ महाभियोग लाने के लिए सबूत और जरूरी दस्तावेज जुटा रहे हैं। सही समय आने पर यह प्रक्रिया शुरू करेंगे।'

दूसरी ओर, ईरान में राष्ट्रपति मसूद पजशकियान के अधिकारों में बड़ी कटौती की खबर सामने आई है। इजराइली चैनल-14 की रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े अहम मामलों में राष्ट्रपति की भूमिका सीमित कर दी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा, परमाणु कार्यक्रम और अमेरिका से बातचीत जैसे बड़े मुद्दों पर अब इस्लामिक फोर्स यानी आईआरजीसी के कमांडर अहमद वाहिदी का फैसला अंतिम माना जाएगा।

अमेरिकी थिंक टैंक क्विंसी इंस्टीट्यूट के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और क्षेत्रीय मामलों के एक्सपर्ट त्रिता पारसी ने कहा कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ईरान के नागरिक बुनियादी ढांचे पर हमला करते हैं, तो भीषण गर्मी में आम लोगों की परेशानी कई गुना बढ़ जाएगी। यमन के हूती विद्रोहियों ने दावा किया है कि उन्होंने सऊदी अरब के दक्षिणी शहर नजरीन एयरपोर्ट पर एक संवेदनशील ठिकाने को ड्रोन से निशाना बनाया। हूतियों ने कहा कि यह हमला सऊदी अरब की ओर से सादा और हज्जाह प्रांत के ऊपर ड्रोन उड़ाकर यमन के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने के जवाब में किया गया है।

उपचुनाव में भाजपा की हार पर प्रियंका गांधी का तंज

नई दिल्ली, 4 अगस्त(एजेंसियां)। बिहार के बांकीपुर और मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट के उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हार के बाद कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को सत्तारूढ़ पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इन नतीजों से साफ है कि लोग अब भाजपा से तंग आ चुके हैं। बांकीपुर विधानसभा सीट पर जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की खाली सीट पर कब्जा कर लिया। वहीं, मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर भी भाजपा को हार का सामना करना पड़ा।

जब संसद परिसर में पत्रकारों ने उपचुनाव के नतीजों पर प्रियंका गांधी से सवाल किया, तो उन्होंने कहा, यह साफ हो गया है कि जनता भाजपा से थक चुकी है और तंग आ चुकी है। अब लोग समझ रहे हैं कि देश में क्या हो

रहा है। उन्होंने आगे कहा, यह तो सिर्फ शुरुआत है।

वहीं, गुजरात के वडोदरा जिले की मंजलपुर विधानसभा सीट पर भाजपा ने अपनी सीट बरकरार रखी। भाजपा उम्मीदवार सतीश गोविंदभाई पटेल ने कांग्रेस के उम्मीदवार और पूर्व मंत्री भीखाभाई रबारी को 30,630 वोटों से हराया।

उदयनिधि स्टालिन पूछताछ के बाद रिहा

पुलिस ने एक्ट्रेस तृषा पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में गिरफ्तार किया था; उदयनिधि ने कहा- बदले की कार्रवाई

चेन्नई, 4 अगस्त(एजेंसियां)। तमिलनाडु के नेता प्रतिपक्ष और डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन को अभिनेत्री तृषा पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

उदयनिधि सोमवार को तंजावुर में कावेरी जल विवाद पर आयोजित रैली में भीड़ में तृषा, तृषा के नारे लगे। आरोप है कि इस पर उदयनिधि ने कहा, पानी कहीं और पहुंचे या न पहुंचे, वहां जरूर पहुंचना चाहिए। बाद में सफाई दी कि उनका इशारा कावेरी के पानी की ओर था। पुलिस ने उनके खिलाफ 6 धाराओं में केस दर्ज किया है। गिरफ्तारी से बचने के लिए उदयनिधि ने मद्रास हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की थी। हालांकि, उस पर सुनवाई होने से पहले ही

पुलिस ने उन्हें अरेस्ट कर लिया था। मद्रास हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि उदयनिधि को पूछताछ के बाद आज ही रिहा कर दिया जाए।

विजय और तृषा की केमिस्ट्री काफी चर्चा में रही है। दोनों करीब 5 फिल्मों में साथ नजर आए हैं, जिनमें से 2023 में रिलीज सुपरहिट फिल्म लियो भी शामिल है। यह वही वक्त था जब विजय की पत्नी संगीता सोर्नालिंगम तलाक के लिए कोर्ट में लड़ाई लड़ रही थीं।

कावेरी जल विवाद कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच कावेरी नदी के पानी के बंटवारे को लेकर है। नदी कर्नाटक से निकलकर तमिलनाडु की ओर बहती है। कर्नाटक इसका उपयोग सिंचाई और पीने के पानी के लिए करता है, जबकि तमिलनाडु का कृषि क्षेत्र पूरी तरह इसी पर निर्भर है।

1924 के ब्रिटिशकालीन समझौते के तहत पानी का बड़ा हिस्सा तमिलनाडु को दिया गया था। लेकिन कर्नाटक का कहना है कि ये पुराने नियम गलत हैं और कम बारिश के सालों में वह पानी नहीं छोड़ सकता। वहीं तमिलनाडु का कहना है कि समय पर पानी न मिलने से उसके किसानों की फसलें बर्बाद हो जाती हैं।

दो भारतीय अब भी लापता

यूक्रेन में जहाज पर हमले को लेकर विदेश मंत्रालय सख्त

नई दिल्ली, 4 अगस्त(एजेंसियां)। यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से रवाना हुए जहाज एजीएन राग्नार पर हुए हमले के बाद लापता दो भारतीय नागरिकों की तलाश जारी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि जहाज पर चार भारतीय सवार थे। इनमें से दो सुरक्षित हैं, जबकि दो अब भी लापता हैं। उन्होंने बताया कि घटना के बाद से यूक्रेन और रोमानिया में स्थित भारतीय दूतावास स्थानीय प्रशासन के लगातार संपर्क में हैं।

खोज और बचाव अभियान जारी है तथा भारत सरकार दोनों भारतीय नागरिकों का पता लगाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार भारतीय नाविकों की सुरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारतीय दूतावास दोनों लापता नागरिकों के परिवारों के संपर्क में भी हैं और उन्हें हर संभव सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि खोज और बचाव अभियान यूक्रेन और रोमानिया के संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय में चलाया जा रहा है। विदेश मंत्रालय ने भरोसा दिलाया कि जब तक दोनों भारतीयों का पता नहीं चल जाता, तब तक सभी जरूरी प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि विदेशों में काम कर रहे भारतीय नाविकों की सुरक्षा सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारियों में शामिल है।

विदेश मंत्रालय ने सीमा पार आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को फिर कड़ा संदेश दिया। रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत सभी देशों से आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की अपील करता है और विशेष रूप से पाकिस्तान को अपनी जमीन पर सक्रिय आतंकी ढांचे को पूरी तरह खत्म करना चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में कराए जा रहे दूसरे चरण के स्थानीय चुनावों को भी दिखावा बताया। उनके अनुसार, वहां जनता विरोध कर रही है, जबकि पाकिस्तान दमन, गोलीबारी, ब्लैकआउट और डर का माहौल बनाकर चुनावों के जरिए वैधता दिखाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि जून से अब तक कम से कम 90 नागरिकों की मौत हो चुकी है और कई अन्य घायल हुए हैं।

केंद्र सरकार ने कहा- 7 साल में 274 भगोड़े वापस लाए

नई दिल्ली, 4 अगस्त(एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि पिछले सात वर्षों में 36 देशों से 274 भगोड़ों को भारत वापस लाया गया है। यह औसतन हर साल करीब 40 प्रत्यर्पण का आंकड़ा है। सरकार के मुताबिक, 2004 से 2013 के बीच हर साल औसतन सिर्फ चार भगोड़ों को ही वापस लाया गया था। सरकार ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि इसी अवधि के दौरान भगोड़ों से जुड़ी 17,874 करोड़ की संपत्तियां धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत अटैच की गई हैं। बयान में दावा किया गया कि पिछली सरकारों में भगोड़ों को वापस लाने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी थी। वहीं, मौजूदा मोदी सरकार ने भगोड़ों के प्रत्यर्पण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया है। सरकार का कहना है कि एकीकृत और तकनीक आधारित कार्रवाई के जरिए यह सफलता हासिल की गई है।

वैष्णो देवी मंदिर में 550 करोड़ रुपए की हेराफेरी

सीजेएम ने मांगी जांच रिपोर्ट, सबूत सुरक्षित रखने के दिए निर्देश

श्रीनगर, 4 अगस्त(एजेंसियां)। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन में चढ़ावे की करीब 20 टन चांदी के 'नकली' होने और लगभग 550 करोड़ रुपए की हेराफेरी के आरोपों वाला मामला अब कोर्ट की निगरानी में आ गया है। जम्मू के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इस मामले में पुलिस को विस्तृत जांच रिपोर्ट पेश करने और सभी सबूत तुरंत सुरक्षित रखने का आदेश दिया है। सीजेएम मुनीष कुमार मनहास ने यह आदेश 29 जुलाई को दिया। मामले की अगली सुनवाई 18 अगस्त को होगी। वकील दीपक शर्मा ने कोर्ट में एक अर्जी दी थी। उनका आरोप है कि श्रद्धालुओं द्वारा माता वैष्णो देवी मंदिर में चढ़ाई गई करीब 20 टन चांदी में मिलावट, अदला-बदली और गबन हुआ है। इस चांदी की अनुमानित कीमत करीब 550 करोड़ रुपए बताई जा रही है।

दीपक शर्मा ने सबसे पहले 9 मई को जम्मू क्राइम ब्रांच के आईजी और एसएसपी, आर्थिक अपराध शाखा को शिकायत दी थी। कोर्ट के सामने एसएसपी क्राइम ब्रांच, ईओडब्ल्यू जम्मू की रिपोर्ट रखी गई। रिपोर्ट के मुताबिक क्राइम ब्रांच को शिकायत 11 मई को मिली थी। 20 मई को इसे आगे की कार्रवाई के लिए क्राइम हेडक्वार्टर भेजा गया।

9 जून को क्राइम हेडक्वार्टर ने इसे जोनल पुलिस हेडक्वार्टर जम्मू को भेजने की मंजूरी दी। 13 जून को यह मामला आईजी जम्मू जोन को भेजा गया। इसके बाद जांच के लिए इसे एसएसपी रियासी को सौंपा गया और आखिर में भवन, कटरा के डीएसपी को जांच का जिम्मा दिया गया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि अभी तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। मामला जांच के स्तर पर ही है। 29 जुलाई की सुनवाई के दौरान वकील दीपक शर्मा ने कोर्ट से मांग की कि इस मामले से जुड़े सभी सबूतों को फौरन सुरक्षित किया जाए।

उन्होंने कहा कि बची हुई चांदी या चांदी जैसी दिखने वाली वस्तुएं, उनके सैंपल, बचे हुए टुकड़े, स्टॉक और वॉल्ट के रिकॉर्ड, वजन और भेजने के रजिस्टर, लैब और असे की रिपोर्ट, सरकारी टकसाल के कागज और चेन ऑफ कस्टडी से जुड़े सभी दस्तावेज सुरक्षित रखे जाएं।

साथ ही सीसीटीवी फुटेज, इलेक्ट्रॉनिक इन्वेंट्री डेटा, ऑफिशियल ईमेल, सर्वर लॉग, ऑडिट ट्रेल, अकाउंटिंग रिकॉर्ड और अन्य डिजिटल सबूतों को भी डिलीट या बदला न जाए।

अर्जी में कहा गया कि अगर चांदी को अभी पिघलाया, रिफाइन किया या इधर-उधर किया गया या कंप्यूटर डेटा डिलीट हो गया तो सबूतों की पहचान, वजन और शुद्धता हमेशा के लिए खराब हो जाएगी। इन दलीलों को सुनने के बाद कोर्ट ने डीएसपी भवन, कटरा को निर्देश दिया कि वे सबूत सुरक्षित रखने के लिए तुरंत कदम उठाएं और चल रही जांच की विस्तृत रिपोर्ट अगली तारीख पर पेश करें। वकील दीपक शर्मा ने कहा कि कोर्ट के इस आदेश से अब जांच और जरूरी सबूतों की सुरक्षा दोनों सीधे कोर्ट की निगरानी में आ गए हैं।

रेल ट्रैक के पास कैमरे लगा रेकी करने के नौ आरोपी काबू, चार नाबालिग; पेट्रोल बम बरामद

अमृतसर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े दो सीमा पार आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए चार नाबालिगों समेत नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से तीन अवैध पिस्तौल, चार पेट्रोल बम और नौ कारतूस बरामद किए हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी विदेश में बैठे कथित आईएसआई हैंडलर्स के निर्देश पर काम कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, मॉड्यूल का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को अपने नेटवर्क में शामिल कर आतंकी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल करना था। आरोपी सुरक्षा प्रतिष्ठानों और संवेदनशील स्थानों की रेकी भी कर रहे थे। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों ने रेलवे ट्रैक के आसपास सर्विलांस कैमरे लगाए थे। इन कैमरों से प्राप्त फुटेज कथित तौर पर विदेश में बैठे हैंडलर्स के साथ साझा की जा रही थी।

'युवाओं को रील्स नहीं, नौकरियां चाहिए'

कांग्रेस ने बेरोजगारी के मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरा

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। विपक्षी पार्टी ने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सरकार की 'गलत' आर्थिक और रोजगार नीतियों के कारण देश का पूरा रोजगार बाजार 'गहरे संकट' में पहुंच गया है। पार्टी ने कहा कि युवाओं को खुश करने के लिए केवल रील्स बनाना काफी नहीं है, उन्हें नौकरियों की जरूरत है। विपक्षी पार्टी ने दावा किया कि मोदी सरकार युवाओं के रोजगार संकट का समाधान निकालने के बजाय सुर्खियां बटोरने और मुद्दों से ध्यान भटकाने की राजनीति में लगी हुई है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट साझा किया। इस रिपोर्ट में दावा किया गया था कि देश की बड़ी घरेलू कंपनियां पहले की तुलना में अब कम कर्मचारियों को नौकरी दे रही हैं। मीडिया रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि देश की बड़ी सूचीबद्ध कंपनियों में नई भर्तियों की रफ्तार धीमी हो गई है। खासतौर पर सेंसेक्स-30 इंडेक्स में शामिल 11 बड़ी कंपनियों में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान नई भर्तियां 2023-24 की तुलना में 27 फीसदी कम हो गई हैं। रमेश ने पोस्ट में कहा, हम जो लगातार कहते आ रहे हैं, वह सच साबित हो रहा है।

मोदी सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को गहरा नुकसान पहुंचाया है। इसका सबसे बड़ा असर युवाओं पर पड़ा है। उन्होंने कहा, पिछले एक साल में देश की शीर्ष 11 कंपनियों में से 9 कंपनियों में नई नौकरियों में 27 फीसदी की गिरावट दिखाती है कि देश गंभीर रोजगार संकट से जूझ रहा है। इसके बावजूद समाधान तलाशने के बजाय यह 'अहंकारी' सरकार इस समस्या के होने से ही इनकार कर रही है। कांग्रेस नेता ने कहा, यह खबर तो सिर्फ एक झलक है। जब बड़ी कंपनियों की यह स्थिति है, तो आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि छोटे और मझोले उद्योग (एमएसएमई) क्षेत्र की हालत कितनी खराब होगी, जो मोदी सरकार की गलत 'हम दो, हमारे दो' नीतियों का सबसे ज्यादा नुकसान उठा रहा है।

रमेश ने कहा, कड़वी सच्चाई यह है कि मोदी सरकार की गलत आर्थिक और रोजगार नीतियों ने पूरे देश के रोजगार बाजार को गहरे संकट में डाल दिया है। कांग्रेस महासचिव (संचार विभाग प्रभारी) ने कहा, यह देश का दुर्भाग्य है कि युवाओं के रोजगार संकट का समाधान निकालने के बजाय मोदी सरकार अभी भी सुर्खियां बनाने और मुद्दों से ध्यान भटकाने की राजनीति में लगी हुई है। रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया इंस्टाग्राम वीडियो पर निशाना साधते हुए कहा, देश के युवा समझदार हैं। उन्हें खुश करने के लिए सिर्फ रील्स बनाना काफी नहीं होगा, उनके लिए नौकरियां पैदा करनी होंगी।

नाबालिग के साथ रेप और हत्या के मामले में तीन किशोर गिरफ्तार

दिसपुर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। असम में एक 15 साल की लड़की की रेप के बाद हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप तीन लोगों पर है, जिसमें से एक नाबालिग है। मामला असम के हैलाकांडी जिले का है। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि लड़की इन आरोपियों में से एक के साथ रिश्ते में थी। बता दें कि लड़की राष्ट्रीय राजमार्ग-6 के पास अपने घर में मृत पाई गई थी। परिवार ने आरोप लगाया कि उसके साथ रेप किया गया और फिर बेरहमी से उसकी हत्या कर दी गई।

पुलिस ने मामले में रविवार को 5 युवकों को हिरासत में लिया था। लेकिन सोमवार को 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनकी उम्र 17 से 19 साल के बीच है। हैलाकांडी के एसएसपी ने बताया कि एक आरोपी की उम्र साढ़े 17 साल है और अदालत से उस पर वयस्क के रूप में मुकदमा चलाने की अपील की गई है।

पंजाब को दहलाने की बड़ी साजिश नाकाम

पाकिस्तान से रिंदा ने भेजे थे विस्फोटक; 3 के खिलाफ मामला दर्ज

जालंधर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। जालंधर में आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) बरामदगी मामले की जांच में लगातार नए तथ्य सामने आ रहे हैं। अब इस मामले में पाकिस्तान में बैठे बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआइ) के आतंकी हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा सहित उसके सहयोगियों पुर्तगाल में बैठे गुरदासपुर निवासी आतंकी और गैंग्सटर जसविंदर सिंह उर्फ मनु अगवान और मनजिंदर सिंह उर्फ बिल्ला के खिलाफ भी थाना पतारा में विभिन्न धाराओं के तहत एफआइआर दर्ज की गई है।

जांच में सामने आया है कि रिंदा ने पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हथियार और विस्फोटक पंजाब भेजे थे, जिनका इस्तेमाल जालंधर समेत पंजाब में बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम देने के लिए किया जाना था। बताया जाता है कि जो आइईडी जालंधर में मिली है, वो ड्रोन के जरिए अमृतसर में फेंकी गई थी, जिसे आतंकियों के साथी ने उठाकर जालंधर में आकर सतबीर, रणजीत और उसके साथियों को दी। काउंटर इंटेलीजेंस और सीआइए देहाती अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपितों को को आइईडी कौन दे गया।

वहीं पुलिस इस एंगल पर भी जांच कर रही है कि कहीं सतबीर, रणजीत और बाकी साथी खुद अमृतसर जाकर आइईडी तो नहीं लेकर आए। काउंटर इंटेलिजेंस और सीआइए देहाती को मिली सूचना के आधार पर दर्ज एफआइआर में कहा गया है कि पाकिस्तान में बैठा आतंकी हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा लगातार भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रच रहा है।

हाईवे के गड्ढे ने ली टीडीआरएफ जवान की जान

मुंबई, 4 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मुंबई-नासिक हाईवे पर गड्ढों की समस्या ने एक और जान ले ली। ठाणे टीडीआरएफ (ठाणे डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स) के 31 वर्षीय जवान विकास लहू गोरे की शाहपुर तालुका में भारंगी नदी के पुल के पास एक गड्ढे में बाइक फंसने से एक्सीडेंट में मौत हो गई। बामने गांव के रहने वाले विकास गोरे सोमवार सुबह अपनी ड्यूटी करने के लिए काम पर निकले थे। आज यानी सुबह विकास गोरे मुंबई-नासिक हाईवे पर शाहपुर तालुका में भारंगी नदी पर बने पुल के पास अपनी बुलेट बाइक पर ड्यूटी पर थे, तभी उनकी बाइक सड़क पर बड़े गड्ढे में जा घुसी। इस वजह से, वह बाइक से कंट्रोल खो बैठे और सड़क पर गिरकर डिवाइडर से जोर से टकरा गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं।

हादसे के बाद, स्थानीय लोगों ने उन्हें तुरंत शाहपुर उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि, इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बता दें कि कुछ दिन पहले ही उन्होंने भिवंडी में कोहिनूर बिल्डिंग हादसे में दूसरों को बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाली थी। हालांकि, दूसरों की जान बचा रहे इस जवान की जान हाईवे पर बने गड्ढे की वजह से चली गई। इस घटना से इलाके में हंगामा हो रहा है और हाईवे पर गड्ढों के मुद्दे पर एक बार फिर गुस्सा जाहिर किया जा रहा है।

मुंबई के पास भिवंडी में गुरुवार रात कोहिनूर नाम की एक 4 मंजिला रिहायशी इमारत भरभरा कर ढह गई थी। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई।

184 संदिग्ध केस, 22 मासूमों की मौत

मिट्टी के घरों से लेकर आईसीयू तक, गुजरात में चांदीपुरा वायरस ने बढ़ाई चिंता

गांधीनगर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात में चांदीपुरा वायरस से बच्चों की 22 मौत दर्ज की गई हैं। अब तक सामने आए 184 संदिग्ध मामलों में से 35 की पुष्टि हुई है। राज्य का स्वास्थ्य विभाग कई जिलों में निगरानी और इलाज की कोशिशें जारी रखे हुए है। बीमारी के फैलने के बारे में जानकारी देते हुए स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल्ल पानशेरिया ने कहा कि राज्य में सामने आए सभी संदिग्ध मामलों में चांदीपुरा वायरस की पुष्टि नहीं हुई है। अब तक कुल 184 संदिग्ध मामले सामने आए हैं, जिनमें से 35 में चांदीपुरा वायरस की पुष्टि हुई है। 11 सैंपल के नतीजों का अभी भी इंतजार है। मंत्री ने बताया कि अब तक सामने आए संदिग्ध मामलों में से 22 बच्चों की इस वायरस के कारण मौत हो चुकी है। वायरस की पुष्टि वाले सात मरीजों का अभी राज्य भर के सरकारी अस्पतालों में इलाज चल रहा है, जबकि 6 मरीज ठीक होकर अस्पताल से डिस्चार्ज हो चुके हैं। मंत्री के अनुसार, गांधीनगर, साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर, पाटन, राजकोट और भावनगर के सरकारी अस्पतालों में भर्ती बच्चों का खास इलाज किया जा रहा है और डॉक्टर लगातार उनकी हालत पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि ये संक्रमण किसी एक गांव या इलाके तक सीमित नहीं थे, बल्कि गुजरात के अलग-अलग हिस्सों से सामने आए थे, जिसके कारण स्वास्थ्य विभाग की टीमें जमीनी स्तर पर सक्रिय हैं। बचाव के उपायों के तहत, विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि वे मिट्टी के घरों और दीवारों में मौजूद दरारों को भर दें, साथ ही पशुपालन वाले इलाकों में बड़े पैमाने पर कीटनाशक का छिड़काव किया जा रहा है।

क्या राजनीति छोड़ देंगे मुंडे परिवार के दो बड़े नेता?

सियासी अटकलें तेज, पंकजा और धनंजय ने बयानों पर दी सफाई

छत्रपति संभाजीनगर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री पंकजा मुंडे के साथ उनके चचेरे भाई और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) विधायक धनंजय मुंडे के राजनीति से संन्यास लेने से जुड़े बयानों ने सियासी हलकों में चर्चा छेड़ दी है। हालांकि, दोनों नेताओं ने स्पष्ट किया कि फिलहाल उनका राजनीति छोड़ने का कोई इरादा नहीं है। एक अगस्त को बीड जिले के परली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पंकजा मुंडे ने स्थानीय सड़कों की खराब स्थिति और प्रशासनिक व्यवस्था पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा भी आया, जब उन्होंने राजनीति छोड़ने के बारे में सोचा। पंकजा मुंडे ने कहा, मैं पिछले 24 घंटे से इसी सड़क से गुजर रही हूं। यहां सब कुछ वैसा ही है।

मैंने अपने निजी सहायक (पीए) से पूछा कि आखिर यह सब कब बदलेगा? मैंने कहा कि अब मैं थक गई हूं और राजनीति से संन्यास लेना चाहती हूं। हालांकि, पंकजा मुंडे ने तुरंत अपने बयान को स्पष्ट करते हुए कहा कि आम लोगों के उत्साह ने उन्हें फिर से काम करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा, जब मैंने गरीब लोगों की आंखों में चमक देखी तो मुझे एहसास हुआ कि मेरा काम अभी खत्म नहीं हुआ है। भाजपा के दिवंगत नेता गोपीनाथ मुंडे की बेटी पंकजा मुंडे ने सियासी संकेतों से भरी टिप्पणी करते हुए कहा, अगर मुझे लगे कि राजनीति मेरे विचारों के अनुरूप नहीं है, तो जैसे समृद्धि महामार्ग पर निकास (एग्जिट) होता है, वैसे ही मेरी राजनीति में भी एक निकास होगा।

राजनीति वही प्रभावी ढंग से कर सकता है, जो उस निकास के लिए भी तैयार हो। पंकजा मुंडे की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब वह 2024 के लोकसभा चुनाव में बीड सीट से हारने के बाद भाजपा की ओर से विधान परिषद के लिए मनोनीत की जा चुकी हैं। इसी दिन माजलगांव में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में एनसीपी विधायक धनंजय मुंडे ने भी राजनीति छोड़ने की संभावना का जिक्र किया। उन्होंने कहा, जातीय राजनीति बहुत गंदी हो गई है। कई बार हम जैसे लोगों के मन में भी सवाल आता है कि क्या राजनीति में बने रहना चाहिए।

हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वह सामाजिक सुधारकों के आदर्शों के प्रति प्रतिबद्ध हैं। धनंजय मुंडे ने कहा, हम महान समाज सुधारकों से प्रेरणा लेते हैं और समानता तथा सामाजिक न्याय के लिए काम करते रहेंगे। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब वह मार्च 2025 में राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने के बाद राजनीतिक वापसी की कोशिश कर रहे हैं।

'मार्क जुकरबर्ग, झुको मत'

पीएम मोदी की पोस्ट विवाद पर महुआ मोइत्रा ने खुलकर दिया मेटा का साथ

कोलकाता, 4 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फेसबुक पोस्ट कुछ समय के लिए हटाए जाने के विवाद ने अब राजनीतिक रंग ले लिया है। इस मामले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया कंपनी मेटा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मार्क जुकरबर्ग का खुलकर समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि मेटा को किसी दबाव में आकर माफी नहीं मांगनी चाहिए। वहीं, इस मामले को लेकर संसदीय समिति ने मेटा के अधिकारियों से जवाब-तलब किया और कंपनी ने गलती के लिए माफी मांगने की इच्छा जताई। महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, हैलो मार्क, कृपया किसी के दबाव में आकर माफी मत मांगिए। भारत सरकार अक्सर नागरिकों पर दबाव बनाती है, उन्हें धमकाती है और सरकार की आलोचना करने वाले कंटेंट को अपनी इच्छा से हटवाती है। एक वीडियो कुछ घंटों के लिए गलती से हट गया, इससे आसमान नहीं टूट पड़ा। महुआ मोइत्रा की यह प्रतिक्रिया उस समय आई, जब मेटा के प्रतिनिधि सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय स्थायी समिति के सामने पेश हुए। बैठक में समिति के सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फेसबुक पोस्ट कुछ समय के लिए हटाए जाने और कंपनी की कंटेंट मॉडरेशन नीति को लेकर कई सवाल पूछे।

रिपोर्ट के अनुसार, मेटा के अधिकारियों ने समिति को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की फेसबुक पोस्ट कुछ समय के लिए गलती से प्रतिबंधित हो गई थी और बाद में उसे बहाल कर दिया गया। समिति ने यह भी जानना चाहा कि पोस्ट हटाने के लिए आखिर जिम्मेदार कौन था और इस मामले में जवाबदेही किसकी तय की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, एक भाजपा सांसद ने कहा कि केवल माफी मांगना पर्याप्त नहीं है और कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं, एक अन्य सदस्य ने कहा कि लोकतंत्र में यदि प्रधानमंत्री का वीडियो भी सुरक्षित नहीं है, तो इस मामले में जवाबदेही तय होनी चाहिए। समिति ने मेटा के अधिकारियों से प्रधानमंत्री मोदी से जुड़े डीपफेक वीडियो की पहचान करने में कंपनी की तकनीकी व्यवस्था और एल्गोरिदम में संभावित पक्षपात को लेकर भी सवाल पूछे।

बैठक की अध्यक्षता भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने की। इस बैठक का उद्देश्य सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के नियमन पर चर्चा करना था। बैठक में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस। कृष्णन के अलावा मेटा, गूगल, एक्स, यूट्यूब और स्नैपचैट के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

'रमेश बिधूड़ी में इतनी हिम्मत होती तो वो जंतर-मंतर जाकर बोलते'', पंक्चर वाले बयान पर भड़के वारिस पठान

मुंबई, 4 अगस्त (एजेंसियां)। जंतर-मंतर समेत देशभर में छात्रों के आंदोलन पर भारतीय जनता पार्टी के नेता रमेश बिधूड़ी ने विवादित बयान दिया था। बिधूड़ी ने आंदोलनकारी छात्रों को 'पंक्चर वालों की औलादें' बताया था, जिसके बाद से बवाल शुरू हो गया। उनके इस बयान पर अब एआईएमआईएम नेता वारिस पठान की प्रतिक्रिया आई है। एआईएमआईएम नेता वारिस पठान ने रमेश बिधूड़ी के बयान पर नाराजगी जताते हुए कहा, इन लोगों (बीजेपी नेताओं) को हमारे देश के युवा के बार में गलत-सलत बोलने की आदत है। बिधूड़ी जैसे लोग देश का माहौल खराब कर रहे हैं। ये लोग रेगुलर ऑफेंडर हैं। वारिस पठान का कहना है कि रमेश बिधूड़ी हमेशा ही ऐसी बकवास बातें करते हैं। उनका मानसिक संतुलन खो चुका है। पहले भी उन्होंने सदन में खड़े होकर 'आतंकवादी', 'देशद्रोही' और पता नहीं क्या क्या अनाप-शनाप बातें बोली हैं। अगर आपके अंदर हिम्मत थी तो जंतर-मंतर पर पहुंच कर 'पंक्चर पुत्र' जैसे बयान देते। इतना ही नहीं, वारिस पठान ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युवाओं को फ्रेंड्स बताते हैं और दूसरी ओर उन्हीं के नेता ऐसे बयान देते हैं।

बिटकॉइन निवेश घोटाले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

हेमंत ईश्वर शर्मा की 8.54 करोड़ की संपत्ति कुर्क

देहरादून, 4 अगस्त (एजेंसियां)। बिटकॉइन में निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये की कथित ठगी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने आरोपी हेमंत ईश्वर शर्मा की 8.54 करोड़ रुपये मूल्य की चल और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच (कुर्क) कर लिया है। इससे पहले भी ईडी उसकी 4.56 करोड़ रुपये की संपत्तियां अटैच कर चुकी है। जांच एजेंसी का दावा है कि निवेशकों से जुटाई गई रकम का इस्तेमाल आलीशान जीवनशैली, महंगी संपत्तियां और लग्जरी वाहनों की खरीद में किया गया।

ईडी ने बिटकॉइन निवेश घोटाले के आरोपी हेमंत ईश्वर शर्मा की 8.54 करोड़ रुपये मूल्य की चल और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच कर लिया है। इससे पहले एजेंसी 4.56 करोड़ रुपये की संपत्तियां भी कुर्क कर चुकी है।

ताजा कार्रवाई के बाद अब तक कुल 13.10 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां ईडी के दायरे में आ चुकी हैं। ईडी के अनुसार, हेमंत ईश्वर शर्मा ने वर्ष 2014-15 के दौरान आयरलैंड में पंजीकृत एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए बिटकॉइन निवेश योजना शुरू की थी। निवेशकों को कम समय में अधिक मुनाफा देने का लालच दिया गया। साथ ही यह दावा किया गया कि कंपनी से कई विदेशी नागरिक जुड़े हैं और यह एक अंतरराष्ट्रीय निवेश नेटवर्क का हिस्सा है। इससे लोगों का भरोसा बढ़ा और बड़ी संख्या में लोगों ने निवेश किया।

जांच एजेंसी के मुताबिक, बड़ी मात्रा में निवेश जुटाने के बाद वेबसाइट का संचालन अचानक बंद कर दिया गया। इसके बाद हजारों निवेशकों का पैसा फंस गया। मामले में दर्ज शिकायतों के आधार पर देहरादून के राजपुर थाना और ऊधमसिंह नगर के दिनेशपुर थाना में मुकदमे दर्ज किए गए। इन्हीं मामलों के आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की। ईडी का दावा है कि ब्लॉकचेन विश्लेषण के दौरान करीब 856.23 बिटकॉइन के लेनदेन का पता चला है। एजेंसी के अनुसार, अब तक की जांच में लगभग 200 करोड़ रुपये की कथित अपराध से अर्जित आय (प्रोसीड्स ऑफ क्राइम) के सुराग मिले हैं।

जांच में यह भी सामने आया कि निवेशकों से जुटाई गई रकम को विभिन्न क्रिप्टो एक्सचेंजों के जरिए वित्तीय प्रणाली में शामिल कर उसकी वास्तविक पहचान छिपाने की कोशिश की गई। ईडी के अनुसार, जांच में यह भी सामने आया कि हेमंत ईश्वर शर्मा के पास आय का कोई स्पष्ट और वैध स्रोत नहीं था, लेकिन इसके बावजूद वह बेहद आलीशान जीवनशैली जी रहा था।

जांच में पता चला कि आरोपी ने देहरादून के पॉश इलाके में एक बंगला खरीदा, अपने नाम दो बीएमडब्ल्यू कारें खरीदीं और देहरादून व आसपास के क्षेत्रों में करोड़ों रुपये की अचल संपत्तियां अर्जित कीं। एजेंसी का आरोप है कि कथित अवैध कमाई का इस्तेमाल संपत्तियां खरीदने, लग्जरी वाहन लेने और मकान के नवीनीकरण जैसे कार्यों में किया गया।

राजा रघुवंशी और सोनम की शादी का कैटरिंग बिल अभी तक है बकाया

15 दिन में पैसे नहीं दिए तो होगा केस

इंदौर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। सनसनीखेज हत्याकांड के कारण देशभर में सुर्खियों में रही राजा रघुवंशी और सोनम रघुवंशी की शादी एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार मामला न तो शादी का है और न ही हत्याकांड का, बल्कि उसी विवाह समारोह के बकाया कैटरिंग बिल को लेकर नया बवाल सामने आया है। बताया जा रहा है कि राजा और सोनम रघुवंशी की शादी का 2 लाख 82 हजार 550 रुपये का कैटरिंग बिल बकाया है। कैटरिंग कारोबारी ने सोनम रघुवंशी के भाई गोविंद रघुवंशी और उनके परिवार को कानूनी नोटिस भेजकर 15 दिन के भीतर भुगतान की मांग की है।

चेतावनी दी गई है कि रकम नहीं चुकाने पर धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात का मामला दर्ज कराया जाएगा। हाई कोर्ट अधिवक्ता जयंत दुबे के माध्यम से भेजे गए नोटिस में कैटरिंग व्यवसायी हितेश उर्फ जिमी रोहिरा ने दावा किया है कि 10 और 11 फरवरी 2025 को राजा रघुवंशी और सोनम रघुवंशी के विवाह समारोह की पूरी कैटरिंग और भोजन व्यवस्था उन्होंने संभाली थी। नोटिस के मुताबिक, आयोजन का कुल बिल 11 लाख 42 हजार 550 रुपये था। इसमें से 8 लाख 60 हजार रुपये का भुगतान किया गया, लेकिन 2 लाख 82 हजार 550 रुपये आज भी बकाया है। कारोबारी का आरोप है कि कई बार फोन, मुलाकात और लिखित रूप से भुगतान की मांग की गई, लेकिन हर बार सिर्फ भरोसा मिला।

आखिरकार कारोबारी ने सोनम रघुवंशी के भाई गोविंद रघुवंशी और उनके परिवार को विधिक नोटिस भेजकर 15 दिन का अंतिम मौका दिया है। नोटिस में साफ कहा गया है कि यदि तय समय में पूरी राशि का भुगतान नहीं हुआ, तो धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात के आरोपों में आपराधिक शिकायत दर्ज कराई जाएगी।

जम्मू-कश्मीर में हाईवे बंद होने से सेब उत्पादक परेशान

श्रीनगर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। पिछले साल श्रीनगर-जम्मू नेशनल हाईवे के लंबे समय तक बंद रहने से 2,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा का नुकसान झेलने के बाद, कश्मीर के सेब उत्पादकों ने अभी चल रहे कटाई के मौसम में हाईवे पर बार-बार रुकावटों को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने देश भर की मंडियों तक फल लदे ट्रकों की बिना रुकावट आवाजाही की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि जल्दी खराब होने वाले इस सामान को ले जाने में देरी से इस साल भी भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है। सेब उद्योग, जो लाखों परिवारों की आजीविका का साधन है और जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था में सालाना लगभग 12,000 करोड़ रुपये का योगदान देता है, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बेंगलुरु और चेन्नई की मंडियों तक फल पहुंचाने के लिए पूरी तरह से 270 किलोमीटर लंबे श्रीनगर-जम्मू नेशनल हाईवे पर निर्भर है। कश्मीर वैली फ्रूट ग्रोअर्स-कम-डीलर्स यूनियन के अध्यक्ष बशीर अहमद बशीर ने कहा कि हाईवे घाटी के बागवानी क्षेत्र की जीवन रेखा है और इसमें किसी भी तरह की रुकावट का सीधा असर सेब के व्यापार पर पड़ता है। अभी, हर दिन सेब लदे लगभग 100 से 125 ट्रक घाटी से देश भर की मंडियों के लिए निकलते हैं। जैसे-जैसे कटाई का मौसम ज़ोर पकड़ेगा, यह संख्या बढ़ने की उम्मीद है। बशीर ने बताया कि हाल ही में फल लदे ट्रक हाईवे पर लगभग तीन दिनों तक फंसे रहे और प्रशासन से बार-बार गुहार लगाने के बाद ही उन्हें आगे बढ़ने दिया गया।

जंगल से भटककर गांव पहुंचा हिरण आवारा कुत्तों ने ले ली जान

देहरादून, 4 अगस्त (एजेंसियां)। राजाजी टाइगर रिजर्व से सटे हरिपुरकलां में दोपहर एक हिरण जंगल से भटककर आबादी क्षेत्र में पहुंच गया, जहां उसे दो आवारा कुत्तों ने घेरकर मार डाला। वहीं, ग्रामीणों की ओर से सूचना देने के बाद भी वन विभाग एक दूसरे का क्षेत्र बताकर टालते रहे। बाद में उच्च अधिकारियों के निर्देश पर करीब दो घंटे बाद मोतीचूर रेंज से वनकर्मियों की टीम मौके पर पहुंची। वहीं, इस दौरान ग्रामीणों ने हिरण को बचाने के भरसक प्रयास किए लेकिन सफलता नहीं मिली। स्थानीय निवासी एडवोकेट अरूण जोशी ने बताया कि उन्होंने तुरंत घटना की जानकारी मोतीचूर व हरिद्वार रेंज के अधिकारियों से लेकर पार्क निदेशक तक को दी, लेकिन किसी ने भी सक्रियता नही दिखाई।

करीब दो घंटे बाद मोतीचूर रेंज से वन कर्मियों की टीम मौके पर पहुंची और मृत हिरण के शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की। वन्य जीव प्रतिपालक विजय सैनी ने बताया कि हिरण भटककर आबादी क्षेत्र में पहुंच गया था, जहां उसे कुत्तों ने घेरकर मार डाला। सूचना के बाद मौके पर टीम भेजी गई। बता दें कि हरिपुरकलां क्षेत्र मोतीचूर रेंज से सटा है, मगर हरिद्वार रेंज के अंतर्गत है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
बुधवार, 5 अगस्त, 2026

सुविचार: समय बुरा या अच्छा नहीं होता। कर्म बुरे या अच्छे होते है।

वरंगल को तेलंगाना का दूसरा सबसे बड़ा मेडिकल हब बनाना सरकार का लक्ष्य : मंत्री कोंडा सुरेखा

सरकारी अस्पतालों में आधारभूत सुविधाओं, कर्मचारियों की भर्ती पर हुई व्यापक समीक्षा

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की सोच के अनुरूप वरंगल को तेलंगाना का दूसरा सबसे बड़ा मेडिकल हब के रूप में विकसित करना राज्य सरकार का लक्ष्य है। वन, पर्यावरण एवं देवदाय धर्मादाय मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि सरकार वरंगल जिले में अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए कार्ययोजना के अनुसार आगे बढ़ रही है। मंत्री कोंडा सुरेखा ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिंह के साथ सचिवालय स्थित उनके कार्यालय में संयुक्त वरंगल जिले के सरकारी अस्पतालों, चिकित्सा महाविद्यालयों और अन्य स्वास्थ्य संस्थानों के विकास कार्यों पर विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में अत्याधुनिक तकनीक के उपयोग, आधारभूत सुविधाओं के विकास, चिकित्सा सेवाओं के विस्तार और जनता को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने जैसे विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में संयुक्त वरंगल जिले के विधायक रेवूरी प्रकाश रेड्डी, कडियम श्रीहरि, नागराजू, नायिनी राजेंद्र रेड्डी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की सचिव क्रिस्टिना चोंग्थू तथा विभाग के कई अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान वरंगल सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के निर्माण कार्यों की प्रगति,

एमजीएम अस्पताल, सीकेएम सरकारी प्रसूति अस्पताल, सरकारी आयुर्वेदिक शिक्षण अस्पताल, नरसंपेट सरकारी सामान्य अस्पताल, सरकारी क्षेत्रीय नेत्र अस्पताल, काकतीय मेडिकल कॉलेज सहित संयुक्त वरंगल जिले के अन्य चिकित्सा संस्थानों में विकास कार्यों, कर्मचारियों की भर्ती और विधायकों द्वारा दिए गए प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्रियों ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वरंगल सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में आपातकालीन विभाग, डायलिसिस सुविधा, कैथ लैब, ऑक्सीजन सुविधा और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की व्यवस्था के साथ आवश्यक कर्मचारियों की नियुक्ति पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों को जल्द पूरा कर अस्पताल को जनता के लिए उपलब्ध कराया जाए, जिससे एमजीएम अस्पताल पर बढ़ रहे दबाव को कम किया जा सके।

बैठक में एमजीएम, सीकेएम और हनुमकोंडा सरकारी प्रसूति अस्पतालों में मरीजों की संख्या, बाह्य एवं आंतरिक रोगी सेवाओं, कर्मचारियों और उपलब्ध सुविधाओं की स्थिति की भी समीक्षा की गई। मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि एमजीएम अस्पताल में लगातार बढ़ रही मरीजों की संख्या को देखते हुए डॉक्टरों, नर्सों और अन्य कर्मचारियों के रिक्त पदों को तत्काल भरने की आवश्यकता है। मंत्री कोंडा सुरेखा ने संयुक्त वरंगल जिले के सरकारी अस्पतालों और चिकित्सा महाविद्यालयों के विकास, कर्मचारियों की भर्ती और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की व्यवस्था से संबंधित प्रस्ताव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिंह को सौंपे।

'ग्रीन अस्पताल' की दिशा में कदम

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री कोंडा सुरेखा ने सरकारी अस्पतालों में एकल उपयोग प्लास्टिक के पूर्ण प्रतिबंध और पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को लागू करने का सुझाव दिया। उन्होंने सीकेएम अस्पताल में जमा पुराने कबाड़ और अपशिष्ट सामग्री को हटाकर उस स्थान का उपयोग अस्पताल की आवश्यकताओं के लिए करने की बात कही। उन्होंने एमजीएम और सीकेएम अस्पतालों के ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए इनके विकास के लिए व्यापक कदम उठाने तथा सीकेएम अस्पताल से जुड़े उर्सु प्रसूति अस्पताल में सुविधाओं का विस्तार करने के निर्देश दिए। मंत्री कोंडा सुरेखा ने अधिकारियों से कहा कि वरंगल जिले का प्रत्येक सरकारी चिकित्सा संस्थान जनता के लिए भरोसेमंद स्वास्थ्य केंद्र बने। उन्होंने चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता, आवश्यक आधारभूत सुविधाओं, कर्मचारियों और आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहने देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता को बेहतर और निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के लक्ष्य के अनुसार लोगों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्ययोजना लागू की जानी चाहिए।

इंटरपोल अधिकारी बनकर धोखाधड़ी करने वाले पर मामला दर्ज

मेडक, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मेडक पुलिस ने एक ऐसे व्यक्ति पर मामला दर्ज किया है जिसके पास इंटेलिजेंस और इंटरपोल के पहचान पत्र थे।

हैदराबाद के कोथापेट का रहने वाला बुक्का संतोष, अपने दोस्त श्रीनाथ के साथ सोमवार को मेडक कलेक्ट्रेट पहुंचा था। वे ज़मीन के विवाद से जुड़ी शिकायत के सिलसिले में कलेक्टर प्रतिमा सिंह को अपनी बात बताने गए थे।

खुद को इंटरपोल अधिकारी बताते हुए, संतोष ने कलेक्टर को अपने दो पहचान पत्र दिखाए। उनके नकली होने का शक होने पर, कलेक्टर ने मेडक के डीएसपी प्रसन्ना कुमार और अन्य अधिकारियों को इसकी जांच करने के लिए कहा। सोमवार देर रात तक चली गहन जांच के बाद, पुलिस ने संतोष के खिलाफ मामला दर्ज किया। आगे की जांच जारी है।

एक सितंबर से सरकारी कार्यालयों में केवल टी-फाइबर के जरिए मिलेगी इंटरनेट सेवा : मंत्री श्रीधर बाबू

सचिवालय में टी-फाइबर पर समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सभी सरकारी कार्यालयों में इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराने को लेकर सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने सचिवालय में टी-फाइबर परियोजना की प्रगति पर महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्य सचिव संजय जाजू, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त सचिव अनुदीप दुरिशेट्टी और टी-फाइबर के प्रबंध निदेशक वेणु प्रसाद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री श्रीधर बाबू ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 1 सितंबर से राज्य के सभी सरकारी कार्यालयों में केवल टी-फाइबर के माध्यम से ही इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी सरकारी कार्यालयों को टी-फाइबर नेटवर्क से जोड़ने के लिए

आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी की जाएं। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि 1 सितंबर के बाद सरकारी कार्यालयों में इंटरनेट सेवाओं के लिए निजी संचालकों को किसी भी प्रकार के बिल का भुगतान नहीं किया जाए। मंत्री ने कहा कि वर्तमान में चल रहे टी-स्वान नेटवर्क को एक महीने के भीतर टी-फाइबर नेटवर्क में स्थानांतरित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य की महत्वाकांक्षी फ्यूचर सिटी परियोजना में भी पूरी क्षमता के साथ टी-फाइबर इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराने की पुख्ता व्यवस्था की जाए। श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई 'घर-घर इंटरनेट' योजना को और तेज गति से लागू किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक बेहतर इंटरनेट सुविधा पहुंचाई जा सके। उन्होंने टी-फाइबर अधिकारियों को परियोजना के सभी कार्य निर्धारित समय में पूरा करने और सरकारी संस्थानों को निर्बाध इंटरनेट सेवा

तेलंगाना में हॉलमार्क नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की मांग

हनमकोंडा, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कंज्यूमर कॉन्फेडरेशन ऑफ़ इंडिया ने मांग की है कि हाल ही में सामने आए हॉलमार्क नियमों के उल्लंघन को देखते हुए पूरे तेलंगाना में सोने के गहनों के कारोबार की जांच की जाए। यहां एक उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम में बोलते हुए सीसीआई के राष्ट्रीय सचिव डॉ. पल्लेपाडु दामोदर ने बताया कि हाल ही में ब्यूरो ऑफ़ इंडियन स्टैंडर्ड्स के अधिकारियों ने वारंगल की एक दुकान से 10 करोड़ रुपये मूल्य के बिना हॉलमार्क वाले गहने जब्त किए।

उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि लाखों रुपये खर्च करके खरीदे गए सोने के गहनों में क्वालिटी और शुद्धता की कमी थी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार, बाजार में बेचे जाने वाले सोने के हर गहने पर 'हॉलमार्किंग यूनिट आइडेंटिफिकेशन नंबर' होना अनिवार्य है।

हालांकि, आरोप है कि व्यापारी मनमानी कर रहे हैं, घटिया क्वालिटी के गहने बेच रहे हैं और ग्राहकों को धोखा दे रहे हैं। डॉ. दामोदर ने कहा कि लीगल मेट्रोलॉजी अधिकारियों को सघन छापेमारी करनी चाहिए। कंज्यूमर काउंसिल के राष्ट्रीय महासचिव संबाराजू चक्रपाणि ने बताया कि व्यापारी सोने और चांदी के गहनों की बिक्री पर जारी रसीदों में पूरी जानकारी नहीं दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि खासकर चांदी की बिक्री के मामले में अक्सर शुद्धता का प्रतिशत नहीं बताया जाता है, जिससे असली चांदी के बजाय निकेल सिल्वर या जर्मन सिल्वर जैसी नकली सामग्री बेचे जाने की संभावना बनी रहती है।

चक्रपाणि ने कहा कि उपभोक्ता अदालतों में सोना, चांदी और गहनों से जुड़ी कई शिकायतें दर्ज की जा रही हैं। उन्होंने ब्यूरो ऑफ़ इंडियन स्टैंडर्ड्स के अधिकारियों से आग्रह किया कि वे चांदी के गहनों की बिक्री के लिए भी हॉलमार्किंग अनिवार्य करें। इस मौके पर कंज्यूमर एडवाइजरी कमेटी की सदस्य इंदिरा, कविराज और ज्योत्सना के साथ-साथ राज्य संयुक्त सचिव रावुल रंजीत कुमार, कार्यकारी सदस्य सतीश और प्रशांत तथा अन्य लोग मौजूद थे।

मत्स्य क्षेत्र के विकास को लेकर समीक्षा बैठक

बीमा, मोपेड और खुदरा बिक्री केंद्रों पर सरकार का जोर

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के मछुआरों के कल्याण, मत्स्य क्षेत्र के विकास, आधारभूत सुविधाओं के निर्माण और सहकारी समितियों को मजबूत करने के उद्देश्य से पशुपालन, डेयरी विकास, मत्स्य, युवा सेवा एवं खेल मंत्री वाकिटि श्रीहरि ने जिला मत्स्य सहकारी समितियों के अध्यक्षों और प्रमोटरों के साथ बैठक की। मंगलवार को हैदराबाद स्थित मंत्रियों के क्वार्टर में आयोजित बैठक में मछुआरों की समस्याओं, कल्याणकारी योजनाओं और मत्स्य क्षेत्र के विस्तार से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। मंत्री वाकिटि श्रीहरि ने कहा कि राज्य के 26 हजार तालाबों और 100 जलाशयों में मछली पालन को और अधिक बढ़ावा देने के साथ मछुआरों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि मछुआरों के लिए बीमा सुविधा, मोपेड उपलब्ध कराने और खुदरा बिक्री केंद्र स्थापित करने को लेकर सरकार कार्ययोजना तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि जिला मत्स्य सहकारी समितियों के अध्यक्षों के साथ प्रत्येक तीन महीने में एक बार विशेष बैठक आयोजित कर उनकी समस्याओं की समीक्षा की जाएगी। मंत्री ने आश्वासन दिया कि निःशुल्क मछली बीज वितरण योजना को जारी रखा जाएगा तथा मछुआरों से संबंधित लंबित बकाया राशि के भुगतान के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। मंत्री ने बताया कि विद्यार्थियों के पोषण स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से मध्याह्न भोजन योजना में मछली को शामिल करने के प्रस्ताव पर सरकार विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर से लेकर ग्राम स्तर तक मत्स्य सहकारी समितियों में सदस्यता को लेकर चल रहे विवादों का समाधान करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हैदराबाद के कोहेड़ा में निर्माणाधीन एकीकृत मत्स्य बाजार के पूरा होने के बाद ऑनलाइन माध्यम से मछली की बिक्री और वितरण की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने बताया कि मछुआरों से जुड़े 1 करोड़ 34 लाख रुपये के बीमा दावों का निपटारा सरकार द्वारा किया जा चुका है। मंत्री श्रीहरि ने कहा कि मत्स्य सहकारी समितियों के अध्यक्षों को प्रोटोकॉल में उचित स्थान देने के मुद्दे पर सरकार से चर्चा कर आवश्यक निर्णय लेने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मछुआरों के कल्याण और आर्थिक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा सहयोग करती रहेगी।

तेलंगाना राज्य की वित्तीय स्थिति बिगड़ी: प्रभाकर

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर ने आज राज्य की कांग्रेस सरकार के कामकाज की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के ढाई साल के कार्यकाल के बाद भी राज्य की वित्तीय स्थिति पूरी तरह से बिगड़ गई है और प्रशासन ठप पड़ गया है।

उन्होंने राज्य कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में् पूर्व विधायक ने कहा कि राज्य की वित्तीय स्थिति बुरी तरह प्रभावित हुई है, खजाना खाली है और राज्य ऐसी दयनीय स्थिति में पहुंच गया है कि वह नया कर्ज भी नहीं ले सकता। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने चुनाव से पहले किए गए अपने 'छह वादों' (सिक्स गारंटी) को पूरी तरह से भुला दिया है और इसके बजाय '6 सीएस' पर आधारित शोषणकारी प्रशासन चला रही है ताकि लोग उन वादों को भूल जाएं। इनमें बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार, कमीशन, संपर्क, कमान और अपनी कुर्सी बचाने के लिए दिल्ली दरबार में नजराना पेश करना शामिल है।

प्रभाकर ने आलोचना की कि कांग्रेस सरकार का एकमात्र मकसद जन कल्याण को दरकिनार कर लूट-खसोट करना, जमाखोरी करना और अपनी कुर्सी बचाने के लिए दिल्ली पैसे भेजना है।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने इस बात पर भी चिंता जताई कि तेलंगाना में जहां राज्य पर कर्ज हर दिन बढ़ रहा है, वहीं सरकारी संपत्ति घट रही है। साथ ही, कांग्रेस मंत्रियों की संपत्ति तेजी से बढ़ रही है; उन्होंने सबूत के तौर पर सत्ताधारी पार्टी के एक नेता का उदाहरण दिया जिसने कुछ ही मिनटों में सैकड़ों करोड़ रुपये का कर्ज चुका दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति पैदा हो गई है जहां मंत्रियों को अपनी कुर्सी सुरक्षित रखने के लिए नजराना देना पड़ता है।

प्रभाकर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार का प्रशासन पर कोई नियंत्रण नहीं है और उसने सिर्फ ढाई साल में 40 से अधिक बार आईएएस और आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो अधिकारी उनकी गैर-कानूनी गतिविधियों के आगे नहीं झुकते, उन्हें तबादले के नाम पर परेशान किया जाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्रालय मुख्यमंत्री के पास होने के बावजूद, सरकारी स्कूलों और हॉस्टलों में बच्चे हर दिन फूड पॉइजनिंग का शिकार हो रहे हैं।

उन्होंने बताया कि कुछ भ्रष्ट अधिकारी आय से अधिक संपत्ति के मामलों में शामिल हैं।

नशा मुक्त अभियान में विवि निभाएं अहम भूमिका : राज्यपाल

लोक भवन में कुलपतियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से माई भारत पोर्टल पर पंजीकरण और रेडक्रॉस सदस्यता अभियान को तेज करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय मिशन मोड में 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' को आगे बढ़ाते हुए तेलंगाना को दिए गए लक्ष्यों को निर्धारित समय में पूरा करने में सक्रिय भूमिका निभाएं। राज्यपाल ने मंगलवार को लोक भवन में कुलपतियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए माई भारत पंजीकरण, रेडक्रॉस सदस्यता नामांकन और नशा मुक्त भारत अभियान के तहत चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने प्रत्येक विश्वविद्यालय को दैनिक आधार पर प्रगति की निगरानी करने तथा संबद्ध महाविद्यालयों में नोडल अधिकारियों और छात्र दूतों की नियुक्ति कर पंजीकरण प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण जन आंदोलन है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत ही विकसित राष्ट्र की मजबूत नींव रख सकता है। देश की ताकत युवाओं में निहित है और आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य स्वस्थ, अनुशासित और सामाजिक रूप से जिम्मेदार युवा शक्ति के माध्यम से ही हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान को सफल बनाने में विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्यपाल ने बताया कि तेलंगाना को माई भारत पोर्टल पर 14.90 लाख पंजीकरण का लक्ष्य दिया गया है, जबकि अब तक केवल 4.04 लाख पंजीकरण पूरे हुए हैं। उन्होंने बताया कि 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' के तहत तेलंगाना को 2.73 लाख ऑनलाइन संकल्पों का लक्ष्य मिला है। अब तक 91 हजार से अधिक संकल्प दर्ज किए जा चुके हैं। उन्होंने विद्यार्थियों, राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों, राष्ट्रीय कैडेट कोर कैडेटों, शिक्षकों और युवाओं से माई भारत पोर्टल के माध्यम से नशा मुक्त भारत की शपथ लेने और 100 सप्ताह तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान में भाग लेने का आह्वान किया। राज्यपाल के विशेष मुख्य सचिव एम. दाना किशोर ने कहा कि राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ला, जो भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी तेलंगाना शाखा के अध्यक्ष भी हैं, के नेतृत्व में पिछले तीन महीनों में रेडक्रॉस ने 60 हजार से अधिक नए सदस्यों को जोड़ा है।

एटीसी के माध्यम से कौशल-से-रोजगार का एक मजबूत ढांचा तैयार किया जा रहा है: विवेक

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार राज्य भर में उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र (एटीसी) स्थापित कर रही है, जिसका उद्देश्य युवाओं को उद्योग से संबंधित कौशल से लैस करना और उन्हें भारत और विदेश में रोजगार के अवसरों से जोड़ना है। यह बात शक्ति (श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण और कारखाने), खान और भूविज्ञान मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने कही।

मंत्री ने कहा कि सरकार एक व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रही है जहां छात्रों को प्रशिक्षण से लेकर रोजगार तक सहायता मिलती है, यह सुनिश्चित करते हुए कि उन्हें अपने पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद नौकरी की तलाश में संघर्ष न करना पड़े। उन्होंने मंगलवार को वेमुलावाड़ा विधानसभा क्षेत्र के रुद्रंगी में नए एटीसी भवन की आधारशिला रखी। इस अवसर पर बोलते हुए विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इलेक्ट्रिक वाहन, रोबोटिक्स और ड्रोन जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के कारण रोजगार का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को भविष्य के कार्यबल के लिए तैयार करने के लिए, राज्य सरकार 119 विधानसभा क्षेत्रों में 120 उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित कर रही है, जो पुराने पारंपरिक पाठ्यक्रमों के बजाय अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

स्कूलों, शिक्षकों और छात्रों को सुरक्षा कवच पुरस्कार से सम्मानित किया गया

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबरबाद पुलिस, सोसाइटी फॉर साइबरबाद सिक्योरिटी काउंसिल (एससीएससी) और तेलंगाना राइजिंग इनिशिएटिव ने सुरक्षित और अधिक समावेशी शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देने के लिए स्कूलों, शिक्षकों और छात्रों को सुरक्षा कवच अभिनंदन पुरस्कार 2025-26 प्रदान किए। 'एक साथ, हम एक सुरक्षित, मजबूत भविष्य का निर्माण करते हैं' विषय पर आधारित यह कार्यक्रम उन विद्यालयों, शिक्षकों और छात्रों को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया गया था जिन्होंने सुरक्षा कवच क्लबों के माध्यम से सुरक्षित और अधिक समावेशी शिक्षण वातावरण के निर्माण के प्रति अनुकरणीय प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। इसने सहयोग, जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से बाल सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित किया। कार्यक्रम में डॉ. वनिता दतला संयुक्त सचिव, एससीएससी बाल एवं युवा मंच , के. पुष्पा डीसीपी साइबर अपराध, साइबराबाद, सुश्री चेतना कासम कार्यकारी समिति सदस्य, एससीएससी और रश्मि श्रीवास्तव निदेशक - रणनीतिक कार्यक्रम कार्यान्वयन, एससीएससी उपस्थित थीं। कार्यक्रम में बोलते हुए डीसीपी के. पुष्पा ने विद्यालयों को विद्यार्थी नेतृत्व वाली सुरक्षा पहलों, मार्गदर्शन और मानसिक स्वास्थ्य सहायता को मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित किया। विद्यार्थी नेताओं, शिक्षकों, विद्यालय प्रमुखों और संस्थानों को सम्मानित करते हुए चार श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अलावा, उन्होंने विद्यालयों को सुरक्षा कवच क्लबों को अधिक समावेशी बनाने, स्वयंसेवी भागीदारी बढ़ाने और प्रशिक्षित विद्यार्थी मार्गदर्शकों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जो अपने साथियों का समर्थन कर सकें।

पति ने पत्नी की हत्या की, शव को दरगाह में फेंका

संगारेड्डी, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार तड़के नागुलगिड्डा मंडल के इरकापल्ली में एक जोड़े के बीच घरेलू झगड़े के कारण महिला की हत्या हो गई।

आरोपी सैयद मुल्तान ने कथित तौर पर अपनी पत्नी इरफ़ाना (32) पर धारदार हथियार से हमला किया और अपने घर पर ही उसकी हत्या कर दी। वह शव को एक स्थानीय दरगाह ले गया और उसे दरगाह के अंदर फेंक दिया। बाद में, वह नागुलगिड्डा पुलिस स्टेशन पहुंचा और पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। हालांकि, झगड़े की असल वजह का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कांग्रेस ने स्वतंत्रता दिवस पर ग्राम सभाओं का आयोजन करने की मांग की

मतदाता सूचियों के सार्वजनिक सत्यापन की सुविधा के लिए

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) चुनाव आयोग समन्वय समिति ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) से मतदाता सूचियों के सार्वजनिक सत्यापन की सुविधा के लिए 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) को तेलंगाना भर में ग्राम सभाओं का आयोजन करने का आग्रह किया है। समिति के अध्यक्ष पुलिपति राजेश कुमार ने सदस्यों गोपीशेट्टी राघवेंद्र, वाजिद हुसैन और कासाबा श्रीनिवास के साथ सीईओ सी. सुदर्शन रेड्डी से मुलाकात की और 2023 की मतदाता सूची नियमावली के अनुसार मतदाता सूची सत्यापन को लागू करने की मांग करते हुए एक ज्ञापन प्रस्तुत किया। प्रतिनिधिमंडल ने अनुरोध किया कि 10 अगस्त को मतगणना चरण पूरा होने के बाद ग्राम सभाओं के दौरान बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) मतदाता सूची का मसौदा पढ़कर सुनाएं। उन्होंने कहा कि 17 अगस्त को मसौदा सूची प्रकाशित होने के बाद मतदाता अनुपस्थित, स्थानांतरित, डुप्लिकेट और मृत (एएसडीडी) प्रविष्टियों से संबंधित विसंगतियों की पहचान कर सकेंगे और आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। समिति ने झारखंड में अपनाई जा रही इसी तरह की प्रथा का भी हवाला दिया और उस राज्य के परिपत्र को सीईओ के विचारार्थ प्रस्तुत किया।

आठ किलो देसी घी और 126.50 रुपये की लूट

41 साल बाद मिली बेगुनाही, कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

प्रयागराज, 4 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि शिनाख्त परेड में हुई लंबी देरी की ठोस वजह नहीं बता सकना अभियोजन की बड़ी विफलता है। आरोपी इससे उपजे संदेह का लाभ पाने का अधिकारी होता है।

इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति संतोष राय की अदालत ने बदायूं में 41 साल पहले आठ किलो देसी घी और सवा सौ रुपये की लूट में सजा पाए कन्हई और कल्लू को बेगुनाह बताते हुए बरी कर दिया।

जबकि, सह-आरोपी हरपाल और दलचंद की अपील लंबित रहने के दौरान मौत हो जाने के कारण उनकी अपील पहले ही उपशमित हो चुकी है। इन्हें बदायूं की विशेष अदालत ने 15 मई 1987 को पांच साल की कैद की सजा सुनाई थी। मामला बदायूं जिले के बिसौली थाना क्षेत्र का है। 21 फरवरी 1985 को राधेश्याम शर्मा ने अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप लगाया कि

वह साइकिल से बिसाउली से अपने गांव पालिया जा रहे थे। कोट और बिसाउली के बीच सड़क किनारे चार बदमाशों ने उन्हें घेर लिया।

उन्होंने चाकू उनकी छाती पर रखकर उनसे चार किलो देसी घी के दो डिब्बे और 126.50 रुपये और कुछ किराने का सामान लूट लिया। मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जेल भेजने के 42 दिन बाद शिनाख्त परेड कराई।

इसके बाद कन्हई, कल्लू, हरपाल और दलचंद के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर दिया। 1987 में ट्रायल कोर्ट ने चारों आरोपियों को दोषी पाते हुए सजा सुना दी। इसके खिलाफ चारों ने हाईकोर्ट में अपील दाखिल की। कोर्ट ने पाया कि आरोपियों की शिनाख्त परेड जेल भेजे जाने के लगभग 42 दिन बाद और घटना के ढाई महीने बाद कराई गई थी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि शिनाख्त परेड में हुई लंबी देरी की ठोस वजह नहीं बता सकना अभियोजन की बड़ी विफलता है। आरोपी इससे उपजे संदेह का लाभ पाने का अधिकारी होता है।

इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति संतोष राय की अदालत ने बदायूं में 41 साल पहले आठ किलो देसी घी और सवा सौ रुपये की लूट में सजा पाए कन्हई और कल्लू को बेगुनाह बताते हुए बरी कर दिया। वहीं, एक अन्य मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) पर प्रतिबंध लगाने, लगाने, उसकी संपत्तियों के हस्तांतरण, सीबीआई जांच और बीसीसीआई के खिलाफ कार्रवाई की मांग वाली याचिका को खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में न्यायिक हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं बनता और करीब दो दशक पुराने घटनाक्रम को इस स्तर पर चुनौती नहीं दी जा सकती।

यह आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने द क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश की ओर से दायर याचिका पर दिया।

सांसद पप्पू यादव की बढ़ीं मुश्किलें

बीजेपी नेता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज, 11 अगस्त को कोर्ट में पेशी

प्रयागराज, 4 अगस्त (एजेंसियां)। निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। प्रयागराज में उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के विधि विभाग से जुड़े नेता एवं अधिवक्ता सुशील कुमार मिश्रा की शिकायत पर अदालत के आदेश के बाद हुई है। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। अदालत ने पप्पू यादव को 11 अगस्त को पेश होने का निर्देश दिया है। मामले की सुनवाई करते हुए अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) कक्ष संख्या-10, योगेश जैन की अदालत ने पप्पू यादव के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। कोर्ट के निर्देश के बाद बीएनएस की धारा 318(4), 338, 196, 298, 299 और 356 के तहत मामला दर्ज किया गया।

कोई नया कानून नहीं लाएंगे

69000 सहायक शिक्षक भर्ती मामले को लेकर ओम प्रकाश राजभर ने कहा

लखनऊ, 4 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी में 69000 सहायक शिक्षक भर्ती मामले को लेकर राज्य मंत्री ओम प्रकाश राजभर का बयान सामने आया है। राजभर ने कहा कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन हुआ है। उन्होंने साफ किया कि यह राज्य सरकार का फैसला नहीं है। ओम प्रकाश राजभर ने मीडिया को दिए बयान में कहा कि सरकार की तरफ़ से कोई नया कानून नहीं लाया जा रहा है।

यूपी में 69000 सहायक शिक्षक भर्ती मामला गरमाता जा रहा है। इस मुद्दे पर अब सियासत भी तेज हो गई है। प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने इस पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह सरकार का फ़ैसला नहीं है। यह सुप्रीम कोर्ट का फ़ैसला है। कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन किया गया है और सरकार की तरफ़ से कोई नया

कानून नहीं लाया जा रहा है।

चुनावों का आकलन एक या दो सीटों से नहीं

बिहार और एमपी में उपचुनाव में हार को लेकर ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि चुनावों का आकलन एक या दो सीटों से नहीं किया जाता। मध्य प्रदेश और बिहार में हमारी सरकार अभी भी है।

यूपी में 69,000 सहायक शिक्षक भर्ती का मामला कथित अनियमितताओं को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों का आरोप था कि चयन प्रक्रिया में आरक्षण नियमों की अनदेखी की गई, जिसके बाद मामला अदालत और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पूर्व में सरकार को नई संशोधित चयन सूची तैयार करने का निर्देश दिया था।

यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर स्पष्ट किया है कि पहले से कार्यरत 67,867 शिक्षकों की नौकरी पर कोई आंच नहीं आएगी और उनकी सेवाएं सुरक्षित रहेंगी।

सरकार ने अदालत को 8,270 नए पात्र अभ्यर्थियों की सूची सौंपी है और नए योग्य उम्मीदवारों को खाली पदों पर समायोजित करने का प्रस्ताव दिया है। इस मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है। 69 हजार शिक्षक भर्ती का मुद्दा पिछले कई वर्षों से राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। अब एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई और अभ्यर्थियों के आंदोलन ने इस मामले को गर्मा दिया है।

2 .4 किलो गांजा बरामद मां–बेटे सहित 3 गिरफ्तार

घर से करते थे खरीद–बिक्री, तस्करों का नेटवर्क खंगाल रही पुलिस

भागलपुर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। भागलपुर के अकबरनगर थाना क्षेत्र के हरियो टोला में पानी टंकी के पास छापेमारी कर 2 किलो 400 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। कार्रवाई में सागर कुमार, उसकी मां शीला देवी और शकुंतला देवी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अब पूरे सप्लाई नेटवर्क की गहन जांच कर रही है।

सिटी एसपी अतुलेश झा ने बताया कि अकबरनगर थाना पुलिस को हरियो टोला स्थित एक घर में अवैध गांजा की खरीद-बिक्री की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने एक विशेष टीम का गठन किया और बताए गए स्थान पर छापेमारी की।

पुलिस टीम को देखते ही घर में मौजूद लोग भागने लगे, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पीछा कर तीनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

सिटी एसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह मामला केवल गांजा बरामदगी तक सीमित नहीं लग रहा है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि आरोपी गांजा किस स्रोत से मंगाते थे, किन-किन लोगों तक इसकी सप्लाई की जाती थी और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका क्या है। पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए तकनीकी और मानवीय दोनों स्तरों पर जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि श्रावणी मेला के दौरान जिले में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाया जाएगा।

जनता मानती है नीतीश कुमार को जबरन हटाया

पीके की जीत पर अनंत सिंह बोले– वो सीएम रहते तो ये हाल नहीं होता

पटना, 4 अगस्त (एजेंसियां)। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव परिणाम पर जदयू के विधायक अनंत कुमार सिंह ने मंगलवार को कहा कि लोगों के बीच यह हवा उड़ा दी गई है कि नीतीश कुमार को जबरन हटाया गया, इस वजह से वो दुखी हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि अगर नीतीश कुमार मुख्यमंत्री होते तो बांकीपुर में यह हाल नहीं होता।

अनंत कुमार सिंह ने मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि जनता मालिक है, जिसको चाहती है बना देती है और जिसको चाहती है कुर्सी से उतार देती है। वही केंद्रीय शक्ति है।

मोकामा से विधायक अनंत कुमार सिंह ने कहा कि जनता दुख में है कि उन्होंने नीतीश कुमार को सीएम बनाया था लेकिन उन्हें बीच में हटा दिया गया।

यह खेल जनता को पसंद नहीं है। नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री रहते यह दशा नहीं होती।

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव परिणाम 2026

प्रत्याशी	वोट
प्रशांत किशोर	641,151
नीरज कुमार	44,827
रेखा कुमारी	14,273

प्रियंका गांधी ने मंगलवार को संसद परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि लोग अब ने बीजेपी से ऊब चुके हैं और देश में क्या हो रहा है, इसे समझने लगे हैं और यह बस शुरुआत है। यह पूछे जाने पर इन नतीजों का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव पर कोई असर होगा, तो प्रियंका गांधी ने कहा, "आगे देखेंगे।"

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि बांकीपुर उपचुनाव परिणाम वो स्वीकार करते हैं लेकिन विपक्षियों को खुश होने की जरूरत नहीं है क्योंकि 2009 में एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में उपचुनाव लड़ा था। इस उपचुनाव में एनडीए 17 सीटों में से 12 सीटें हार गया लेकिन 2010 में 89% स्ट्राइक रेट से बिहार विधानसभा चुनाव जीता था। सोमवार को घोषित किए गए उपचुनाव परिणाम पर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि पार्टी बिहार की बांकीपुर और मध्यप्रदेश की दतिया सीट पर नतीजों का "गहन आत्ममंथन" करेगी।

उन्होंने कहा कि पार्टी जनता के भरोसे को और मजबूत करने के लिए नए उत्साह के साथ लगातार काम करेगी। नितिन नवीन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पार्टी तीन विधानसभा सीट पर हुए उपचुनावों में मिले जनादेश को स्वीकार करती है।

नवीन ने कहा, "हम इन दोनों क्षेत्रों के चुनाव परिणामों का पूरी गंभीरता के साथ गहन आत्ममंथन करेंगे और नए उत्साह एवं संकल्प के साथ जनता के बीच जाकर उनके विश्वास को मजबूत करने के लिए निरंतर काम करते रहेंगे।"

संभल में बुर्का पहन तमन्ना मलिक ने निकाली थी कांवड़ यात्रा

संभल, 4 अगस्त (एजेंसियां)। संभल में पिछले शिवरात्रि पर बुर्का पहनकर कांवड़ यात्रा निकालने और शिव मंदिर में जलाभिषेक करने के बाद चर्चा में आई तमन्ना मलिक एक बार फिर प्रशासन की निगरानी में हैं। सावन के दौरान उनके दोबारा इसी तरह कांवड़ यात्रा निकालने की सूचना मिलने पर संभल प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाते हुए तमन्ना मलिक और उनके पति अमन त्यागी को एसडीएम कोर्ट से कारण बताओ नोटिस जारी किया है। दोनों को शांति भंग की आशंका के मद्देनजर 20-20 हजार रुपये के मुचलके से पाबंद करने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है।

प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई किसी व्यक्ति की धार्मिक मान्यता या पूजा-अर्चना के अधिकार से जुड़ी नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी और पहले हुए विवाद को देखते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता है। इसी वजह से संभावित संवेदनशील मामलों में पहले से निरोधात्मक कार्रवाई की जा रही है। तमन्ना मलिक उस समय सुर्खियों में आई थीं, जब उन्होंने बीते शिवरात्रि पर बुर्का पहनकर हरिद्वार से कांवड़ लाकर शिवालय में जलाभिषेक किया था। इस घटनाक्रम के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए थे। इसके बाद पक्ष और विपक्ष में कई तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं। तमन्ना ने बाद में सोशल मीडिया के जरिए धमकियां मिलने का आरोप लगाते हुए पुलिस में मुकदमा भी दर्ज कराया था।

प्रशासन का कहना है कि पिछले घटनाक्रम को देखते हुए इस बार किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति की आशंका को हल्के में नहीं लिया जा सकता।

यूपीईएसएससी भर्ती परीक्षा : 125 में 35 सवाल गलत

एचसी बोला– सचिव और परीक्षा नियंत्रक कोर्ट में आकर बताएं ये कैसे हुआ?

प्रयागराज, 4 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की भर्ती परीक्षा में बड़ी संख्या में गलत प्रश्न पूछे जाने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है।

अदालत ने कहा कि आयोग के सचिव और परीक्षा नियंत्रक स्वयं न्यायालय में शपथपत्र के माध्यम से यह बताएं कि आखिर प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया क्या है और 125 प्रश्नों में से 35 प्रश्न (आयोग के अनुसार 33 प्रश्न) गलत कैसे पाए जा रहे हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि इतनी बड़ी संख्या में त्रुटिपूर्ण प्रश्न होना गंभीर चिंता का विषय है और केवल गलत प्रश्नों के अंक अन्य प्रश्नों में वितरित कर देना इसका स्थायी समाधान नहीं हो सकता। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की एकलपीठ ने यह आदेश रिट-ए संख्या 9799/2026, आदित्य कुमार सिंह एवं 17 अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं अन्य की सुनवाई के दौरान पारित किया।

सुनवाई में आयोग की ओर से अधिवक्ता ने न्यायालय को बताया कि पहले सिलेबस से बाहर पाए गए 29 प्रश्नों के अतिरिक्त विशेषज्ञों ने चार अन्य प्रश्न भी गलत पाए हैं। इस प्रकार कुल 125 प्रश्नों में से 33 प्रश्न त्रुटिपूर्ण पाए गए। आयोग ने इन प्रश्नों के अंक शेष सही प्रश्नों में वितरित करते हुए नई संशोधित चयन सूची तैयार की है, जिसमें 42 नए अभ्यर्थियों को चयन सूची में शामिल किया गया है। हाईकोर्ट ने आयोग की इस कार्यवाही पर असंतोष व्यक्त किया। अदालत ने कहा कि जब किसी परीक्षा में 25 प्रतिशत से अधिक प्रश्न गलत पाए जा रहे हों, तब केवल अंक पुनर्वितरित कर देना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। न्यायालय ने टिप्पणी की कि यह मामला केवल परिणाम संशोधित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा आयोजित करने की पूरी प्रक्रिया की गुणवत्ता और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। अदालत ने उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के सचिव और परीक्षा नियंत्रक को 5 अगस्त 2026 को दोपहर 2 बजे व्यक्तिगत रूप से न्यायालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया है।

दोनों अधिकारियों को शपथपत्र दाखिल कर यह स्पष्ट करना होगा कि प्रश्नों का निर्माण किस प्रक्रिया के तहत किया जाता है, विशेषज्ञों का चयन कैसे होता है और भविष्य में इस प्रकार की गंभीर त्रुटियों को रोकने के लिए क्या व्यवस्था है।

जोरदार बारिश, मथुरा में बाइक-स्कूटी डूबी

अंडरपास में 4 फीट पानी भरा, लखनऊ–उन्नाव में सड़कें तालाब बनीं

लखनऊ/वाराणसी, 4 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी में मानसून फिर से सक्रिय हो गया है। मंगलवार सुबह से लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी-मथुरा समेत 50 शहरों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। बाकी जिलों में बादल छाए हैं। मथुरा में भारी बारिश की वजह से अंडरपास में 4 फीट तक पानी भर गया। कई स्कूटी और बाइक डूब गईं। लोग कमर तक पानी में चलते दिखाई दिए।

लखनऊ और उन्नाव में 15 घंटों से रिमझिम बारिश हो रही है। सोमवार रात 9 बजे शुरू हुआ तेज बारिश का सिलसिला मंगलवार दोपहर तक जारी है। सड़कें तालाब बन गई हैं। घरों में पानी घुस गया है। कई इलाकों की बिजली गुल है। बाराबंकी में 4

घंटे की मूसलाधार बारिश से बस स्टेशन परिसर में जलभराव हो गया। रायबरेली में भारी बारिश की वजह से कक्षा-8 तक के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई। आगरा में भी रात 1 बजे से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। प्राइवेट स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने आज प्रदेश के सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें से 72 जिलों में भारी बारिश हो सकती है।

उधर, पहाड़ी इलाकों में हो रही लगातार बारिश से यूपी में गंगा, घाघरा और शारदा समेत 10 नदियां उफान पर हैं। फर्रुखाबाद के 24 और बिजनौर के 6 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। गलियों में नावें चल रही हैं। दोनों शहरों में स्टेट हाईवे पर पिछले 5 दिनों से गंगा का पानी बह रहा है।

फोन पर गाली–गलौज कर जान से मारने की दी धमकी

शातिर हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार, दर्ज हैं कई मुकदमे

अलीगढ़, 4 अगस्त (एजेंसियां)। अलीगढ़ के थाना सासनी गेट पुलिस ने फोन पर गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक हिस्ट्रीशीटर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वायरल ऑडियो का संज्ञान लेते हुए यह कार्रवाई की है।

3 अगस्त को एक व्यक्ति ने फोन पर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दिए जाने के संबंध में थाना सासनी गेट में केस पंजीकृत किया गया था। सोशल मीडिया पर धमकी से संबंधित ऑडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की।

थाना सासनी गेट पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना और तकनीकी सहायता से सासनी गेट क्षेत्र से ही आरोपी यश उर्फ कान्हा को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त थाना सासनी गेट का हिस्ट्रीशीटर विधिक कार्रवाई प्रचलित है। गिरफ्तार अभियुक्त यश उर्फ कान्हा शातिर किस्म का अपराधी है, जिसके खिलाफ विभिन्न थानों में कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। सोशल मीडिया पर एक व्यक्ति द्वारा दूसरे व्यक्ति को जान से मारने की धमकी देने संबंधी वायरल ऑडियो का तत्काल संज्ञान लेते हुए तहरीर प्राप्त की गई और सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर धमकी देने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। मामले में अन्य विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

पति–पत्नी और महिला की हत्या

तीनों बोल–सुन नहीं पाते थे, कमरे में एक बिस्तर पर खून से लथपथ लाश मिलीं

प्रयागराज, 4 अगस्त (एजेंसियां)। प्रयागराज में मंगलवार को ट्रिपल मर्डर की सनसनीखेज वारदात हुई। एक ही कमरे में पति, पत्नी और एक महिला की लाश मिली। तीनों बोल-सुन नहीं सकते थे। शव एक ही बिस्तर पर खून से लथपथ पड़े थे। कमरे का दरवाजा खुला हुआ था।

पड़ोसियों ने झांककर देखा तो हैरान रह गए। शोर मचाकर आसपास के लोगों को बुलाया। पुलिस को सूचना दी। पुलिस और फोरेंसिक टीम पहुंची। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। वारदात पुराने शहर के शाहगंज थाना क्षेत्र में गढ़ी कला मुहल्ले की है।

पति-पत्नी गढ़ी कला मुहल्ले में सुशीला देवी का 2 मंजिला मकान है। मृतक दंपति पहली मंजिल पर किराए के कमरे में रहते थे।

सुशीला देवी ने बताया- दोनों पिछले छह महीने से हमारे घर में रह रहे थे। दोनों कबाड़ बीनने का काम करते थे। मूकबधिर थे, इसलिए कोई किसी नाम से नहीं पुकारता था। इनसे मिलने आने-जाने लोग भी बोल-सुन नहीं सकते थे। उन्होंने बताया- सोमवार को इनसे मिलने एक महिला आई थी। मैं उसे पहचानती नहीं, न ही पहले कभी देखा था। मुझे लगा कि परिवार की कोई होगी।

इसलिए पूछताछ नहीं की। रात करीब 12 बजे अपने कमरे में सोने चली गई। मंगलवार सुबह उठी तो इनके कमरे का दरवाजा खुला देखा। काफी देर तक कोई हलचल नहीं दिखी तो जाकर देखा। तीनों की लाशें पड़ी थीं।

हंगामे पर भड़के महाना, माइक फेंका, चिल्लाकर खड़े हुए

सपा विधायक को सदन से निकाला, योगी बोले– मार्शलों से मारपीट की कोशिश हुई

लखनऊ, 4 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी विधानसभा में मंगलवार को राम मंदिर के चढ़ावा चोरी पर जमकर हंगामा हुआ। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सपा विधायक सचिन यादव को पूरे सत्र के लिए सदन से निष्कासित कर दिया। इसके बाद सचिन यादव विधानसभा के बाहर धरने पर बैठ गए। उनके समर्थन में रागिनी सोनकर, अतुल प्रधान समेत 20 से अधिक सपा विधायक भी पहुंचे।

सपा विधायकों को मनाने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय पहुंचे। उन्होंने सचिन यादव और अन्य विधायकों से बातचीत की। माता प्रसाद पांडेय के समझाने के बाद सचिन यादव ने धरना खत्म कर दिया। हुआ यूं कि सपा के हंगामे के बीच सीएम योगी बोल रहे थे। तभी सचिन यादव ने उनकी फोटो लहराई। इस पर महाना भड़क गए। वह कुर्सी छोड़कर खड़े हो गए। माइक फेंकते हुए चिल्लाकर कहा- आप मुख्यमंत्री जी की फोटो के

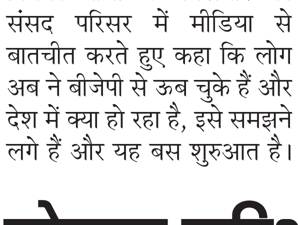

साथ ऐसा नहीं कर सकते। आपको पूरे सत्र के लिए सदन से बाहर निकाला जाता है। आप बाहर जाइए, नहीं तो विधायकी से बर्खास्त करवा दूंगा। इसी बीच योगी भी खड़े हो गए। उन्होंने कहा- ये लोग लोकतंत्र की खिल्ली उड़ाना चाहते हैं। इसलिए सदन का माहौल खराब कर रहे हैं। सरकार सदन में हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। इसके बाद भी सपा विधायक हंगामा करते रहे। भाजपा विधायक भी सपा के खिलाफ नारे लगाने लगे। इसी बीच सपा-भाजपा की महिला विधायक आमने-सामने आ गईं। हंगामा बढ़ता देख विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी। इससे पहले, विधानसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई, लेकिन सिर्फ 20 मिनट ही चल सकी।

सपा विधायकों के हंगामे के चलते विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही दोपहर 12:20 बजे तक स्थगित कर दी। दोबारा कार्यवाही शुरू होने पर वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 59,019 करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट पेश किया। सीएम योगी ने विधानसभा के बाहर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- सपा का आचरण अलोकतांत्रिक है। ये लोग किसी नियम को नहीं मानते। सदन का अपमान करते हैं। चुनाव आयोग और न्यायालय का भी अपमान करते हैं।

50 हजार की रिश्वत, घर से मिली थी अवैध पिस्टल

अब सीबीआई रिमांड में रेल अधिकारी से खुलेंगे मिलीभगत के राज

दरभंगा, 4 अगस्त (एजेंसियां)। समस्तीपुर रेल मंडल के बहुचर्चित रिश्वतखोरी मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जांच तेज कर दी है। पटना के बेउर केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में बंद रेल मंडल के सहायक कार्मिक पदाधिकारी (एपीओ-2) अरुण मंडल को रिमांड पर लेकर सीबीआई की टीम मंगलवार को समस्तीपुर पहुंची है। एजेंसी और नगर थाना पुलिस उनसे आमने-सामने पूछताछ कर पूरे रिश्वत नेटवर्क, विभागीय मिलीभगत तथा बरामद अवैध हथियार एवं अन्य साक्ष्यों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

23 जुलाई को रंगेहाथ हुई थी गिरफ्तारी

पूरे मामले की शुरुआत 23 जुलाई को हुई, जब सीबीआई की टीम ने समस्तीपुर रेल मंडल कार्यालय में जाल बिछाकर एपीओ-2 अरुण मंडल को कथित तौर पर 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते

रंगेहाथ गिरफ्तार किया। आरोप था कि रेलवे से जुड़े डीलिंग क्लर्क अमृत राज के सेवा संबंधी कार्य के बदले रिश्वत की मांग की गई थी। कार्रवाई के दौरान सीबीआई ने कार्यालय से ही आरोपी को हिरासत में ले लिया। इसके बाद कई घंटों तक मंडल कार्यालय में दस्तावेजों और रिकॉर्ड की जांच की गई। इस कार्रवाई से पूरे रेल मंडल में हड़कंप मच गया।

जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, करीब 45 दिन पहले रेल मंडल के डीलिंग क्लर्क अमृत राज ने सीबीआई से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि एपीओ-2 अरुण मंडल सेवा संबंधी एक कार्य के बदले एक लाख रुपये रिश्वत की मांग कर रहे थे। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने सीधे कार्रवाई करने के बजाय पहले पूरे मामले का गोपनीय सत्यापन किया। कई दिनों तक बातचीत, गतिविधियों और लेन-देन के संकेतों पर नजर रखी गई। पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद ट्रैप ऑपरेशन को मंजूरी दी गई।

23 जुलाई को सीबीआई की टीम ने समस्तीपुर रेल मंडल कार्यालय में जाल बिछाया। योजना के अनुसार शिकायतकर्ता से 50 हजार रुपये की पहली किस्त ली जानी थी। जैसे ही अरुण मंडल ने कथित तौर पर ट्रैप की राशि स्वीकार की, पहले से मौजूद सीबीआई टीम ने उन्हें मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

अपने पहले बजट में शिक्षा के क्षेत्र में बड़े बदलावों की घोषणा कर सकती है तमिलनाडु सरकार

चेन्नई, 4 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी। जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार अपने पहले बजट में शिक्षा से जुड़ी कई बड़ी योजनाओं की घोषणा कर सकती है। इनमें सरकारी स्कूलों से सरकारी कॉलेजों में जाने वाले छात्रों के लिए 8,000 रुपये की आर्थिक मदद और छोटे किसानों के बच्चों के लिए मुफ्त उच्च शिक्षा जैसी योजनाएं शामिल हैं। तमिलनाडु का बजट 5 अगस्त को विधानसभा में पेश किया जाएगा और उसके बाद 6 अगस्त को कृषि बजट पेश किया जाएगा। इस प्रक्रिया के लिए तैयारियां चल रही हैं। लोगों को इससे काफी उम्मीदें हैं,

क्योंकि यह विजय सरकार का पहला पूर्ण बजट होगा। खबरों के अनुसार, शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने और राज्य की उच्च शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने के मकसद से वेट्री तमिलनाडु नाम के पांच साल के विजन प्लान के तहत शिक्षा से जुड़ी कई घोषणाओं पर विचार किया जा रहा है। सरकार से यह भी उम्मीद है कि वह शिक्षा को 'राज्य सूची' में लाने के अपने रुख को दोहराएगी और शिक्षा क्षेत्र में आने वाली बाधाओं को दूर करने के उपायों की रूपरेखा बताएगी।

इन बाधाओं में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और नीट परीक्षा को लागू करना भी शामिल है। खबरों के मुताबिक, जिन प्रस्तावों पर विचार किया जा रहा है, उनमें अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम से लेकर रिसर्च स्टडीज़ तक के कोर्स करने वाले छात्रों के लिए 20 लाख रुपये तक का बिना गारंटी वाला एजुकेशन लोन शामिल है।

सरकार उन किसानों के बच्चों के लिए मुफ्त उच्च शिक्षा की घोषणा भी कर सकती है, जिनके पास दो एकड़ से कम खेती योग्य जमीन है। एक और अहम प्रस्ताव यह है कि सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए अंडरग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट एडमिशन में आरक्षण को मौजूदा 7.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत किया जाए। उन जिलों में पांच नए सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने की योजना पर भी विचार किया जा रहा है, जहां अभी कोई सरकारी प्रोफेशनल कॉलेज नहीं है। लगभग 30 सरकारी आर्ट्स और साइंस कॉलेजों को ऑटोनॉमस संस्थानों में अपग्रेड भी किया जा सकता है। कॉलेज एडमिशन से जुड़े आर्थिक बोझ को कम करने के लिए, सरकार उन छात्रों के लिए 8,000 रुपये की एकमुश्त सहायता की योजना बना रही है, जिन्होंने सरकारी स्कूलों में पढ़ाई की है और बाद में सरकारी कॉलेजों में एडमिशन लिया है।

बजट उभरती हुई टेक्नोलॉजी को भी बड़ा बढ़ावा दे सकता है। सरकार 'पेरियार इंस्टीट्यूट ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजी' स्थापित करने पर विचार कर रही है। यह एक खास यूनिवर्सिटी होगी जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, बायोटेक्नोलॉजी, क्लाइमेट टेक्नोलॉजी, स्पेस टेक्नोलॉजी और साइबर सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगी। प्रस्तावित उपाय सरकार के व्यापक पांच साल के शिक्षा रोडमैप का एक अहम हिस्सा होंगे और बजट में इनके लिए फंडिंग और इन्हें लागू करने के बारे में जानकारी दी जा सकती है।

दतिया जीत के बाद जीतू पटवारी का सीएम को खत

जनता झूठे वादे नहीं, पारदर्शिता और ठोस परिणाम चाहती है

भोपाल, 4 अगस्त (एजेंसियां)। दतिया विधानसभा उपचुनाव के परिणाम आने के बाद मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव को एक पत्र लिखा है। इस पत्र को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि दतिया के जनादेश से यह साफ हो गया है कि जनता अब झूठे वादों के बजाय पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और ठोस परिणाम चाहती है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि दोनों दल मिलकर प्रदेश में 'श्वेत-पत्रों' की एक नई और स्वस्थ राजनीतिक परंपरा की शुरुआत करें। पत्र में जीतू पटवारी ने लिखा कि दतिया का निर्णय केवल एक निर्वाचन क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे प्रदेश की जनता की मन की आवाज को दर्शाता है। जनता सकारात्मक और विकास आधारित विमर्श चाहती है, जहां समस्याओं के बजाय समाधान पर बात हो। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यही है कि वह सत्ता और विपक्ष दोनों को जनता के प्रति जवाबदेह बनाए रखता है। इसलिए दतिया के जनादेश को केवल राजनीतिक हार-जीत के चश्मे से न देखकर मध्य प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य के एक अवसर के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए।

बच्चों को पढ़ाने पहुंची थी टीचर

नकाबपोश हमलावर पहुंचा स्कूल, 30 सेकंड में 34 बार किया चाकू से हमला, गई जान

फरीदाबाद, 4 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। सिकरोना गांव में एक प्राइवेट स्कूल की महिला टीचर की दिनदहाड़े चाकू मारकर हत्या कर दी गई। वारदात पुलिस चौकी से कुछ ही मीटर की दूरी पर हुई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। मृतका की पहचान संध्या के रूप में हुई है, जो गांव सिकरोना स्थित एक प्राइवेट स्कूल में टीचर थी। जानकारी के अनुसार, संध्या स्कूल पहुंचकर बच्चों को पढ़ाने की तैयारी कर रही थीं। इसी दौरान मुंह पर कपड़ा बांधे एक युवक स्कूल पहुंचा और उनसे मिलने की बात कही। बताया जा रहा है कि जैसे ही संध्या स्कूल के गेट पर युवक से मिलने पहुंचीं, आरोपी ने उन पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमलावर ने 30 सेकेंड में करीब 34 बार स्कूल टीचर के चाकू मारा। आरोपी ने उनकी गर्दन पर भी कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर गिर पड़ीं। शोर सुनकर स्कूल संचालक और अन्य लोग टीचर को बचाने के लिए दौड़े, लेकिन आरोपी ने उनकी ओर भी चाकू लहराते हुए हमला करने की कोशिश की। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल टीचर की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। उसकी गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर जांच और तलाश तेज कर दी गई है। हत्या के पीछे के कारणों का भी पता लगाया जा रहा है। इस घटना के बाद स्कूल के बाकी महिला टीचर्स में डर का माहौल है।

आरएसएस प्रमुख कल 100 शहरों के जेन ज़ेड और अल्फा छात्रों से बातचीत करेंगे

मुंबई, 4 अगस्त (एजेंसियां)। परीक्षा का पेपर लीक होने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर हाल ही में हुए देशव्यापी छात्र विरोध प्रदर्शनों के बाद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने अल्फा और अल्फा छात्रों से जुड़ने के लिए एक पहल शुरू की है। संघ प्रमुख डॉ। मोहन भागवत 6 अगस्त को मुंबई के नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में 100 शहरों के 2,000 से ज़्यादा छात्रों से बातचीत करेंगे। यह कार्यक्रम 'इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस' (आईआईएमयूएन) द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जो इस साल अपनी 15वीं वर्षगांठ मना रहा है। इस कार्यक्रम में 15 से 19 साल की उम्र के हाई स्कूल के छात्र और पूरे भारत के स्कूलों और कॉलेजों के प्रतिभागी शामिल होंगे। आयोजकों ने इसे युवाओं के नेतृत्व वाला एक बड़ा सम्मेलन बताया है। यह बातचीत ऐसे समय में हो रही है जब लोकतंत्र, नेतृत्व और राष्ट्र-निर्माण पर चर्चाओं में युवाओं की भागीदारी बढ़ रही है। विरोध कर रहे छात्रों और बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के बीच हालिया गतिरोध के दौरान, भागवत ने युवाओं के साथ ज़्यादा जुड़ाव की बात कही थी। 'विश्व मांगल्य सभा' कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा, आज के युवाओं को चर्चा की ज़रूरत है, हुक्म की नहीं।

उन्होंने कहा कि नेताओं को अधिकार का इस्तेमाल करने के बजाय आम सहमति बनानी चाहिए। उन्होंने कहा, जब हम युवा थे, तो वह आज्ञा मानने का दौर था। अब ऐसा नहीं है। हमें नई पीढ़ी को अपनापन महसूस कराने की ज़रूरत है। हमें बातचीत करने की ज़रूरत है। हुक्म नहीं, बल्कि चर्चा। आदेश नहीं, बल्कि आम सहमति। आईआईएमयूएनके संस्थापक ऋषभ शाह ने कहा कि भागवत के साथ यह बातचीत भारत की यात्रा के एक अहम पड़ाव पर हो रही है।

सुजीत सिन्हा एनकाउंटर शरीर से मिलीं 2 गोलियां, परिजनों ने उठाए सवाल, कहा- 'पहले से था जान का खतरा'

जामताड़ा, 4 अगस्त (एजेंसियां)। गैंगस्टर सुजीत सिन्हा के पुलिस एनकाउंटर में मारे जाने पर परिजनों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की न्यायिक या किसी स्वतंत्र एजेंसी से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। दूसरी ओर, मजिस्ट्रेट के रूप में सीओ अविश्वर मुर्मू की मौजूदगी में तीन चिकित्सकों के पैनल ने शव का पोस्टमार्टम किया। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी करायी गयी। पैनल में डॉ दुर्गेश झा, डॉ मिकी माझी और डॉ विशाल शामिल थे। पोस्टमार्टम के दौरान शरीर से दो गोलियां बरामद हुई। चिकित्सकों ने बताया कि शरीर पर गोली लगने के निशान भी मिले हैं। विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट वरीय अधिकारियों को सौंपी जायेगी।

पोस्टमार्टम के दौरान सुजीत सिन्हा के परिजन भी मौजूद रहे। पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया के तहत परिजनों से पूछताछ भी की। उल्लेखनीय है कि रविवार रात गैंगस्टर सुजीत सिन्हा को राजमहल एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी व बरहरवा एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल के संरक्षण में साहिबगंज जेल से धनबाद जेल शिफ्ट करने के लिए लाया जा रहा था।

रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए आरटीओ कार्यालय के ट्रैफिक इंस्पेक्टर

छापेमारी में घर से निकले नोटों के बंडल

सुंदरगढ़, 4 अगस्त (एजेंसियां)। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ओडिशा विजिलेंस ने आरटीओ कार्यालय में तैनात एक ट्रैफिक इंस्पेक्टर को 20 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी अधिकारी की पहचान मुकेश कुमार मिश्रा के रूप में हुई है, जो ओएमवीडी यानी ओडिशा मोटर व्हीकल डिपार्टमेंट में ट्रैफिक इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत हैं। विजिलेंस की कार्रवाई के दौरान आरोपी के पास से रिश्वत की पूरी रकम जब्त की गई।

इसके बाद उनके घर और अन्य ठिकानों पर तलाशी ली गई, जहां से 14.33 लाख रुपये नकद बरामद हुए। इस नकदी को भी जब्त कर लिया गया है। विजिलेंस के अनुसार, एक ट्रक मालिक ने शिकायत की थी कि उसके दो हाइवा ट्रकों को बिना किसी परेशानी के चलाने देने के बदले ट्रैफिक इंस्पेक्टर मुकेश कुमार मिश्रा हर महीने पैसे की मांग कर रहे थे। शिकायत के मुताबिक, जून और जुलाई 2026 यानी दो महीने के लिए आरोपी ने कुल 20 हजार रुपये रिश्वत मांगी थी।

यह रकम ट्रांसपोर्ट कारोबार को अपने अधिकार क्षेत्र में बिना किसी कार्रवाई या बाधा के चलाने देने के बदले मांगी गई थी। ट्रक मालिक रिश्वत देने के लिए तैयार नहीं था। इसके बाद उसने पूरे मामले की शिकायत ओडिशा विजिलेंस से की। शिकायत मिलने के बाद विजिलेंस अधिकारियों ने योजना बनाकर 3 अगस्त 2026 को ट्रैप लगाया। जैसे ही ट्रक मालिक ने आरोपी ट्रैफिक इंस्पेक्टर को 20 हजार रुपये दिए, विजिलेंस की टीम ने सुंदरगढ़ स्थित आरटीओ कार्यालय के उनके कार्यालय कक्ष में ही उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया।

जांच के दौरान आरोपी के पास से रिश्वत की पूरी रकम बरामद कर ली गई। गवाहों की मौजूदगी में इस रकम को जब्त किया गया। विजिलेंस ने बताया कि आरोपी के हाथों की केमिकल जांच की गई। इसमें उनके दाहिने हाथ का वॉश पॉजिटिव पाया गया, जिससे यह पुष्टि हुई कि उन्होंने रिश्वत की रकम को लिया और छुआ था।

गिरफ्तारी के तुरंत बाद विजिलेंस ने आरोपी के कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की। छापेमारी सुंदरगढ़ के श्रीकृष्ण विहार स्थित आवास,बरगढ़ टाउन के शांतिनगर, वार्ड नंबर-19 स्थित पैतृक मकान,सुंदरगढ़ आरटीओ कार्यालय में स्थित कार्यालय कक्ष में की गई। इन तलाशी अभियानों के दौरान सुंदरगढ़ स्थित घर से 14 लाख 33 हजार रुपये नकद बरामद हुए। विजिलेंस ने पूरी नकदी जब्त कर ली है।

महात्मा गांधी और मुख्यमंत्री सुक्खू पर अभद्र टिप्पणी सोशल मीडिया पोस्ट पर एफआईआर दर्ज

हमीरपुर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र टिप्पणी करने और मुख्यमंत्री की मॉर्फ (छेड़छाड़ कर बनाया गया) फोटो साझा करने के मामले में हमीरपुर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब संबंधित सोशल मीडिया अकाउंट के संचालक की पहचान करने और पूरे मामले की तकनीकी जांच में जुट गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह मामला तब सामने आया जब भाजपा विधायक सुधीर शर्मा द्वारा दो दिन पहले की गई एक सोशल मीडिया पोस्ट पर एक यूजर ने टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की एक मॉर्फ फोटो साझा की। शिकायत के अनुसार, इसी टिप्पणी में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के खिलाफ भी आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया। इस घटना के बाद यह पोस्ट सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई। घटना के संज्ञान में आने के बाद, कांग्रेस के हमीरपुर जिला अध्यक्ष सुमन भारती ने सदर थाना हमीरपुर में लिखित शिकायत दर्ज कराई।

उन्होंने संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की। शिकायत के आधार पर, पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 353 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब इस मामले की गहराई से जांच कर रही है। इसमें संबंधित सोशल मीडिया कमेंट, पोस्ट और उससे जुड़े अकाउंट की तकनीकी जांच शामिल है। पुलिस का मुख्य उद्देश्य टिप्पणी करने वाले व्यक्ति की पहचान करना और यह पता लगाना है कि पोस्ट किस अकाउंट से साझा की गई थी। जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एअर इंडिया की उड़ान में टर्बुलेंस

दिल्ली में सुरक्षित उतरा विमान; यात्रियों को मामूली चोटें आईं

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। एअर इंडिया की मंगलवार को फुकेत (थाईलैंड) से दिल्ली आ रही उड़ान एआई2379 को कुछ समय के लिए तेज हवा के झटकों (टर्बुलेंस) का सामना करना पड़ा। इस दौरान विमान की ऊंचाई में थोड़े समय के लिए बदलाव हुआ।

एयरलाइन के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। एयरलाइन के प्रवक्ता के अनुसार, विमान दिल्ली में सुरक्षित उतर गया। सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित विमान से बाहर निकल गए। एअर इंडिया ने कहा कि फिलहाल किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। प्रवक्ता ने बताया कि कुछ यात्रियों और चालक दल के कुछ सदस्यों को मामूली चोटें आई हैं। एहतियात के तौर पर उन्हें मेडिकल जांच और इलाज के लिए हवाई अड्डे के चिकित्सा केंद्र ले जाया गया है। एअर इंडिया की हवाई अड्डे की टीम और मेडिकल कर्मचारी उनकी देखभाल कर रहे हैं। एअर इंडिया ने कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा और उनका स्वास्थ्य हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। प्रभावित लोगों को हर जरूरी मदद दी जा रही है। साथ ही इस मामले की जांच में संबंधित अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग किया जा रहा है।

पूर्व राज्यपाल और शिक्षाविद् डीवाई पाटिल का निधन

92 वर्ष की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

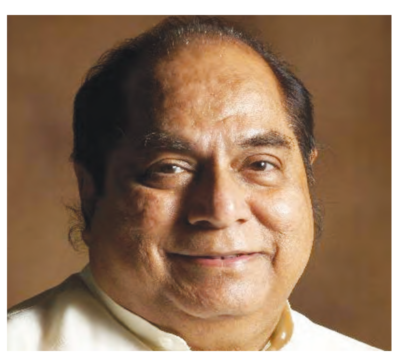

मुंबई, 4 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल और वरिष्ठ कांग्रेस नेता डी वाई पाटिल का मंगलवार को महाराष्ट्र के कोल्हापुर स्थित उनके आवास पर लंबी बीमारी के कारण निधन हो गया। यह जानकारी परिवारिक सूत्रों के अनुसार है। उनकी उम्र 92 वर्ष थी। राज्य में कई शिक्षण संस्थानों की स्थापना करने वाले इस अनुभवी नेता के परिवार में उनके बेटे, पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता सतेज पाटिल, संजय पाटिल और अजिंक्या पाटिल शामिल हैं।

कोल्हापुर के मूल निवासी, पाटिल ने 1967-78 तक विधायक के रूप में कार्य किया, जिसके बाद उन्होंने अपना ध्यान शिक्षा क्षेत्र की ओर मोड़ा और डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय की स्थापना की, जो चिकित्सा, इंजीनियरिंग और कई अन्य विषयों में पाठ्यक्रम प्रदान करता है। पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित पाटिल त्रिपुरा और बिहार के राज्यपाल के रूप में कार्य कर चुके थे और उन्होंने पश्चिम बंगाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला था।

देश में हाई-प्रोफाइल 'जिम' की चेन बनाना चाहता था जसपाल: एक करोड़ रुपए की 'जमीन' पर 3.45 करोड़ रुपए लोन दिलाने का झांसा देकर ठगे थे 23 लाख रुपए

ग्वालियर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। देशभर में हाई-प्रोफाइल जिम की चेन खड़ी करने का सपना देखने वाले 32 वर्षीय जसपाल सिंह यादव ने कथित लोन ठगी से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। झांसी रोड थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर उनका क्षत-विक्षत शव मिला था। पहचान होने के बाद उनके पास से मिले सुसाइड नोट ने पूरे मामले का खुलासा किया। सुसाइड नोट में जसपाल ने आरोप लगाया है कि रवि कुमार, आशीष गुप्ता और रवि जाटव ने पिरामल बैंक से 3.45 करोड़ रुपए का लोन दिलाने का झांसा देकर 23 लाख रुपए ठग लिए। उन्होंने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को संबोधित करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और परिवार को न्याय दिलाने की अपील भी की है।

सुसाइड नोट में जसपाल ने लिखा है कि आरोपियों ने उन्हें धोखे से फर्जी लोन सैंक्शन लेटर दिखाया। उन्होंने यह भी दावा किया कि मुख्य आरोपी रवि कुमार कई स्थानों पर छिपता रहा और उसके रिश्तेदारों ने भी उसे शरण दी। जसपाल ने लिखा कि 23 लाख रुपए जुटाने के लिए उन्होंने अपनी बुलेट, सोना, सफारी वाहन और एक कार गिरवी रखी थी तथा 20 प्रतिशत ब्याज पर पैसा लिया था। ब्याज सहित उनका भुगतान करीब 35 लाख रुपए तक पहुंच गया था।

अमेरिका में इस 'कमजोर' बीमारी ने ले ली 2 लोगों की जान

सामने आ चुके हैं 18 हजार से ज्यादा मामले

वाशिंगटन, 4 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के मिशिगन प्रांत में साइक्लोस्पोरियासिस संक्रमण जानलेवा रूप ले चुका है। इस संक्रमण से यहां दो लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की।

ये पहला मौका है जब इस संक्रमण से दो लोगों की जान चली गई। वहीं साइक्लोस्पोरियासिस के मामलों की संख्या बढ़कर 18,000 से ज्यादा हो गई है। मिशिगन स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग (एमडीएचएचएस) ने बताया कि दोनों मृतकों को पहले से ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं थीं। अपने बयान में विभाग ने कहा 'मिशिगन में फैले साइक्लोस्पोरियासिस के प्रकोप के चलते दो लोगों की मौत हो गई है।

चिकित्सा रिकॉर्ड के अनुसार, दोनों व्यक्तियों को पहले से ही गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं थीं। साइक्लोस्पोरियासिस संक्रमण और शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) से उनके स्वास्थ्य पर असर पड़ा जिससे उनकी मौत हो गई। हालांकि विभाग ने इन दोनों मामलों से जुड़ी अन्य जानकारी देने से इनकार कर दिया। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि साइक्लोस्पोरियासिस मामले दुर्लभ हैं क्योंकि संक्रमण आमतौर पर जानलेवा बीमारी नहीं होती है। इसके बावजूद इस बार संक्रमण का फैलाव ज्यादा देखा जा रहा है। एमडीएचएचएस के अनुसार मिशिगन में इस साल अब तक इस बीमारी के 11,234 मामले दर्ज किए गए हैं,

जिनमें 193 लोग ऐसे हैं जिन्हें अस्पताल में इलाज की जरुरत पड़ी। अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने भी दोनों मौतों की पुष्टि की है। सीडीसी के मुताबिक, मौजूदा संक्रमण के दौरान पूरे देश में साइक्लोस्पोरियासिस के 18 हजार से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें 6,707 मामलों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि करीब 11,500 मामलों की प्रयोगशाला जांच जारी है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि संक्रमण अमेरिका के भीतर ही फैला या किसी अन्य स्रोत से आया। साइक्लोस्पोरियासिस एक सूक्ष्म परजीवी के कारण होने वाला संक्रमण है, जो मुख्य रूप से दूषित भोजन और पानी के सेवन से फैलता है। इसके लक्षण में दस्त पेट में ऐंठन और दर्द, मतली और गैस, थकान और वजन कम होना शामिल है। यह सीधे एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता है। इसके बचाव के लिए फल और सब्जियां खाने से पहले अच्छी तरह धोएं और साथ ही हमेशा साफ और उबला हुआ पानी पिएं।

सीडीसी के अनुसार, अमेरिका में आमतौर यह संक्रमण वसंत और गर्मियों के बीच अधिक देखने को मिलता है। सामान्यतः यह मौसम मई की शुरुआत से अगस्त के अंत तक चलता है। हालांकि, स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि इस साल मामलों की संख्या असामान्य रूप से अधिक है। सीडीसी ने मौजूदा सीज़न के दौरान साइक्लोस्पोरियासिस के 18,000 से अधिक घरेलू मामलों की पहचान की है। इनमें से 6,707 मामलों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि लगभग 11,500 अन्य मामलों की प्रयोगशाला में जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि संक्रमण संयुक्त राज्य अमेरिका के भीतर ही हुआ था या नहीं।

राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन, 30 लाख की प्रोत्साहन राशि भी

रायपुर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल 2026 में महिलाओं की 53 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाली राजनांदगांव की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव का आज मुख्यमंत्री निवास में आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ज्ञानेश्वरी को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देते हुए उन्हें 30 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि तथा आउट ऑफ टर्न डीएसपी पद पर पदोन्नति देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मान प्रदेश की प्रतिभा, परिश्रम और संकल्प का सम्मान है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ज्ञानेश्वरी यादव ने अपने पहले ही राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर यह सिद्ध कर दिया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, कठोर परिश्रम और अनुशासन के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। उन्होंने कहा कि महिलाओं की 53 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में कुल 199 किलोग्राम वजन उठाकर ज्ञानेश्वरी ने न केवल देश के लिए पदक जीता, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। यह उपलब्धि प्रदेश के खेल इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगी।

टीईटी पेपर लीक में प्रिंटिंग प्रेस के कर्मचारियों का नाम ? पुलिस जांच में चौकाने वाला खुलासा

भिवंडी, 4 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के भिवंडी में सामने आए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) पेपर लीक मामले की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार, लीक हुए प्रश्नपत्र प्रिंटिंग प्रेस के डिस्पोजल बॉक्स से चोरी किए गए थे। जिन प्रश्नपत्रों में मामूली प्रिंटिंग या स्याही की खामी होती थी, उन्हें नष्ट करने के लिए अलग रखा जाता था, लेकिन आरोपियों ने इन्हीं प्रतियों को चोरी कर लीक किया। जांच में पता चला है कि प्रिंटिंग प्रेस के डिस्पोजल क्षेत्र में पर्याप्त निगरानी नहीं थी। इसका फायदा उठाकर प्रेस के दो कर्मचारियों ने नष्ट किए जाने वाले प्रश्नपत्रों को जूतों के तलवों के नीचे छिपाकर प्रेस से बाहर निकाल लिया। पुलिस के मुताबिक, करीब 20 वर्षों से प्रिंटिंग प्रेस में कार्यरत बाबूलाल कुशवाहा और अस्थायी कर्मचारी नरेश कुमार महौर उर्फ निक्की ने इस साजिश को अंजाम दिया। इसके बाद चोरी किए गए प्रश्नपत्र पूर्व कर्मचारी सोनू दिवाकर को सौंपे गए,

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 5 अगस्त - 2026

बदलते जनादेश की दस्तक

देश के तीन महत्वपूर्ण विधानसभा क्षेत्रों-गुजरात के मंजलपुर, मध्य प्रदेश की दतिया तथा बिहार की बांकीपुर में हुए उपचुनावों ने भारतीय राजनीति को कई गहरे संदेश दिए हैं। सीटों की संख्या भले ही कम रही हो, लेकिन इन चुनावों के नतीजों ने यह स्पष्ट कर दिया कि लोकतंत्र में कोई भी दल या उसका गढ़ अजेय नहीं होता। उपचुनाव अक्सर स्थानीय मुद्दों पर लड़े जाते हैं, पर उनके परिणाम राष्ट्रीय राजनीति को भी नई दिशा और चेतावनी देते हैं। इस बार भी जनता ने साफ संकेत दिया है कि अब वह केवल दावों और नारों पर नहीं, बल्कि प्रदर्शन, संगठन और जनविश्वास के आधार पर निर्णय ले रही है। गुजरात के मंजलपुर में भाजपा ने अपनी सीट बचाने में सफलता प्राप्त की। इससे सिद्ध होता है कि राज्य में उसका संगठन आज भी मजबूत है और उसका जनाधार पूरी तरह कमजोर नहीं पड़ा है। किंतु इस जीत का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। पहले की तुलना में जीत का अंतर काफी घट गया है, जो यह बताता है कि मतदाता अब पहले जैसा एकतरफा समर्थन देने के बजाय सरकार के कामकाज का लगातार मूल्यांकन कर रहा है। वहीं भाजपा अपनी अन्य सीट जीतने का लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी। परिणाम बताता है कि मजबूत संगठन और संसाधनों के बावजूद जनता का विश्वास हर चुनाव में नए सिरे से अर्जित करना पड़ता है। मध्य प्रदेश की दतिया सीट ने भाजपा के भीतर संगठनात्मक चुनौतियों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया है। पूर्व मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा को टिकट न दिए जाने के बाद जिस प्रकार की चर्चाएं और असंतोष सामने आए, उन्होंने यह सवाल खड़ा किया कि क्या पार्टी पहले की तरह जमीनी संकेतों को गंभीरता से सुन रही है? क्या आत्मविश्वास धीरे-धीरे अति-आत्मविश्वास में बदल रहा है? लोकतंत्र में कोई भी दल तब कमजोर पड़ने लगता है, जब वह स्थानीय नेतृत्व, कार्यकर्ताओं की भावनाओं और जनता के बदलते मिजाज को समय रहते समझने में चूक करता है। यही कारण है कि दतिया का परिणाम केवल एक सीट की हार नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर भी है। बिहार की बांकीपुर सीट ने भी राजनीति को नई दिशा में सोचने के लिए प्रेरित किया है। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने अपनी अलग राजनीतिक सोच के साथ लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। अब उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वे अपने विचारों को जमीनी विकास और जनसेवा में बदलकर दिखाएं। बिहार की राजनीति लंबे समय से पारंपरिक समीकरणों के इर्द-गिर्द घूमती रही है, लेकिन यदि जन सुराज वास्तव में विकल्प बनना चाहती है, तो उसे बांकीपुर से सकारात्मक राजनीति और सुशासन का उदाहरण प्रस्तुत करना होगा। केवल नई राजनीति की बात करना पर्याप्त नहीं, उसे व्यवहार में भी सिद्ध करना होगा। इन उपचुनावों का सबसे बड़ा संदेश यही है कि भारतीय मतदाता पहले से अधिक जागरूक, परिपक्व और जवाबदेही की अपेक्षा रखने वाला हो गया है। अब चुनाव केवल राजनीतिक प्रतिष्ठा का नहीं, बल्कि जनविश्वास का प्रश्न बन चुके हैं। इसलिए हर दल को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में कोई भी जनादेश स्थायी नहीं होता। जनता हर चुनाव में सत्ता और विपक्ष दोनों की नई परीक्षा लेती है। जीत विनम्रता सिखाए और हार आत्ममंथन का अवसर बने, यही स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान है। जो दल इस संदेश को समय रहते समझ लेंगे, भविष्य की राजनीति का नेतृत्व भी वही करेंगे।

भाजपा की राह आसान नहीं

पुरुषोतम भदौरिया

मध्य प्रदेश की दतिया और बिहार की सीट बांकीपुर उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी की जिस तरह से हार हुई है उसने स्पष्ट कर दिया है कि मतदाताओं के रुझान का टेस्ट बदल रहा है। यह बात दीगर है कि 2023 के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा प्रत्याशी डा. नरोत्तम मिश्रा को भी पराजय ही मिली थी बता दें कि जिला सहकारी बैंक के ऋण के मामले में न्यायालय द्वारा दोषी करार दिए जाने के बाद कांग्रेस विधायक राजेन्द्र भारतीय का चुनाव अवैध घोषित कर दिया गया था जिससे उनकी विधानसभा की सदस्यता समाप्त हो गई थी। विधानसभा की सदस्यता समाप्त होने के बाद से ही प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री डा नरोत्तम मिश्रा ने अपने जीतने की तैयारी शुरू कर दी थी

लेकिन प्रदेश संगठन ने नरोत्तम मिश्रा को प्रत्याशी न घोषित कर मप्र गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष और दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री आशुतोष तिवारी को प्रत्याशी बनाया था। सरकार ने इस उपचुनाव में अपने प्रत्याशी को जिताने के लिए सारे जतन किए।

पूरी सरकारी ताकत झोंक दी मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री तथा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष से लेकर जिला अध्यक्षों को वार्ड वार जिम्मेदारी दी गई लेकिन दतिया का किला फतह नहीं हो सका। मतदाताओं ने भाजपा प्रत्याशी की तुलना में दतिया रियासत के पूर्व महाराज घनश्याम सिंह को चुना। घनश्याम सिंह 6016 मतों से जीतने में सफल रहे। बताना जरूरी है कि घनश्याम सिंह इससे पहले भी दो बार दतिया विधान सभा का नेतृत्व कर चुके हैं। गौर तलब है कि दतिया चुनाव में भाजपा ने जनबल और धनबल का सहारा लेकर जीतने का प्रयास किया लेकिन जनता ने मसलबल को साफ नकाल दिया। यह विधान सभा चुनाव मात्र बानगी है 2028 में होने वाला विधानसभा चुनाव की जो यह कडा संदेश दे रही है कि यदि भाजपा को मप्र जीतना है तो उसे इमानदारी से कडीं मेहनत करनी होगी।

काबिले गौर है कि जब शिवराज सरकार को मप्र की इंटेलीजेंस इकाई ने भाजपा के पराजय की संभावना बताई थी तब मुख्यमंत्री द्वारा लाड़ली बहना योजना शुरू की गई थी चुनाव पूर्व की किस्तें महिलाओं को मिली थी। अब जब मोहन सिंह सरकार पर लगातार भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं मंत्रियों पर भूमि घोटालों स्थानांतरणों पर वसूली के आरोप लग रहे हो और सवर्ण सरकार की नीतियों और रीतियों से नाराज़ हो तो ऐसी स्थिति में भाजपा की राह आसान नहीं लगती। सूत्रों की मानें तो भाजपा की सवर्ण विरोधी राजनीति पार्टी के लिए आत्मघाती कदम होगा मप्र की दतिया सीट ही कांग्रेस ने भाजपा से नहीं छीनी बल्कि बिहार की बाकेपुर विधानसभा सीट से प्रशांत किशोर को जिताकर केंद्र सरकार को स्पष्ट बता दिया कि सबकुछ जनता एक हद तक ही सहन करेगी बताया जा रहा है कि जिस तरह से पिछले दो वर्ष से सरकारें सवर्णों के विरुद्ध निर्णय लेरहे है चाहे विधानसभा चुनाव में टिकट वितरण हो या लोकसभा और राज्यसभा में प्रत्याशी चयन को लेकर हर जगह सवर्णों को नजरंदाज किया जा रहा है। कमजोर वर्ग को टिकट देने से किसी को मलाल नहीं है लेकिन सवर्णों को नजरंदाज किया जाना भी किसी के गले नहीं उतर रहा है। जहां सवर्ण बहुसंख्यक हैं वहां भी उन्हें हटाकर चहेते वर्ग के व्यक्ति को प्रत्याशी बनाया जा रहा है। इस तरह की राजनीतिक खेल से आक्रोशित सवर्ण मौके का इंतजार कर रहा था। उसी आक्रोश का परिणाम है दतिया और बांकीपुर में भाजपा को पराजय का मुंह देखना पड़ा ।

कौन कहता है कि आसमां में सुराख नहीं हो सकता

राधा रमण

7हिंदी के मशहूर कवि स्व दुष्यंत कुमार के एक गजल की यह पंक्तियां जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर पर फिलहाल तो सटीक लगती हैं। प्रशांत किशोर ने पटना के बांकीपुर विधानसभा उप चुनाव में वह करिश्मा कर दिखाया, जिसकी बड़े-बड़े राजनीतिक पंडितों को उम्मीद नहीं थी। बांकीपुर का चुनाव परिणाम महज एक विधानसभा का चुनावी नतीजा नहीं माना जाना चाहिए। यह विधानसभा सीट भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस्तीफे से खाली हुई वह सीट है, जिस पर नितिन नवीन और उनके स्वर्गीय पिता नवीन किशोर सिन्हा का पिछले 30 वर्षों से कब्जा था। प्रशांत किशोर ने महज 30 दिनों की मेहनत से बड़ा उलटफेर कर दिया। यह सब अचानक नहीं हुआ। बेशक, इसके लिए प्रशांत किशोर को अपना सौ प्रतिशत देना पड़ा। सनद रहे कि पानी सौ डिग्री पर उबालने पर ही वाष्प बनता है। नौ महीने पहले बिहार विधानसभा के चुनाव में जनसुराज के 236 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो चुकी थी। महज दो उम्मीदवार ही अपनी जमानत बचा पाए थे। हालांकि तब भी जनसुराज को 3.4 फीसदी वोट जरूर मिले थे। किसी नयी-नवेली पार्टी के लिए यह कम नहीं है। राजनीति के जानकार भी यह समझ नहीं सके। उधर, जनसुराज की करारी हार से पक्ष-विपक्ष दोनों खुश थे। चुनाव के दौरान सरकार ने महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपये भेजकर आधी आबादी का वोट अपने पाले में कर लिया। साथ ही दोबारा सरकार में आने पर दो-दो लाख रुपये रोजगार के लिए देने का लुभावना वादा भी किया था। तब भी जनसुराज ने अपना कोर मुद्दा शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार और पलायन को ही बनाया था। आज भी जनसुराज से जुड़े लोग उन्हीं मुद्दों की बात करते हैं।

बांकीपुर के कुल मतों का आधा प्रशांत को मिला

बांकीपुर उपचुनाव में इस बार सबसे कम मतदान हुआ था। 3 लाख 79 हजार मतदाताओं वाले बांकीपुर में इस बार महज 1,30,246 लोगों ने ही अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। इसमें से 64,151 मत अकेले प्रशांत को मिले। भाजपा उम्मीदवार नीरज सिन्हा को 44,827 और राजद की रेखा गुप्ता को 14,273 मत मिले। शेष बचे 22 उम्मीदवारों में से प्रगतिशील जनता पार्टी के मनोरंजन श्रीवास्तव को सबसे अधिक 973 तो निर्दलीय ब्रजेश पटेल को सबसे कम महज 70 वोट मिले। 646 मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया।

प्रशांत के फतह के पीछे की कहानी

2025 के विधानसभा चुनाव में हार के बाद प्रशांत हताश होकर घर नहीं बैठे। वह पश्चिम चंपारण के भितिहरवा आश्रम पहुंचे, जहां से गांधीजी ने अंग्रेजों के खिलाफ नील की खेती करने वाले किसानों के लिए सत्याग्रह आंदोलन शुरू किया था। उन्होंने 24 घटे का मौन व्रत किया फिर कहा कि वह लोगों तक अपनी बात पहुंचाने के लिए बिहार में घर-घर तक जाएंगे। जनसुराज की लड़ाई किसी राजनीतिक दल से नहीं, बल्कि बिहार बदलने की है। बिहार में खुशहाली लाना ही उनका ध्येय है। उन्होंने अपने जीवन का 10 साल बिहार के विकास के लिए समर्पित करने का फैसला किया है। उन्होंने दिल्ली का अपना आवास छोड़कर अपने 20 वर्षों की अर्जित कमाई का 90 फीसदी जनसुराज को दान कर दिया। कहा, आगे भी वह जो कमाएंगे, उसका 90 फीसदी जनसुराज का होगा। उन्होंने लोगों से भी कम से कम 1000 रुपये जनसुराज को दान करने की अपील की। बाद के दिनों में लोगों ने देखा कि चाहे पटना में जहानाबाद की नीट छात्रा की दुष्कर्म के बाद हत्या का मामला हो, पटना के ही बंटी यादव की हत्या अथवा आरा के बेलौटी गांव के भारत भूषण तिवारी की हिरासत में लेकर हत्या, प्रशांत किशोर हर जगह पहुंचे और पीड़ितों के आंसू पोंछे। पटना में पिछले माह छात्रों पर हुए बर्बर लाठीचार्ज के खिलाफ उन्होंने हुंकार भरी। जबकि बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल की हार से इतने हताश हुए कि विधानसभा की बैठकों में भी कम ही जाते हैं। इसका सीधा लाभ बांकीपुर के उप चुनाव में प्रशांत किशोर को मिला। 2025 के विधानसभा चुनाव में जनसुराज के पास पेड वर्करों का भारी जमावड़ा था। इस बार बांकीपुर में प्रशांत ने समर्पित कार्यकर्ताओं को साथ लिया। इनमें अधिकांश युवा थे जो अपना भविष्य सुरक्षित करना चाहते थे। प्रशांत खुद मोहल्लावासियों के साथ देर रात तक बैठते थे। उन्होंने चुनाव में नीतीश कुमार की सक्रिय भागीदारी नहीं होने और भाजपा द्वारा नीतीश कुमार को दरकिनार करने का मुद्दा उठाया, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। इस बीच, भाजपा के एक सांसद द्वारा यह कह देना कि बांकीपुर से भाजपा किसी कुत्ते-बिल्ली को भी कमल का निशान देकर चुनाव मैदान में उतार देगी तो वह जीत जाएगा। प्रशांत ने इस बयान को लपक लिया और खूब भुनाया। इसका उन्हें लाभ भी मिला। वह पूरे चुनाव मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर आक्रामक रहे। इससे लोगों को लगा कि अगर एक अकेला प्रशांत को विधानसभा में भेजा जाएगा तो वह सरकार की नाक में दम कर देगा, विपक्ष जी उठेगा।

भाजपा के अहंकार की हार हुई

अहंकार पतन का कारण होता है और बांकीपुर में भाजपा उसकी शिकार हो गई। भाजपा पर बांकीपुर में लगातार 30 वर्षों तक जीत का खुमार इस कदर चढ़ा कि वह जीती बाजी हार गई। देश के 72 प्रतिशत भू-भाग और 78 प्रतिशत आबादी पर शासन करने वाली भाजपा बांकीपुर में प्रत्याशी चयन में ही चूक कर बैठी। पहले जिस अभिषेक बंटी का नामांकन कराया, उसके पिता का नाम बहुचर्चित चारा घोटाला में आ जाने के कारण बदल दिया। हालांकि पार्टी की ओर से आखिर तक उम्मीदवार बदलने का स्पष्ट कारण नहीं बताया गया। अगर चारा घोटाला ही कारण था तो पूर्व मुख्यमंत्री डॉ जगन्नाथ मिश्र के बेटे नितीश मिश्र को लगातार मंत्री क्यों बनाया जा रहा है ? सूत्र तो यहां तक बता रहे हैं कि उम्मीदवार चयन में प्रदेश पार्टी की कोई राय ही नहीं ली गई थी। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपनी मर्जी से नीरज सिन्हा को खड़ाऊँ उम्मीदवार बना दिया था। फिर महज एक विधानसभा उप चुनाव के लिए 40 स्टार प्रचारकों की भारी-भरकम सूची जारी की गई। राज्य सरकार के मंत्री और विधायक अलग से मोहल्लों में डेरा डाले रहे। 6 हजार से ज्यादा बाहरी कार्यकर्ताओं को बांकीपुर में तैनात कर दिया गया। और तो और, स्वयं नितिन नवीन 11 दिनों तक पटना में गली-गली घूमे। बेशुमार धन खर्च किया गया। कुछ लोग नीतीश कुमार को चुनाव प्रचार से दूर किये जाने को भी भाजपा की हार का कारण मानते हैं। बाहुबली विधायक अनंत सिंह भी इसमें शामिल हैं।

राजद में घबराहट क्यों है

बिहार विधानसभा चुनाव में महज 25 सीटों पर सिमट जानेवाली राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में बांकीपुर के परिणाम से घबराहट है। सांसद मीसा भारती प्रशांत किशोर को भाजपा का असली उम्मीदवार बता रही हैं, जबकि उनकी बहन रोहिणी आचार्य प्रशांत किशोर को जमीन से जुड़ा नेता बताते हुए तेजस्वी पर तंज कस रही हैं। 30 जुलाई को जीत का दावा करने वाले तेजस्वी अब हकलाये फिर रहे हैं।

क्या बदलेगी बिहार की सियासत

बिहार में पिछले 35 वर्षों से लालू यादव राजनीति के केंद्र में रहे हैं। राज्य में लालू समर्थन और लालू विरोध की सियासत होती रही है।

यह अलग बात है कि बढ़ती उम्र और बिगड़ती सेहत के कारण कुछ वर्षों से लालू महज तमाशबीन बने हुए हैं। पार्टी का सारा काम तेजस्वी ने संभाल लिया है। यहां तक कि उमीदवारों का चयन भी अब टीम तेजस्वी ही कर रही है। राजद के सिमटते जन समर्थन का यह बड़ा कारण है।

डंकी रूट से साइबर धोखाधड़ी तक में फंसते भारतीय

संजय सक्सेना

भारत में अवैध घुसपैठ हमेशा से एक संवेदनशील राजनीतिक और सुरक्षा मुद्दा रहा है, जिस पर हर चुनाव और संसद के हर सत्र में सियासी दल अपनी रोटियां सेकते नजर आते हैं। सीमाओं की सुरक्षा, राष्ट्रीय अखंडता और आंतरिक सुरक्षा के नाम पर बहसें और तीखे बयान राजनीति का स्थायी हिस्सा बन चुके हैं। लेकिन जब ज़मीनी हकीकत और सरकारी आंकड़ों की कसौटी पर इस बहस को परखा जाता है, तो एक बेहद चौंकाने वाली और विरोधाभासी तस्वीर उभरकर सामने आती है। विदेश मंत्रालय की तरफ से संसद में रखे गए हालिया आंकड़े इस बात की तस्दीक करते हैं कि एक तरफ जहां भारत अपनी सरहदों के भीतर अवैध प्रवासियों पर नकेल कसने में प्रशासनिक और कानूनी जटिलताओं के चलते संघर्ष कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ दुनिया के अलग-अलग देशों में रोजगार और बेहतर भविष्य की तलाश में गए हजारों भारतीय अवैध आप्रवासन के जाल में फंसकर हर साल डिपोर्ट किए जा रहे हैं। यह स्थिति न केवल भारत की घरेलू सुरक्षा प्रणालियों की सीमाओं को उजागर करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि कैसे वैश्विक स्तर पर भारतीय नागरिक कड़े आव्रजन कानूनों के शिकार बन रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, केवल वर्ष 2025 में ही करीब 19,811 भारतीयों को दुनिया के विभिन्न देशों में अवैध आप्रवासन के आरोप में हिरासत में लिया गया और फिर उन्हें वापस उनके वतन भेज दिया गया। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि बेरोजगारी, गरीबी और बेहतर आजीविका की लालसा में युवा किस हद तक जोखिम उठाने को तैयार रहते हैं। इसके विपरीत, यदि भारत के भीतर अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के आंकड़ों पर नजर डालें, तो स्थिति बिल्कुल उलट और बेहद सुस्त प्रतीत होती है। हालांकि भारत में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को हिरासत में लेने के आधिकारिक और समेकित आंकड़े सार्वजनिक रूप से पूरी पारदर्शिता के साथ उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन विभिन्न खुफिया, सुरक्षा और प्रशासनिक सूत्रों से प्राप्त जानकारी बताती है कि देश में हर साल बमुश्किल दो से ढाई हजार विदेशी नागरिकों को ही हिरासत में लिया जाता है और फिर लंबी कानूनी तथा कूटनीतिक प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद उन्हें डिपोर्ट किया जाता है। यह विसंगति देश की आंतरिक सुरक्षा और प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता पर एक बड़ा सवालिया निशान लगाती है कि आखिर सीमाओं के रास्ते आने वाले लाखों अवैध प्रवासियों की तुलना में यह आंकड़ा इतना कम क्यों है।

वर्ष 2025 के आंकड़ों का गहराई से विश्लेषण करने पर यह साफ हो जाता है कि भारतीय नागरिकों के डिपोर्टेशन का दायरा केवल पारंपरिक रूप से खाड़ी देशों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह अब दुनिया के कोने-कोने तक फैल चुका है। खाड़ी देशों में भारत से नजदीकी और रोजगार के प्रचुर अवसरों के कारण बड़े पैमाने पर लोग जाते हैं, लेकिन कई बार वीजा की अवधि समाप्त होने, समय पर नवीनीकरण न होने या फिर एजेंटों के बहकावे में आकर लोग अवैध रूप से कार्य करने लगते हैं। 2025 में अकेले संयुक्त अरब अमीरात से 7,896 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया, जो किसी भी एक देश से सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसी तरह अमेरिका से 3,500 भारतीयों को वापस भेजा गया, जो इस बात का संकेत है कि 'डंकी रूट' या अवैध रास्तों से अमेरिका में प्रवेश करने का क्रेज युवाओं में कितना घातक साबित हो रहा है। मलेशिया से 1,675, म्यांमार से 1,676 और कंबोडिया से 1,300 भारतीयों को भारत वापस भेजा गया। कंबोडिया और म्यांमार जैसे देशों से डिपोर्टेशन के मामलों में हाल के वर्षों में भारी उछाल आया है, जिसके पीछे साइबर फ्रॉड और नौकरी के फर्जी विज्ञापनों के जरिए युवाओं को बंधक बनाए जाने और अवैध गतिविधियों में धकेले जाने के मामले मुख्य कारण रहे हैं।

सबसे दिलचस्प और चौंकाने वाली बात यह है कि भारतीय नागरिक अब उन छोटे-छोटे और अप्रत्याशित देशों से भी डिपोर्ट हो रहे हैं, जिनके बारे में आम तौर पर ज्यादा चर्चा नहीं होती। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2025 में जॉर्जिया में 12, कोलंबिया में 30, जमैका में 3, लिथुआनिया में 4, माल्टा में 3, स्लोवाक गणराज्य में 27 और यहां तक कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में भी 231 भारतीयों को हिरासत में लिया गया या डिपोर्ट किया गया। लैटिन अमेरिकी देश जैसे कोलंबिया और कैरेबियाई देश जैसे जमैका अमेरिकी महाद्वीप में प्रवेश करने के लिए अवैध एजेंटों द्वारा ट्रांजिट रूट के रूप में उपयोग किए जाते हैं, जहां भारतीय नागरिक मानव तस्करों के चंगुल में फंसकर अपनी गाढ़ी कमाई गंवा बैठते हैं और अंततः विदेशी जेलों या हिरासत केंद्रों में पहुंचते हैं। यूरोपीय देश जैसे लिथुआनिया, माल्टा और स्लोवाकिया भी अब ऐसे भारतीयों के निशाने पर हैं, जो शेंगेन वीजा के नियमों का उल्लंघन कर पश्चिमी यूरोप में दाखिल होना चाहते हैं, लेकिन कानूनों के शिकंजे में फंसकर वापस भेज दिए जाते हैं।

अवैध प्रवासन और डिपोर्टेशन का यह संकट कोई नया नहीं है, बल्कि इसका एक लंबा और दर्दनाक इतिहास रहा है। यदि हम पिछले दशकों के मामलों पर नजर डालें, तो पाएंगे कि समय-समय पर बड़े पैमाने पर भारतीयों को विदेशी धरती से खदेड़ा गया है। इतिहास के पन्नों को पलटें तो खाड़ी युद्ध (1990-91) के दौरान कुवैत और इराक से लाखों भारतीयों को युद्ध के हालातों के चलते अचानक वापस लौटना पड़ा था, हालांकि वह मुख्य रूप से युद्ध जनित पलायन था, लेकिन उसके बाद के दशकों में वीजा नियमों के उल्लंघन और अवैध रूप से रहने के कारण डिपोर्टेशन की घटनाएं लगातार बढ़ती गईं। दशक पहले सऊदी अरब में निताकात कानून के सख्त होने पर लाखों भारतीयों को अपनी नौकरियां गंवानी पड़ी थीं और हजारों को वैध दस्तावेज न होने पर भारत वापस डिपोर्ट किया गया था। इसी तरह यूनाइटेड किंगडम और यूरोपीय देशों द्वारा चलाए गए ऑपरेशन रिटर्न के तहत अनधिकृत रूप से रह रहे हजारों भारतीयों को चार्टर्ड उड़ानों के जरिए भारत भेजा जा चुका है।

हालिया वर्षों में अमेरिका द्वारा सैन्य विमानों या विशेष उड़ानों के जरिए भारतीयों को हथकड़ी लगाकर सामूहिक रूप से डिपोर्ट किए जाने की तस्वीरें भारतीय मीडिया में सुर्खियों में रही हैं। वर्ष 2020 और उसके बाद के कोविड काल के दौरान भी खाड़ी देशों और यूरोप से हजारों भारतीय कामगारों को बिना वैध वीजा या काम के अधिकारों के डिपोर्ट किया गया था। इन पुराने मामलों से यह स्पष्ट होता है कि सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा समय-समय पर कड़े आव्रजन कानून लागू किए जाने के बावजूद भारतीय युवाओं का विदेश मोह कम नहीं हुआ है।

बहुत कुछ था अगर कहने पे आते...

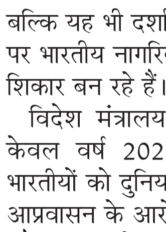

डॉ टी महादेव राव

किसी शायर ने कहा है - कहने को बहुत कुछ था अगर कहने पे आते, दुनिया की इनायत है कि हम कुछ नहीं कहते। यह तो पहले की बात रही। महात्मा गांधी ने कहा मौन सर्वोत्तम भाषण है और आगे उन्होंने अपनी आत्मकथा में लिखा है-"कम बोलने से मुझे दो फायदे हुये, एक- मैं जो भी बोला सोच-समझ कर बोला, दूसरा- कम बोलने से मेरा अज्ञान छुपा रहा, जो दूसरे के सामने प्रकट नहीं हो पाया।" कितनी सादगी बापू!! बेबाक और सत्य। अब तो जैसे बोलने की हर आदमी में होड़ लगी हुई है, कोरोना जैसी बीमारी हो गई है। मोबाइल कंपनियां आपको अपने फोन पर ज्यादा से ज्यादा बोलते रहने के लिए उकसाती रहती हैं, ताकि आपके "बोलों" से उनका "धंधा" चलता रहे। टीवी पर देखें तो शॉपिंग चैनल में दोनों प्रस्तोता इतनी तेजी से और फर्राटे से लगातार बोलते रहते हैं कि आप नासमझ से देखते रह जाएंगे और पशोपेश में कुछ ना कुछ ऊलजलूल चीज़ें खरीद जाएंगे। कहते हैं योगी, गुरु, संत, महात्मा बड़े ही मितभाषी यानी बहुत कम बोलने वाले और मौनी किस्म के ज्यादा होते हैं।

तभी उनकी बातों का, उनके व्याख्यान का, उनके संदेशों का अनुकरण किया जाता है। "शोले" फिल्म की बहुत प्यारी और ढेर सारी बातें करने वाली बसंती जैसे तो आजकल हर कोई होता जा रहा है। अगर कहा जाए तो उससे भी आगे बढ़ रहा है। विशेषकर राजनीतिज्ञ, उनमें भी सत्ता में आसीन, उनके द्वारा समर्थित और उनके समर्थक सारे तोतों की तरह बोलते जा रहे हैं, वह भी बार बार लगातार। वार्तालाप, बातचीत, संवाद से परे यह सभी एक तरफा वक्ता बनते जा रहे हैं। वार्तालाप, बातचीत, संवाद में आप बोलेंगे तो सामने वाला अपनी प्रतिक्रिया स्वरूप कुछ बोलेगा, कुछ पूछेगा, कुछ स्पष्टीकरण चाहेगा, लेकिन केवल वक्तव्य देने या वक्ता बने रहने से प्रतिक्रिया, प्रश्न, स्पष्टीकरण से बचा जा सकता है। खुद को तनाव से, मानसिक दबाव से, यानी की स्ट्रैस से बचाया जा सकता है, क्योंकि सामने वाला क्या कुछ पूछ सकता है और उसका उत्तर आपके पास शायद न हो। होगा कैसे? अधजल गगरी हैं तो छलकेंगे ही। वे मीठी-मीठी बोलने में विश्वास रखते हैं, भले ही उसमें ज्ञानशून्यता ही क्यों न हो। वे गाली-गलौज भी चाशनी में डुबोकर देते हैं वैसे ही जैसे शहद में डूबा कर जूता मारा जाता है। यह फेंकू किस्म के नेता सामने वाले को तो बस शिकारपुर का मानकर अपनी बकवास से सामने वाले को चित करने की नाकाम कोशिश करते रहते हैं। आप पूछेंगे कि आप प्रेसमीट क्यों नहीं करते? इससे तो काफी पॉपुलोरिटी मिलेगी। वे कहते हैं कई बार इंटरव्यू, बातचीत से ही लौट आए उनके प्रश्नों के उत्तर न पाकर। लगा कि वे अभिमन्यु की तरह चक्रव्यूह में फंस गए हैं। वह अभिमन्यु तो लड़ता रहा मरते दम तक, लेकिन यह तो बस बीच में ही भाग आए। इंटरव्यू, बातचीत, प्रेस मीट उन्हें इसलिए नहीं भाते। चुनावी भाषण हो, बच्चों के साथ बातचीत हो, अपने साथियों को आदेश देना हो, उन्हें अच्छा लगता है, क्योंकि वहां केवल वही वक्ता हैं। बाकी सब श्रोता अनुयाई या भक्त हैं। इतने से ही उनका मन भर जाता तो क्या बात थी? वे इसके लिए महीने में एक बार जनता के कान रेडियो से बजाते हैं अपने मन की बात सुना कर। जो लोग नहीं सुनते या रेडियो बंद कर देते हैं, उनको उनके ईमेल पर भी उनकी बात बिला नागा पहुंचाई जाती है।

देश नशा-मुक्त हो या न हो, नारे ज़रूर नशा-मुक्त हैं

आरके जैन

कानून की सबसे लंबी सजा क भी अपराधी को नहीं, न्याय को मिलती है। नशा मुक्त भारत का मौजूदा अभियान इसी सजा के बीच अपनी सफलता का उत्सव मना रहा है। सौ-सप्ताहीय कार्यक्रम, युवाओं की शपथ, जागरूकता यात्राएं और सरकारी संकल्प यह भरोसा जगाते हैं कि नशे के खिलाफ निर्णायक संघर्ष चल रहा है। लेकिन दूसरी ओर एनडीपीएस कानून से जुड़े लगभग 3.96 लाख मुकदमे अदालतों में वर्षों से लंबित हैं। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का मौन बयान है, जहां न्याय की हर देरी अपराध का आत्मविश्वास बढ़ाती है। अभियान सक्रियता का आभास देते हैं, जबकि अदालतों की ठहरी हुई फाइलें बताती हैं कि व्यवस्था अपनी ही रफ्तार से हार रही है। नशा अब कानून से नहीं, कानून की देरी से सबसे अधिक सुरक्षित हो चुका है।

अदालतें जब समय हारने लगती हैं, तब अपराधी मुकदमे नहीं, अवसर गिनते हैं। पंजाब में लगभग साठ हजार और केरल में करीब पचास हजार एनडीपीएस मामले वर्षों से लंबित हैं। विशेष अदालतें जरूरत से कम हैं, न्यायाधीश सीमित हैं और मुकदमों की चाल इतनी सुस्त है कि अनेक आरोपी जमानत पर बाहर आकर अपना तंत्र फिर खड़ा कर लेते हैं। यहीं न्याय की देरी अपराध का सबसे विश्वसनीय संरक्षण बन जाती है। जितने अधिक मामले दर्ज होते हैं, उतना ही बैकलॉग बढ़ता है और उतना ही यह विश्वास गहराता है कि गिरफ्तारी अंत नहीं, केवल एक औपचारिक पड़ाव है। नशा मुक्त अभियान अपराध को सामाजिक अभिशाप बताते हैं, लेकिन न्यायिक विलंब उसी अभिशाप की उम्र बढ़ाता रहता है। यह ऐसा विरोधाभास है, जिसे अब कोई सरकारी उपलब्धि ढक नहीं सकती।

नशे का बाजार अब गलियों से निकलकर मोबाइल की स्क्रीन पर फल-फूल रहा है। इतिहास में पहली बार गली हार गई और स्क्रीन जीत गई। एनक्रिप्टेड ऐप, डार्क वेब और सोशल मीडिया के बंद समूहों ने खरीद-बिक्री को इतनी गोपनीयता दे दी है कि ग्राहक को घर से बाहर निकलने की भी जरूरत नहीं पड़ती। जिन कॉलेजों में नशा विरोधी रैलियां निकलती हैं, वहीं के छात्र मोबाइल से सप्लायर तक पहुंच जाते हैं। पुलिस पुराने तस्करों को पकड़ती है, लेकिन तब तक डिजिटल दुनिया नए चेहरे तैयार कर चुकी होती है। हमारी कार्रवाई आज भी एनालॉग सोच में अटकी है, जबकि अपराध पूरी तरह डिजिटल हो चुका है। यही फासला अभियानों को प्रतीक और नशे को सुविधा बना देता है। जब तकनीक ही अपराध का सबसे भरोसेमंद माध्यम बन जाए, तब पोस्टर और शपथ उसकी रफ्तार नहीं रोक सकते।

जब ईमानदार श्रम की कीमत घटने लगे और जोखिम सबसे लाभकारी रोजगार बन जाए, तभी अपराध कारोबार बन जाता है। बेरोजगारी, त्वरित कमाई का आकर्षण और फैलता अवैध धन युवाओं को नशे की सप्लाई चेन में खींच लाता है। छोटे वाहक गिरफ्तार होते हैं, उनके परिवार बिखरते हैं और समाज उन्हें अपराध का चेहरा मान लेता है। उधर बड़े तस्कर कमजोर अभियोजन, लंबी कानूनी प्रक्रिया और तकनीकी खामियों की आड़ में बच निकलते हैं। अभियान युवाओं को नैतिकता का उपदेश देते हैं, लेकिन व्यवस्था सम्मानजनक आर्थिक विकल्प नहीं दे पाती। नशा केवल लत नहीं, कुछ परिवारों की छिपी आजीविका बन जाता है। जब तक यह आर्थिक सच स्वीकार नहीं किया जाएगा, हर अभियान बीमारी नहीं, उसके लक्षणों का उपचार करेगा। आंकड़े कभी-कभी ऐसी जीत का उत्सव मनाते हैं, जिसे सच्चाई चुपचाप हार में बदल चुकी होती है। हर वर्ष प्रवर्तन एजेंसियां बड़ी जब्तियों का दावा करती हैं। मीडिया में सुर्खियां बनती हैं, प्रेस कॉन्फ्रेंस होती हैं और इसे सफलता बताया जाता है।

लेकिन इतनी बरामदगी के बाद भी यदि बाजार में नशा पहले जैसी सहजता से उपलब्ध है और कीमतों में उल्लेखनीय उतार-चढ़ाव नहीं आता, तो स्पष्ट है कि एक सप्लाई लाइन की जगह दूसरी खड़ी हो चुकी है। तब बरामदगी उपलब्धि नहीं, बल्कि लगातार रास्ते बदलते विशाल नेटवर्क का प्रमाण बन जाती है। जब्ती के आंकड़े जितने बढ़ते हैं, प्रश्न उतना बड़ा होता है कि उपलब्धता क्यों नहीं घट रही। सफलता की असली कसौटी बरामद माल नहीं, घटती मांग और कठिन होती पहुंच होनी चाहिए।

हर अभियान की सबसे बड़ी चूक यह है कि वह घरों के भीतर पसरे सन्नाटे को सुन ही नहीं पाता। परिवारों की त्रासदी सबसे कम दिखाई देती है, जबकि सबसे अधिक वही भुगतते हैं। एक ओर उन्हें जागरूकता कार्यक्रमों में नशे से दूर रहने की सीख मिलती है, दूसरी ओर वही नशा डिजिटल रास्तों से उनके बच्चों तक पहुंच जाता है। परिवार का कोई सदस्य नशे के आरोप में वर्षों अदालतों के चक्कर काटे, तो आर्थिक बोझ, सामाजिक अपमान और मानसिक थकान पूरे घर को तोड़ देती है। न्याय में देरी केवल एक मुकदमे को लंबा नहीं करती, बल्कि व्यवस्था से नागरिक का भरोसा भी कम करती है। नशा छोड़ने का संदेश हवा में तैरता रहता है, जबकि नशे की उपलब्धता घर के भीतर प्रवेश करती रहती है।

जब सावन के बादलों से संवाद करते हैं श्री काशी विश्वनाथ धाम के शिखर

सुरेश गांधी

काशी की महिमा केवल उसकी प्राचीनता में नहीं, उसके अक्षय जागरण में है। भारत के अनेक तीर्थ ऋतु के साथ बदलते हैं, पर काशी ऋतु को अपने भीतर बदल देती है। सावन आते ही यह नगर एक साधारण शहर नहीं रहता; यह शिव की श्वास का विस्तार बन जाता है। गंगा के तट पर स्थित श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में जब प्रातःकाल पहली आरती होती है, तब लगता है मानो स्वयं भोर ने जल और प्रकाश लेकर विश्वनाथ के चरणों में उपस्थित होने का संकल्प किया हो। पुराणों में काशी को "अविमुक्त क्षेत्र" कहा गया है—अर्थात वह भूमि जिसे शिव कभी छोड़ते नहीं। स्कंदपुराण के काशीखंड में वर्णित है कि यह नगरी स्वयं महादेव की प्रिय नगरी है, जहाँ उनका अनुग्रह निरंतर प्रवाहित रहता है।

अर्थात काशी वह है जो स्वयं प्रकाशित है और समस्त जगत को प्रकाश देने वाली है। यहाँ प्रकाश केवल दीप का नहीं, चेतना का प्रतीक है। एक अन्य प्रसिद्ध भावार्थ में कहा गया है— जहाँ शिव का निवास है, उस काशी को वे कभी त्यागते नहीं। यही कारण है कि काशी की आध्यात्मिक अनुभूति अन्य तीर्थों से भिन्न मानी जाती है। बारह ज्योतिर्लिंगों में काशी विश्वनाथ का स्थान अद्वितीय माना जाता है। "विश्वनाथ" शब्द का अर्थ है—समस्त विश्व के नाथ। यह नाम केवल ईश्वर की सार्वभौमिक सत्ता का परिचायक नहीं, बल्कि उस करुणा का भी प्रतीक है जो जाति, भाषा, देश और काल की सीमाओं से परे है। शिवलिंग यहाँ अनंत प्रकाश के स्तंभ का प्रतीक माना जाता है—आरंभ और अंत से परे, निराकार में साकार का संकेत। शैव परंपरा में प्रचलित प्रार्थना

सावन में विश्वनाथ धाम की आराधना का भाव इसी शुद्ध, नित्य और सर्वव्यापक शिवत्व की ओर मन को ले जाता है। सावन के सोमवार पर धाम का दृश्य किसी उत्सव से अधिक एक सामूहिक मौन जैसा होता है। हजारों लोग उपस्थित रहते हैं, फिर भी एक ऐसी आंतरिक शांति बनी रहती है जिसे शब्दों में बाँधना कठिन है। कतारें आगे बढ़ती हैं, दीपक जलते हैं, घंटियाँ बजती हैं, पर भीतर कहीं एक निस्तब्धता लगातार बहती रहती है। शायद यही काशी की वास्तविक ध्वनि है—भीड़ के बीच जन्म लेता मौन।

धाम के प्रांगण में खड़े होकर यदि कुछ देर केवल आकाश को देखा जाए, तो स्वर्णिम शिखर बादलों से संवाद करते प्रतीत होते हैं। वर्षा की हल्की फुहार जब उन पर गिरती है, तब लगता है मानो आकाश स्वयं जल अर्पित कर रहा हो। गंगा की दिशा से आती ठंडी हवा मंदिर की दीवारों को छूती है और वे दीवारें किसी प्राचीन वाद्य की तरह धीमे-धीमे गूँज उठती हैं। काशी की गलियों का अपना एक आध्यात्मिक व्याकरण है। यहाँ मोड़ अचानक खुलते हैं, रास्ते अचानक संकरे हो जाते हैं, और फिर अचानक सामने मंदिर का आकाश खुल जाता है। यह नगर मानो मनुष्य को सिखाता है कि जीवन भी सीधी रेखा नहीं, अनुभवों की घुमावदार यात्रा है। सावन में यह यात्रा और अधिक भीगी, और अधिक आत्मीय हो उठती है। धाम की सीढ़ियों पर बैठा कोई वृद्ध श्रद्धालु, जल लिए खड़ा कोई किशोर, अपने परिवार के साथ आई कोई महिला—इन सबके चेहरों पर अलग-अलग कथाएँ लिखी होती हैं। किसी की आँखों में कृतज्ञता, किसी में पीड़ा, किसी में आशा, किसी में स्मरण। शिव शायद इसी विविधता के देवता हैं— जो मनुष्य को बदलने से पहले उसे स्वीकार करते हैं।

आधुनिक समय में जब हर चीज़ तेजी से घटित होने लगी है, तब श्री काशी विश्वनाथ धाम रुकने की संस्कृति सिखाता है। यहाँ लोग प्रतीक्षा करते हैं, धीरे चलते हैं, दर्शन के बाद कुछ क्षण आँखें बंद करके खड़े रहते हैं। यह ठहराव केवल धार्मिक क्रिया नहीं, मानसिक उपचार है। काशी बताती है कि शांति कोई उपलब्धि नहीं; वह भीतर लौटने की प्रक्रिया है। सावन की रातों में धाम का रूप और भी अद्भुत हो उठता है। दीपों की लौ पत्थरों पर पड़कर उन्हें जीवित बना देती है। हवा में भीगा चंदन घुल जाता है। गंगा की ओर से आती नमी और आरती की ध्वनि मिलकर ऐसा वातावरण बनाती है जिसमें मन स्वयं धीमा पड़ने लगता है। उस समय काशी को देखा नहीं जाता, महसूस किया जाता है। और तब समझ में आता है कि इस नगर की महिमा उसके स्थापत्य में नहीं, उसकी जागृत चेतना में है। काशी केवल तीर्थ नहीं; वह मनुष्य और उसके भीतर बसे मौन के बीच का सेतु है। यहाँ आकर अनेक लोग अपनी कामनाएँ व्यक्त करते हैं, पर लौटते समय वे अक्सर एक अनकही शांति साथ ले जाते हैं।

धर्म, आस्था, अनुशासन और आत्मशुद्धि का महापर्व है कांवड़ यात्रा

डॉ घनश्याम बादल

कांवड़ यात्रा का इतिहास भारतीय पुराणों और लोकमान्यताओं में गहराई से जुड़ा हुआ है। एक मान्यता के अनुसार समुद्र मंथन के समय निकले हलाहल विष को भगवान शिव ने अपने कंठ में धारण कर संसार की रक्षा की। विष की ज्वाला को शांत करने के लिए देवताओं ने विभिन्न पवित्र नदियों का जल लाकर उनका अभिषेक किया। तभी से शिव पर जल चढ़ाने की परंपरा का आरंभ माना जाता है।

एक अन्य पौराणिक कथा रावण से जुड़ी है। कहा जाता है कि उसने गंगाजल कांवड़ में भरकर भगवान शिव का अभिषेक किया था। परशुराम और भगवान श्रीराम से संबंधित लोककथाएँ भी इस परंपरा को और अधिक प्राचीन बनाती हैं। यद्यपि इन कथाओं का ऐतिहासिक सत्यापन कठिन है, किंतु भारतीय समाज की सांस्कृतिक स्मृति में इनका विशेष स्थान है।

कैसी थी आरंभिक यात्रा

आरंभ में कांवड़ यात्रा अत्यंत सरल और तपस्वी स्वरूप की होती थी। श्रद्धालु नंगे पाँव लंबी दूरी तय करते, मार्ग में भजन-कीर्तन करते, संयमित जीवन जीते और किसी प्रकार का प्रदर्शन नहीं करते थे। उनके लिए यह यात्रा शरीर की नहीं, आत्मा की परीक्षा होती थी। कांवड़ केवल बाँस की एक साधारण डंडी और दोनों ओर लटके जलपात्रों का नाम नहीं थी, बल्कि जीवन के संतुलन का प्रतीक थी। जिस प्रकार कांवड़ दोनों ओर समान भार से संतुलित रहती है, उसी प्रकार मनुष्य के जीवन में भी धर्म और कर्म, भक्ति और सेवा, अधिकार और कर्तव्य का संतुलन आवश्यक माना गया।

भोले हैं शिव

भगवान शिव को अत्यंत सरल और सहज देवता हैं। वे आडंबर नहीं, बल्कि निष्कपट भाव से प्रसन्न होते हैं। इसलिए शिव पूजा में जल, बेलपत्र, धतूरा, आक और भस्म जैसी सहज उपलब्ध वस्तुओं का महत्व है। कांवड़ यात्रा का मूल संदेश भी यही है कि कठिन तप, संयम और सेवा के माध्यम से मनुष्य अपने भीतर के विकारों का परित्याग करे। स्कंद पुराण, शिव पुराण और विभिन्न आगम ग्रंथों में श्रावण मास के दौरान शिवोपासना के महत्व का उल्लेख मिलता है, जिसमें श्रद्धा, सात्विकता और आत्मसंयम को सर्वोपरि माना गया है।

यूं बदलती गई

समय के साथ कांवड़ यात्रा का स्वरूप भी बदला है। पहले जहाँ इसमें सीमित संख्या में साधक सम्मिलित होते थे, वहीं आज यह विश्व की सबसे बड़ी धार्मिक यात्राओं में गिनी जाती है। उत्तराखंड के हरिद्वार, गंगोत्री और गौमुख से लेकर उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, बिहार, झारखंड और देश के अनेक भागों तक लाखों-करोड़ों श्रद्धालु कांवड़ लेकर पहुँचते हैं। आधुनिक परिवहन, बेहतर सड़कें, चिकित्सा सुविधाएँ, स्वयंसेवी संगठनों की सक्रियता तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं ने यात्रा को अधिक सुगम बनाया है।

सकारात्मक पहलू

इस यात्रा के अनेक सकारात्मक पक्ष हैं। यह समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करती है। रास्ते भर लगने वाले निःशुल्क शिविर, भोजन, चिकित्सा, जल और विश्राम की व्यवस्थाएँ भारतीय समाज की अतिथि-सेवा और परोपकार की परंपरा का सुंदर उदाहरण हैं। अनेक युवा नशामुक्ति, स्वच्छता, रक्तदान और पर्यावरण संरक्षण जैसे सामाजिक संदेश भी कांवड़ यात्रा के माध्यम से प्रसारित करते हैं। यह यात्रा स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति देती है और अनेक छोटे व्यापारियों तथा सेवा प्रदाताओं के लिए रोजगार का अवसर बनती है।

चिंतनीय विषय

किन्तु इसके साथ कुछ चिंताजनक प्रवृत्तियाँ भी सामने आई हैं। कहीं-कहीं धार्मिक आस्था की जगह प्रदर्शन, शक्ति-प्रदर्शन और प्रतिस्पर्धा का भाव दिखाई देने लगा है। अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण, यातायात अवरोध, नियमों की अवहेलना, सड़क दुर्घटनाएँ, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान तथा कुछ असामाजिक तत्वों की घुसपैठ जैसी घटनाएँ यात्रा की मूल भावना को आहत करती हैं। डीजे और तेज संगीत के कारण भक्ति का वातावरण कई बार उत्सवधर्मिता से आगे बढ़कर शोर में बदल जाता है। सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने की प्रवृत्ति भी कभी-कभी साधना की गंभीरता को कम कर देती है।

ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी परंपरा का मूल्य उसके बाहरी वैभव में नहीं, बल्कि उसके भीतर निहित मूल्यों में होता है। कांवड़ यात्रा का वास्तविक उद्देश्य अहंकार का प्रदर्शन नहीं, बल्कि उसका विसर्जन है। शिव स्वयं विरक्ति, करुणा, समता और धैर्य के प्रतीक हैं। इसलिए शिवभक्ति का अर्थ भी इन्हीं गुणों को जीवन में उतारना होना चाहिए।

सावन अमावस्या पर लगेगा दुर्लभ सूर्य ग्रहण

इस साल का अंतिम सूर्य ग्रहण सावन अमावस्या के दिन लगने वाला है। उस दिन यह एक दुर्लभ पूर्ण सूर्य ग्रहण होगा। सावन अमावस्या के दिन प्रातःकाल में स्नान, दान और तर्पण से पाप मिटते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है। लेकिन उस दिन सूर्य ग्रहण लग रहा है, सूर्य ग्रहण में स्नान, दान, पूजा, पाठ नहीं करते हैं, उस समय तो मंदिरों के कपाट तक बंद कर दिए जाते हैं, ऐसे में सावन अमावस्या और सूर्य ग्रहण के बीच स्नान, दान और तर्पण कैसे होगा? आइए जानते हैं नियम और मुहूर्त के बारे में।

सावन अमावस्या की तारीख 2026

वैदिक पंचांग के अनुसार, सावन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 12 अगस्त को 01:52 ए एम से प्रारंभ हो रही है और उसी रात 12 अगस्त को 11:06 बजे खत्म होगी। अमावस्या का सूर्योदय 12 अगस्त को होगा, ऐसे में सावन अमावस्या 12 अगस्त को है। सावन अमावस्या पर सूर्य ग्रहण का समय सावन अमावस्या के दिन सूर्य ग्रहण रात में 09:04 बजे से लगेगा और इसका समापन 13 अगस्त को प्रातः 4:25 बजे होगा।

सूर्य ग्रहण पर सावन अमावस्या का स्नान कैसे होगा?

अब देखा जाए तो सावन अमावस्या का स्नान और दान सुबह में करते हैं, वहीं सूर्य ग्रहण रात में लग रहा है। सूर्य ग्रहण का सूतक काल 12 घंटे पहले लग जाता है, लेकिन इस बार का सूर्य ग्रहण भारत में दृश्य नहीं होगा। इस वजह से इसका सूतक मान्य नहीं होगा। ऐसे में आप आसानी से सावन अमावस्या का स्नान, दान और तर्पण कर सकते हैं।

सूर्य ग्रहण पर सावन अमावस्या का स्नान कैसे होगा?

अब देखा जाए तो सावन अमावस्या का स्नान और दान सुबह में करते हैं, वहीं सूर्य ग्रहण रात में लग रहा है। सूर्य ग्रहण का सूतक काल 12 घंटे पहले लग जाता है, लेकिन इस बार का सूर्य ग्रहण भारत में दृश्य नहीं होगा। इस वजह से इसका सूतक मान्य नहीं होगा। ऐसे में आप आसानी से सावन अमावस्या का स्नान, दान और तर्पण कर सकते हैं। सावन अमावस्या को हरियाली अमावस्या भी कहा जाता है।

सावन अमावस्या पर स्नान, दान और तर्पण का मुहूर्त

12 अगस्त को सावन अमावस्या के दिन स्नान और दान का सबसे अच्छा समय ब्रह्म मुहूर्त है, जो उस दिन 04 बजकर 23 ए एम से 05 बजकर 06 ए एम तक है। अमावस्या पर सूर्योदय 05 बजकर 49 ए एम पर होगा। इस समय से भी आप स्नान और दान कर सकते हैं। जब आप स्नान करते हैं, तो उसके बाद अपने पितरों के लिए तर्पण कर सकते हैं। सावन अमावस्या पर आप सुबह 05:49 ए एम से 09:07 ए एम के बीच स्नान, दान और तर्पण कर लें। इस दिन अभिजीत मुहूर्त नहीं है।

सावन अमावस्या पर क्या दान करें?

सावन अमावस्या के अवसर पर आप पितरों के लिए जल, सफेद वस्त्र और अन्न का दान करें। पितरों के अलावा आप अपनी क्षमता के अनुसार अन्न, वस्त्र, फल, कंबल, छाता, जूते, चप्पल आदि का दान गरीब और जरूरतमंद को करें। पितरों वाला दान किसी ब्राह्मण को करें।

इस बार 13 दिन का मधुश्रावणी व्रत

कैसे हुई शुरुआत और किन देवी-देवताओं की होती है पूजा

महादेव की कृपा पाने का सबसे खास महीना श्रावण/सावन है। हिंदू पंचांग के अनुसार यह महीना भोलेनाथ को बेहद प्यारा है। श्रावण के इस महीने में महादेव का जलाभिषेक हो या फिर सोमवार का व्रत, इसको बेहद खास माना गया है। ऐसे में इस सावन के महीने में महादेव की कृपा पाने के लिए शिवालयों में जहां एक तरफ भक्तों की भीड़ लगी रहती है, वहीं तपस्वी और साधु इस पूरे महीने पवित्र नदियों के किनारे वास कर हठयोग तक करते हैं। इस सबके बीच बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र में इस महीने में नवविवाहिता अपने पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन के लिए मधुश्रावणी का व्रत रखती हैं। इस साल मधुश्रावणी व्रत की शुरुआत 3 अगस्त से हो चुकी है और 15 अगस्त को संपन्न होगा। इस बार 13 दिन का मधुश्रावणी व्रत किया जाएगा।

इस तरह किया जाता है मधुश्रावणी व्रत

मिथिलांचल में ब्राह्मण, कर्ण कायस्थ, स्वर्णकार यह त्योहार मनाते हैं। इनमें से जिनके भी परिवार में कन्या का विवाह होता है। वह नवविवाहिता कन्या शादी के साल पड़ने वाले श्रावण के महीने में 14-15 दिनों तक महादेव की पूजा पूरे विधि विधान के साथ करती हैं। इस 14-15 दिनों के अनुष्ठान में नवविवाहिता को इसके अंतिम दिन घुटनों को 'टेमी' दिया जाता है। इसमें उस नवविवाहिता के घुटनों को अग्नि के संपर्क में लाया जाता है। यानी एक तरह से अग्नि परीक्षा से महिलाएं गुजरती हैं। इसको लेकर मान्यता है कि महिला के घुटने पर जितना बड़ा घाव होगा, उसके पति की आयु उतनी ही लंबी होगी। हालांकि, अब 'शीतल टेमी' का चलन ज़्यादा आम हो गया है, जहां यह अनुष्ठान बिना आग के किया जाता है। अगर आग का इस्तेमाल भी किया जाता है, तो वे बस महिलाओं के घुटनों के पास एक तेल का दीपक लाते हैं और फिर उसे तुरंत हटा देते हैं।

महिला पुरोहित कराती हैं पूजन

मधुश्रावणी को लेकर माना जाता है इसकी शुरुआत प्राचीन काल में नवविवाहित महिलाओं को उनके वैवाहिक जीवन में सहजता प्रदान करने के लिए की गई थी। महिलाएं दुल्हन के कपड़े पहनती हैं, मौसमी फूल और पेड़ों के पत्ते इकट्ठा करती हैं और उन्हें बांस की बनी टोकरियों में रखती हैं। वे प्रतिदिन भगवान शिव और उनकी पत्नी माता गौरी की पूजा भी करती हैं। सबसे बड़ी बात है कि यह पूजा महिला पुरोहित करवाती हैं और नवविवाहिता को वही कथा भी सुनाती हैं।

मधुश्रावणी व्रत में इनकी होती है पूजा

मधुश्रावणी के दौरान नवविवाहिता को नाग देवताओं, गौरी, सूर्य, चंद्रमा और नवग्रह की भी पूजा करनी होती है। इस त्योहार का उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करना भी है। संस्कृति को बनाए रखने में उनके महत्व को दर्शाने के लिए, जूही और मैनी जैसे पौधों का उपयोग अनुष्ठानों में किया जाता है।

ऐसे फूल होते हैं अर्पित

मधुश्रावणी पर्व की एक और विशेषता है, जहां एक तरफ किसी भी देवी-देवता को बासी फूल नहीं चढ़ाया जाता है, वहीं इस पर्व के दौरान ताजे फूल की जगह बासी फूल ही मनसा देवी को चढ़ाया जाता है। सावन मास के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि से यह त्योहार शुरू होता है और शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को इसका समापन होता है।

मधुश्रावणी व्रत के नियम

नवविवाहित इस दौरान अपना श्रृंगार यानी बाल जो पहले दिन बांधती हैं, वही अंतिम दिनों तक बांधे रखती हैं। इन दिनों में वह एक वक्त खाना खाती हैं और वह भी बिना नमक के। इसके अलावा वह जमीन पर सोती हैं और सुबह शिव और माता गौरी की नियमित पूजा के साथ शाम को संध्या पूजा भी करती हैं। इस पूजा में कच्ची मिट्टी के हाथी, नाग-नागिन, शिव-गौरी आदि की प्रतिमा को कोहवर के स्थान पर स्थापित किया जाता है और यहीं इसका पूजन होता है।

व्रत में इन चीजों का खास महत्व

सबसे खास बात यह है कि इस पूजा की शुरुआत से लेकर अंत तक नवविवाहिता के ससुराल से आई सामग्री से ही पूजा होती है और वहीं से आए अनाज को वह खाने में भी इस्तेमाल करती हैं। इस पूजा के हर दिन समाप्ति पर सुहागिन महिलाओं को सुहाग की सामग्री नवविवाहिता के द्वारा बांटी जाती है, जिसमें कच्ची पिसी मेहंदी का खास महत्व है। माता पार्वती ने किया था सबसे पहले यह व्रत महादेव की उपासना के इस पावन महीने में देवाधिदेव महादेव के साथ माता गौरी और नागवंश या विषहरी नागिन से नवविवाहिता अपने पति के लंबे उम्र का आशीर्वाद मांगती हैं। पौराणिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने सर्वप्रथम मधुश्रावणी का व्रत किया था, जिसके कारण जन्म-जन्मांतर तक भगवान शिव को अपने पति के रूप में प्राप्त करती रहीं।

यहां फूलों नहीं, बिस्कुट छाछ और हरी सब्जियों से होता है भोलेनाथ का श्रृंगार

झारखंड के बोकारो में अनोखा शिव मंदिर!

क्या आपने कभी ऐसे शिव मंदिर के बारे में सुना है, जहां भगवान शिव का श्रृंगार केवल फूलों से नहीं, बल्कि बिस्कुट, हरी सब्जियों और छाछ से भी किया जाता हो? जी हां! झारखंड के बोकारो जिले के कैंप-2 स्थित श्री श्री केदारेश्वर नाथ मृत्युंजय मंदिर अपनी इसी अनोखी परंपरा और भव्य वास्तुकला के कारण श्रद्धालुओं के बीच खास पहचान बना चुका है और यहां सावन के महीने में दूर-दूर से श्रद्धालु जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं।

केदारनाथ धाम की तर्ज पर हुआ है निर्माण

मंदिर के पुजारी निकेश कुमार शास्त्री ने बताया कि केदारेश्वर नाथ मृत्युंजय मंदिर का निर्माण उत्तराखंड के प्रसिद्ध केदारनाथ धाम को ध्यान में रखकर कराया गया है। पहले यहां एक छोटा मंदिर था, लेकिन करीब डेढ़ वर्ष पहले इसे भव्य स्वरूप दिया गया और मंदिर का निर्माण उड़ीसा के कारीगरों ने किया है। मंदिर परिसर में मां भगवती, राधा-कृष्ण, पंचमुखी हनुमान सहित कई देवी-देवताओं की प्रतिमाएं स्थापित हैं।

सावन के दौरान मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता भगवान शिव का अनोखा श्रृंगार है। यहां पारंपरिक फूलों के अलावा गाजर, बैंगन, भिंडी, टमाटर, धनिया, पत्तागोभी, फूलगोभी समेत कई हरी सब्जियों से शिवलिंग को सजाया जाता है इतना ही नहीं, पारले-जी बिस्कुट और छाछ से भी विशेष श्रृंगार किया जाता है और पूजा-अर्चना पूरी होने के बाद इन सामग्रियों को प्रसाद के रूप में श्रद्धालुओं में वितरित किया जाता है।

श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र

पुजारी के अनुसार, जो श्रद्धालु किसी कारणवश उत्तराखंड स्थित केदारनाथ धाम नहीं जा पाते, उनके लिए यह मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र बन गया है। मंदिर की बनावट और धार्मिक वातावरण श्रद्धालुओं को केदारनाथ धाम जैसा आध्यात्मिक अनुभव कराता है।

श्रद्धालुओं की उमड़ रही भीड़

वहीं, पूजा-अर्चना के लिए पहुंचीं श्रद्धालु संध्या तिवारी ने बताया कि केदारेश्वर नाथ मृत्युंजय मंदिर जिले के प्रसिद्ध शिवालयों में से एक है उनका कहना है कि यहां जो भी श्रद्धालु सच्चे मन से भगवान शिव से प्रार्थना करता है, उसकी मनोकामना अवश्य पूरी होती है। यही वजह है कि सावन के पूरे महीने मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है।

भारत मेरी मां तो पाकिस्तान मौसी है : फिल्म बंटवारा 1947 के प्रमोशन के दौरान सन्नी देओल ने दिया बयान, हुए ट्रोल

फिल्म 'बंटवारा 1947' की रिलीज से पहले सनी देओल अपने एक बयान को लेकर विवादों में आ गए। पटना में फिल्म के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अपने पिता धर्मेंद्र के एक पुराने बयान का जिक्र करते हुए पाकिस्तान को मौसी बताया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने उन्हें ट्रोल किया।

दरअसल सनी से सवाल किया गया कि यह मूवी, जो पाकिस्तान में शूट की गई है, तो आप पाकिस्तान को एक देश या माहौल के तौर पर कैसे देखते हैं? क्या आप कुछ बताना चाहेंगे?

इस पर सनी ने बताया कि फिल्म की शूटिंग पाकिस्तान में नहीं हुई, बल्कि फिल्म हिंदुस्तान में ही शूट हुई है।

उन्होंने आगे कहा, "हम कोई ऐसी बातें नहीं करते, क्योंकि पूरा देश एक ही था। जैसे पापा ने कहा था कि मेरी मां (भारत) तो वो मेरी मौसी (पाकिस्तान) है, जो आप लोग अच्छी तरह से समझते हैं। हम सब एक तरह से हैं, तो कहीं न कहीं से जुड़े हुए हैं।"

सनी देओल के इस बयान पर सोशल मीडिया पर कई लोगों ने प्रतिक्रिया दी। कुछ यूजर्स ने उनके बयान की आलोचना की।

एक यूजर ने लिखा, सनी देओल हर नए वीडियो से अपनी छवि को और नुकसान पहुंचा रहे हैं। दूसरे ने कहा, मुझे यह व्यक्ति बिल्कुल पसंद नहीं है।

वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, "पूरे परिवार को बर्बाद करने वाली मौसी वाली बात सही है।" 'बंटवारा 1947' विभाजन की कहानी पर आधारित है

बता दें कि सनी देओल की अपकमिंग फिल्म 'बंटवारा 1947' भारत के विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म की कहानी हिंसा, विस्थापन और पारिवारिक संघर्ष से जूझ रहे एक परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में सनी देओल के साथ शबाना आजमी, प्रीति जिंटा, अली फजल और अभिमन्यु सिंह भी अहम भूमिकाओं में हैं।

फिल्म की रिलीज से पहले सनी देओल रविवार देर शाम पटना में स्थित तख्त श्री हरमंदिर जी पटना साहिब पहुंचे। यहां उन्होंने गुरु गोबिंद सिंह जी के जन्मस्थान पर मत्था टेककर आशीर्वाद लिया।

गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के पदाधिकारियों ने सनी देओल का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। उन्हें सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया गया और गुरु घर की परंपराओं से अवगत कराया गया। इसके बाद उन्होंने फिल्म के प्रमोशन में हिस्सा लिया।

सनी देओल लगभग 20 मिनट तक गुरुद्वारा परिसर में रहे। इस दौरान उन्होंने तख्त श्री हरमंदिर साहिब के विभिन्न हिस्सों का भ्रमण किया, गुरु इतिहास की जानकारी ली और श्रद्धालुओं के साथ समय बिताया। उन्होंने गुरु का पावन प्रसाद भी ग्रहण किया।

दर्शन के बाद सनी देओल ने कहा कि गुरु के दरबार में आकर उन्हें अद्भुत शांति और आत्मिक सुकून का अनुभव हुआ। उन्होंने बताया, "मेरा हमेशा से मन था कि जब भी बिहार आऊं, सबसे पहले तख्त श्री हरिमंदिर साहिब में मत्था टेककर गुरु महाराज का आशीर्वाद जरूर लूं। आज मेरा यह सपना पूरा हो गया।"

मां बनने के बाद शो में वापसी करना मुश्किल : रुबीना दिलैक

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री रुबीना दिलैक दो जुड़वा बच्चों को जन्म देने के बाद अब 'खतरों के खिलाड़ी सीजन 15' (डर का नया दौर) में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने मां बनने के बाद शो में वापसी करना फिजिकल चुनौतियों से भरपूर था। अभिनेत्री ने बताया कि प्रेग्नेंसी के बाद उनकी बॉडी में कई तरह के बदलाव हुए हैं। रुबीना ने कहा कि उन्हें शो में हिस्सा लेने से पहले कुछ और साल इंतजार करना चाहिए था। रुबीना दिलैक ने कहा, मुझे पहले स्टंट में ही एहसास हो गया था कि किया मुझे और भी स्ट्रॉन्ग बनने के लिए 4-5 साल और इंतजार करना चाहिए था। फिर वापस आना चाहिए था। इस शो में फिजिकली स्ट्रॉन्ग बनने से कहीं ज्यादा मेंटल रेजिलिएंस मायने रखता है। उन्होंने आगे कहा, शो में स्टंट के दौरान मुझे समझ में आ गया था कि अब या फिर कभी नहीं क्योंकि रेजिलिएंस, आपकी मेंटल स्टेबिलिटी, समय और कोई भी ट्रेनिंग इसे बेहतर नहीं बना सकती।

अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अपने स्टंट करने के लिए हिम्मत अंदर से ही आती है न कि

किसी वर्कआउट से। उन्होंने कहा, मेरे अंदर के स्ट्रॉन्ग माइंडसेट ने मुझे फिजिकल लिमिटेशन के बावजूद मुश्किल चुनौतियों से निपटने में मदद की थी, तो माइंडसेट एक ऐसी चीज थी जिसे लेकर मैं सच में मजबूत थी। और फिर फिजिकल तौर पर यह बहुत चैलेंजिंग था।

एडवेंचर रियलिटी शो में अपने पिछले अपीयरेंस से अपने लेटेस्ट स्टिंट की तुलना करते हुए, रुबीना ने बताया कि मां बनने के बाद उन्होंने तुरंत अपनी फिजिकल एबिलिटीज में फर्क महसूस किया। उन्होंने कहा, जब मैंने पहला सीजन किया था, तब भी उसमें कई फिजिकल चैलेंज थे, लेकिन जब मैं इस बार आई, तो मुझे एहसास हुआ कि अब मेरे शरीर में कई तरह के बदलाव हुए हैं।

बता दें कि रुबीना ने 2023 में पति अभिनव शुक्ला के साथ जुड़वां बेटियों जीवा और एधा का स्वागत किया। वह अभी फिल्ममेकर रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किए जा रहे 'खतरों के खिलाड़ी 15' में सभी चैलेंज का सामना करती हुई दिखाई दे रही हैं।

अक्षय खन्ना सच में कमाल के अभिनेता : अनिल कपूर

बायोग्राफिकल ड्रामा फिल्म 'गांधी, माई फादर' ने सोमवार को अपनी रिलीज के 19 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर फिल्म के निर्माता अनिल कपूर ने सोशल मीडिया के जरिए फिल्म का जश्न मनाया। साथ ही, अक्षय खन्ना के अभिनय की जमकर सराहना की। अनिल कपूर ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म का पोस्टर पोस्ट किया। इसके साथ उन्होंने अक्षय खन्ना को इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के 'सबसे अच्छे एक्टर' में से एक कहा। उन्होंने लिखा, अगर आपने अभी तक इस फिल्म को नहीं देखा है, तो मुझे सच में उम्मीद है कि आप इसे देखेंगे।

यह एक ऐसी फिल्म है जिस पर मुझे बहुत गर्व है, और यह मेरे साथ हमेशा रहेगी। आपको यह जहां भी मिले, इसे जरूर देखें। इसी के साथ स्टोरीज सेक्शन के दूसरी स्लाइड पर अभिनेता अनिल कपूर ने अक्षय खन्ना के साथ तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, आज अक्षय खन्ना को दर्शकों की तरफ से ढ़ेर सारे प्यार को देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।

मैंने हमेशा माना है कि वह हमारे सबसे अच्छे एक्टर्स में से एक हैं और फिल्म 'गांधी, माई फादर' में उन्होंने सच में कमाल की अदाकारी की थी। अगर किसी ने भी फिल्म देखी है, तो मुझे लगता है कि आप ठीक-ठीक समझ गए होंगे कि मैं कहना क्या चाहता हूं।

साल 2007 में फिरोज अब्बास खान के निर्देशन में बनी और अनिल कपूर द्वारा निर्मित फिल्म महात्मा गांधी और उनके सबसे बड़े बेटे हरिलाल गांधी के बीच के तनावपूर्ण और दर्दनाक रिश्तों पर आधारित थी। फिल्म में अक्षय के साथ, दर्शन जरीवाला, भूमिका चावला और शेफाली शाह भी अहम रोल में हैं।

फिल्म के जरिए निर्देशक ने महात्मा गांधी के महान व्यक्तित्व के साये में अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष कर रहे उनके बेटे हरिलाल की असफलताओं और दोनों के बीच की भावनात्मक दूरियों को दर्शाया है।

यह फिल्म महात्मा गांधीजी की महानता के बजाय एक आम इंसान और पिता के रूप में उनके पहलुओं को उजागर करती है। हरिलाल अपने पिता की विशाल छाया और उनके कठोर सिद्धांतों के बीच अपनी अलग पहचान बनाने के लिए संघर्ष करते दिखाई देते हैं। वैचारिक मतभेदों के कारण पिता-पुत्र के बीच बढ़ती दूरियों और हरिलाल के जीवन में आए त्रासद, शराब की लत व अकेलेपन को बेहद मार्मिक ढंग से दिखाया गया है।

तृषा कृष्णन पर कब-कब साधा गया निशाना, हुआ हंगामा

तमिलनाडु में कावेरी जल विवाद पर आयोजित रैली के दौरान डीएमके नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने ऐसा बयान दिया, जिस पर हंगामा हो रहा है। उन्होंने कथित तौर पर साउथ इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री तृषा पर यह टिप्पणी की थी। उनकी टिप्पणी को लेकर आलोचना हो रही है। यह पहली बार नहीं है, जब तृषा पर निशाना साधा गया हो। इससे पहले भी उन पर तमाम लोगों ने मर्यादा का उल्लंघन कर आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणी की हैं।

मंसूर अली खान के बयान पर हुआ था विवाद

साल 2023 में अभिनेता मंसूर अली खान ने फिल्म 'लिओ' की सफलता के बाद तृषा कृष्णन को लेकर एक आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणी की थी। इस पर महिला आयोग ने भी मंसूर अली खान के खिलाफ एक्शन लिया था। दरअसल, तृषा और मंसूर अली खान ने लोकेश कनगराज की फिल्म 'लियो' में साथ काम किया था। हालांकि, फिल्म में दोनों ने स्क्रीन स्पेस साझा नहीं किया था।

फिल्म के बाद मंसूर अली खान ने कहा था, 'जब मैंने सुना कि मैं तृषा के साथ काम कर रहा हूं, तो मैंने सोचा कि फिल्म में एक बेडरूम सीन होगा। लेकिन इन लोगों ने कश्मीर शेड्यूल के दौरान सेट पर तृषा को मुझे दिखाया भी नहीं'। इस टिप्पणी पर तृषा ने नाराजगी जाहिर करते हुए मंसूर के साथ कभी काम न करने की बात कही थी।

एवी राजू ने की थी टिप्पणी

इतना ही नहीं, फरवरी 2024 में तृषा कृष्णन पर एआईडीएमके के पूर्व नेता एवी राजू ने अभद्र टिप्पणी करते हुए एक आरोप लगाया था। राजनेता ने एक्ट्रेस की निजी जिंदगी पर बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसका अदाकारा ने पुरजोर विरोध किया था। तृषा ने सोशल मीडिया पोस्ट साझा कर उन्हें लताड़ लगाई थी और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की बात कही थी। कई और लोगों ने तृषा के पक्ष में आवाज उठाते हुए इस टिप्पणी की आलोचना की थी। बाद में एवी राजू ने माफी मांगी थी।

नैयनार नागेंद्रन ने की थी टिप्पणी

भाजपा नेता नैयनार नागेंद्रन की भी तृषा पर कुछ ऐसी ही टिप्पणी पर काफी हंगमाा हुआ था। फरवरी 2026 में नागेंद्रन ने अभिनेता विजय और तृषा के रिश्तों को लेकर एक अभद्र और राजनीतिक टिप्पणी की थी। उनके कमेंट पर तृषा ने तुरंत पलटवार करते हुए इसे कायरतापूर्ण बताया था।

आर. पार्थिवन ने की थी विवादित टिप्पणी

अभिनेता-निर्देशक आर. पार्थिवन ने भी एक कार्यक्रम के दौरान तृषा को लेकर एक विवादित बयान दिया था। आर. पार्थिवन ने मार्च 2026 में एक पुरस्कार समारोह के दौरान तृषा कृष्णन के 'पोन्नियिन सेल्वन' के किरदार 'कुंडावई' का संदर्भ देते हुए कहा था कि तृषा को कुछ समय के लिए घर पर बैठना चाहिए और बाहर नहीं आना चाहिए, क्योंकि इससे समस्याएं पैदा हो रही हैं। पार्थिवन की इस टिप्पणी पर तृषा ने आपत्ति जताई थी। बाद में पार्थिवन ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी थी। यह बयान विजय के साथ तृषा के एक सार्वजनिक कार्यक्रम में एक साथ नजर आने और उससे जुड़ी चर्चाओं के बीच आया था।

संदीपा धर ने शेयर किया वर्कआउट की झलक

मुंबई फिटनेस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए मशहूर अभिनेत्री संदीपा धर ने हाल ही में अपने फैंस को लेग-डे वर्कआउट की तैयारी की एक झलक दिखाई है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें उन्होंने अपने लेग-डे से पहले अपनाई जाने वाली एक प्रभावी वॉर्म-अप टेक्निक दिखाई है, जो उनके वर्कआउट रूटीन का अहम हिस्सा है। गौरतलब है कि लेग-डे वर्कआउट में ताकत, लचीलापन और सहनशक्ति की जरूरत होती है। ऐसे में सही वॉर्म-अप मसल्स को एक्टिव करने और शरीर को कठिन एक्सरसाइज के लिए तैयार करने में मदद करता है। संदीपा का यह फिटनेस-फर्स्ट अप्रोच उनकी अनुशासित और नियमित लाइफस्टाइल को दर्शाता है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो संदीपा धर जल्द ही नेटफ्लिक्स की ओरिजिनल सीरीज़ 'चुंबक' में नजर आनेवाली हैं। इस एंसेम्बल कॉमेडी सीरीज़ में उनके साथ नीना गुप्ता, अर्जुन बिजलानी, सुमीत व्यास, हेली शाह और कई अन्य कलाकार दिखाई देंगे।मुंबई के बैकग्राउंड पर आधारित यह सीरीज़ 28 अगस्त 2026 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। एक ओर जहां संदीपा अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर उत्साहित हैं, वहीं दूसरी ओर वह अपनी फिटनेस और वेलनेस को भी उतनी ही प्राथमिकता दे रही हैं। उनका यह संतुलन उनके प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ दोनों के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

डीपफेक बनाने वालों पर होगी कानूनी कार्रवाई

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने सोशल मीडिया के जरिए डीपफेक बनाने वालों को चेतावनी दी। उन्होंने अपने पोस्ट के जरिए उनके वीडियो और तस्वीरों को हटाने की चेतावनी दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने डीपफेक बनाने वालों को चेतावनी देते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाही की बात की। अभिनेत्री ने लिखा, मेरी तस्वीर या आवाज का इस्तेमाल करके डीपफेक वीडियो या फोटो बनाना और शेयर करना गैरकानूनी और गलत है। इस पोस्ट के जरिए मैं सभी को चेतावनी दे रही हूं, इसे तुरंत बंद कर दें। अगर मेरी पहचान का आगे कोई गलत इस्तेमाल हुआ, तो मैं कानूनी कार्रवाई करूंगी।

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर की बात करें, तो अब उनकी झोली में कई फिल्में लगी हुई हैं। अभिनेत्री साल की शुरुआत में रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'दो दीवाने सहर में' नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म मुंबई शहर में रहने वाले दो ऐसे लोगों की है जो आत्म-संदेह, सामाजिक दबाव और असुरक्षा से जूझते हुए प्यार और अपनापन पाते हैं। फिल्म ने बॉक्सऑफिस पर अच्छी कमाई की थी।

इसके बाद अभिनेत्री डेविड धवन की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ वरुण धवन और पूजा हेगड़े भी मुख्य भूमिकाओं में थे। अभिनेत्री अदिवी शेष के साथ एक्शन-ड्रामा फिल्म 'डकैत- एक प्रेम कथा' में नजर आई थी।

इस फिल्म का निर्देशन शनेल देव ने किया है। यह फिल्म प्यार, धोखे, और बदले की एक अनोखी कहानी है। इसमें हाई-स्टेक्स चोरी और जबरदस्त सस्पेंस देखने को मिलता है। फिल्म में मृणाल ठाकुर ने 'सरस्वती' नाम का किरदार निभाया है। उनका किरदार सिर्फ एक रोमांटिक लव-इंटरेस्ट तक सीमित नहीं है, बल्कि वह कहानी का मुख्य संघर्ष और ताकत का प्रतीक बनता है। आदिवी शेष मुख्य अभिनेता के रूप में नजर आए हैं, जबकि फिल्म में अनुराग कश्यप ने एक खतरनाक खलनायक/पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई है।

मृणाल ठाकुर

राजेश खन्ना व किशोर कुमार की ऐसी जोड़ी बनी कि रिकॉर्ड बना दिया

हिंदी सिनेमा में कुछ जोड़ियां ऐसी बनीं, जिन्हें लोग सिर्फ फिल्मों या गानों से नहीं, बल्कि एक खास एहसास के रूप में याद करते हैं। ऐसी ही एक जोड़ी थी, अभिनेता राजेश खन्ना और गायक किशोर कुमार की। पर्दे पर राजेश खन्ना की मुस्कान और किशोर कुमार की आवाज ने मिलकर ऐसा जादू चलाया कि कई गाने आज भी लोगों की जुबान पर हैं। इस मशहूर जोड़ी के पीछे एक दिलचस्प कहानी भी है। कहा जाता है कि किशोर कुमार किसी भी कलाकार के लिए गाना गाने से पहले उसे समझना चाहते थे और इसी वजह से उन्होंने राजेश खन्ना से मुलाकात कर उन्हें परखा था। यही रिश्ता बाद में हिंदी सिनेमा की सबसे सफल आवाज-अभिनेता जोड़ियों में शामिल हो गया। किशोर कुमार का जन्म 4 अगस्त 1929 को मध्य प्रदेश के खंडवा में हुआ था। उनका असली नाम आभास कुमार गांगुली था। उनके पिता कुंजलाल गांगुली वकील थे और परिवार का फिल्मी दुनिया से जुड़ाव उनके बड़े भाई अशोक कुमार के कारण हुआ। अशोक कुमार हिंदी सिनेमा के बड़े अभिनेता बन चुके थे, जिसके बाद किशोर कुमार भी मुंबई पहुंचे।

शुरुआत में किशोर कुमार का सपना बड़ा गायक बनने का नहीं था। उन्होंने फिल्मों में अभिनय भी किया, लेकिन धीरे-धीरे उन्हें एहसास हुआ कि संगीत ही उनकी असली पहचान है। शुरुआती दौर में वह महान गायक केएल सहगल से प्रभावित थे और उनकी तरह गाने की कोशिश करते थे, लेकिन बाद में उन्होंने अलग शैली बनाई। उनकी आवाज में मस्ती, दर्द और अलग अंदाज था, जिसने बाकी गायकों से अलग पहचान दिलाई।

किशोर कुमार के करियर में साल 1969 की फिल्म 'आराधना' एक बड़ा मोड़ लेकर आई। इस फिल्म के संगीत पर काम चल रहा था। संगीतकार एसडी बर्मन और निर्देशक शक्ति सामंत चाहते थे कि राजेश खन्ना के लिए किशोर कुमार आवाज दें। उस समय राजेश खन्ना नए कलाकार थे और किशोर कुमार किसी नए अभिनेता के लिए बिना उसे जाने गाना नहीं चाहते थे।

कहा जाता है कि किशोर कुमार ने साफ कहा कि वह पहले राजेश खन्ना से मिलना चाहते हैं। इसके बाद राजेश खन्ना को किशोर कुमार के घर भेजा गया। दोनों की मुलाकात हुई और किशोर कुमार ने उनसे बातचीत की। राजेश खन्ना के जवाब और उनके व्यक्तित्व से किशोर कुमार प्रभावित हुए। इसके बाद उन्होंने उनके लिए गाने की हामी भर दी।

फिल्म 'आराधना' के गाने 'मेरे सपनों की रानी' और 'रूप तेरा मस्ताना' जब रिलीज हुए तो पूरे देश में छा गए। इन गानों ने न सिर्फ किशोर कुमार को नई ऊंचाई दी, बल्कि राजेश खन्ना को भी सुपरस्टार बनाने में बड़ी भूमिका निभाई। इसके बाद दोनों की जोड़ी लगातार सफल होती गई।

राजेश खन्ना और किशोर कुमार की साझेदारी इतनी मजबूत हुई कि किशोर कुमार ने राजेश खन्ना पर फिल्माए गए करीब 245 गाने गाए। दोनों ने लगभग 92 फिल्मों में साथ काम किया। यह रिकॉर्ड हिंदी सिनेमा की सबसे यादगार गायक-अभिनेता जोड़ियों में गिना जाता है। राजेश खन्ना की रोमांटिक छवि और किशोर कुमार की आवाज ने मिलकर 'अमर प्रेम', 'कटी पतंग' और 'हाथी मेरे साथी' जैसी फिल्मों के गानों को अमर बना दिया।

किशोर कुमार ने अपने करियर में कई बड़े संगीतकारों के साथ काम किया। आरडी बर्मन, एसडी बर्मन, लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल और कई अन्य संगीतकारों के साथ उनकी जोड़ी खूब पसंद की गई। उन्होंने हिंदी के अलावा बंगाली, मराठी और कई दूसरी भाषाओं में भी गाने गाए। उनकी उपलब्धियों की बात करें तो किशोर कुमार ने आठ बार फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता। 13 अक्टूबर 1987 को दिल का दौरा पड़ने से किशोर कुमार का निधन हो गया।।

शादी के बाद पत्नी को अपने परिवार के बारे में बताएं ये जरूरी बातें

शादी के बाद लड़के और लड़की के जीवन में काफी बदलाव आ जाता है। एक लड़की शादी के बाद अपने परिवार और घर को छोड़ पति के घर में रहना शुरू करती है। लड़की को अपने पति के परिवार को अपनाना होता है। अपने घर से दूर ससुरालीजनों के साथ तालमेल बिठाना पड़ता है। एक लड़की के लिए अपने परिवार को छोड़ किसी दूसरे परिवार में एडजस्ट होना आसान नहीं होता। ससुराल के लोगों की पसंद, नापसंद और उनके व्यवहार से वह अनजान होती है। कई बार लड़कियां पति के ससुराल के करीब आ जाती हैं, तो वहीं कई बार नई दुल्हन को ससुरालवालों के साथ घुलने मिलने में दिक्कत आती है। एक महिला अपने पति के भरोसे ससुराल आती है, ऐसे में पति का फर्ज बनता है कि वह पत्नी को परिवार में आसानी से शामिल करने के लिए कुछ जरूरी काम करें। यहां पुरुषों के लिए टिप्स हैं जिसे अपनाकर वह शादी के बाद पत्नी के लिए ससुराल में रहना आसान बना सकते हैं।

पत्नी को बताएं परिवार के बारे में

हर पति को चाहिए कि वह शादी के बाद पत्नी को अपने परिवार के बारे में बताएं। पत्नी परिवार में घुल-मिल सके, इसके लिए अपने माता-पिता के स्वभाव, उनकी पसंद न पसंद की जानकारी दें। इससे दुल्हन के लिए परिवार को समझना आसान हो जाता है।

घर का रूटीन बताएं

पत्नी जब शादी के बाद पति के घर पर आती है तो उसे अपने परिवार से अलग बदला हुआ माहौल मिलता है। उसे पता नहीं होता कि ससुराल के सदस्यों का रहन-सहन कैसा है। हो सकता है कि अपने घर पर वह देर से उठती हो या ससुराल में सभी जल्दी उठने वालों में से हों। ऐसे में पति को पत्नी को घर के रूटीन के बारे में बताना चाहिए। सबके नाश्ते या लंच का समय क्या है, ये सब बताएं ताकि वह परिवार के समय के मुताबिक खुद को ढाल सके।

पत्नी की पसंद जानें

ससुराल के बारे में पत्नी को बताने के साथ ही पत्नी की पंसद और रहन-सहन को भी जानें। पति जब पत्नी के स्वभाव और रहन-सहन को समझ जाता है तो उसी के मुताबिक, परिवार से पत्नी का तालमेल बिठाने का प्रयास कर सकता है।

अपनापन

पति पत्नी और अपने परिवार के बीच की कड़ी होता है। पत्नी शादी के बाद ससुराल में एडजस्ट कर सके, इसके लिए पति को प्रयास करना चाहिए कि पत्नी ससुराल में अकेलापन महसूस न करें। अपने भाई-बहनों के साथ पत्नी की दोस्ती कराएं। कहीं बाहर साथ घूमने जाएं। जब पति के साथ ही ससुरालवालों के साथ लड़की घूमने जाती है तो वह उनके साथ घुल-मिल पाती है।

कम से कम तेल में पकौड़े बनाने के आसान टिप्स

स्नैक्स में पकौड़ों का चलन सबसे अधिक है। त्योहार हो या फिर बरसात व सर्दी का मौसम, हर मौके पर पकौड़े लजीज लगते हैं। पकौड़े बनाना झटपट का काम होता है, और कम सामग्री व कम समय में तैयार किया जा सकता है। होली के त्यौहार में कई दोस्त, रिश्तेदार या मेहमान घर पर आते हैं। उनके लिए गरमा गरम पकौड़े आसानी से परोसे जा सकते हैं। अगर अचानक से कोई स्नैक्स तैयार करना हो तो भी चाय के साथ आलू, प्याज, पनीर, पालक आदि कई तरह के पकौड़े बना सकते हैं। भले ही लोगों को पकौड़े खाना पसंद होता है लेकिन अधिक तेल के कारण लोग उसे रोज नहीं खा पाते। कई बार लोग पकौड़े खाना पसंद करते हैं लेकिन अधिक ऑयली न खाने के कारण उन्हें पकौड़ों से परहेज करना पड़ता है। लेकिन आप कम तेल के पकौड़े बनाकर इस समस्या से बच सकते हैं। हालांकि पकौड़े तली भुनी रेसिपी का हिस्सा है और तेल का उपयोग अमूमन जरूरी है। लेकिन पकौड़े बनाते

समय कुछ आसान तरीकों को अपनाकर कम तेल के पकौड़े तैयार कर सकते हैं। आइए जानते हैं कम तेल के पकौड़े बनाने के लिए टिप्स।

बेसन का बैटर

आप किसी भी सब्जी के पकौड़े बनाएं, एक चीज सभी में इस्तेमाल होती है, वह है बेसन। पकौड़े बनाने के लिए बेसन का बैटर तैयार किया जाता है। पकौड़े का सही बैटर न बनाने से पकौड़े खराब बनते हैं। पकौड़े के लिए बेसन का बैटर सही तरीके से तैयार किया हो। यह न तो बहुत अधिक गाढ़ा हो और न ही बहुत पतला हो। पकौड़े का बैटर बनाने के लिए बेसन में सभी जरूरी मसाले और पानी को एक साथ मिक्स करें। अपनी सब्जी को बैटर में डिप करके देखें कि उसकी कोट अच्छे से लग पा रही है या नहीं। बैटर में 3-4 बूंद तेल मिलाने से पकौड़े में अधिक तेल अब्जॉर्ब नहीं होगा।

पकोड़े फ्राई करने वाला बर्तन

पकोड़े में अधिक तेल होने की एक वजह उसे गलत बर्तन में तलना है। पकौड़े तलते समय ध्यान रखें कि जिस बर्तन का उपयोग आप कर रहे हैं उसका तल मोटा हो। इससे तेल के तापमान को स्थिर बनाए रखने में मदद मिलती है और पकौड़े अपेक्षाकृत कम तैलीय बनते हैं।

तलने के लिए तेल की मात्रा

जब पकौड़े तलने के लिए कड़ाही में डालते हैं तो अक्सर लोग गलती से कम या बहुत अधिक तेल रखते हैं। इस कारण पकौड़े अधिक तेल अब्जॉर्ब कर लेते हैं। पकौड़े को डीप फ्राई करते समय तेल खत्म होने लगता है, इस पर बचे हुए सभी पकौड़े एक साथ कढ़ाई में डाल देते हैं। जिससे पकौड़े आपस में चिपक जाते हैं और उनकी लेयर उतरने लगती है। इसी वजह से पकौड़े अधिक तेल सोख लेते हैं।

तेल सुखाएं

वहीं जब पकौड़े तल जाएं तो उन्हें कड़ाही से निकालते समय अच्छे से सुखाएं। बाद में जिस बर्तन में पकौड़े निकाल रहे हैं, उस पर पेपर नेपकिन बिछाएं, ताकि अतिरिक्त तेल कागज में निचुड़ जाए और पकौड़े कम तैलीय बनें।

ब्रेकअप के दर्द से हैं परेशान तो अपनाएं ये आसान तरीके

जब एक लड़का और लड़की प्यार में होते हैं तो उनके पास सारे जहां की खुशियां मौजूद होती हैं. लोग अपने पार्टनर के साथ खूब घूमते-फिरते हैं, मूवी आदि का प्लान बनाते रहते हैं. दोनों का प्यार परवान पर चढ़ गया होता है, लेकिन अचानक किसी बड़े कारण या अन्य किन्हीं वजहों से दोनों को अलग होना पड़ जाता है. रिलेशनशिप में रहते हुए धोखा, एक-दूसरे को इंग्नोर करना, अपने रिश्ते को टेकन फॉर ग्रांटेड लेना, एक-दूसरे को पर्याप्त समय ना देना या फिर आपसी अंडरस्टैंडिंग, बॉन्डिंग, लगाव, केमिस्ट्री की कमी आदि के कारण ब्रेकअप हो जाता है. ऐसी स्थिति में प्यार करने वाले बेहद दुःखी हो जाते हैं. कई लोग ब्रेकअप के कारण डिप्रेशन में चले जाते हैं. उन्हें पूरी दुनिया सूनी लगने लगती है. व्यक्ति अंदर तक टूट जाता है. ऐसी स्थिति में बेहद जरूरी है कि वो ये सब भूलकर जीवन में आगे बढ़े. आइए आज हम आपको ऐसे टिप्स बताते हैं, जो आपको ब्रेकअप से मूव ऑन करने में मदद करेंगे।

*** पुरानी यादों से दूरी बनाएं**

ब्रेकअप के बाद पुरानी हर तरह की यादों से दूरी बनाना जरूरी है. आपको अपने पास्ट के बारे में सोचना बंद कर देना चाहिए. अच्छी और बुरी सभी पुरानी यादें आपको हर समय की टेंशन से घेर सकती है. इसके लिए अपने पुराने रिश्ते से जुड़ी सभी छोटी से छोटी निशानियां को अलविदा कहें और आगे बढ़े. अपने कार्यों में फोकस करें।

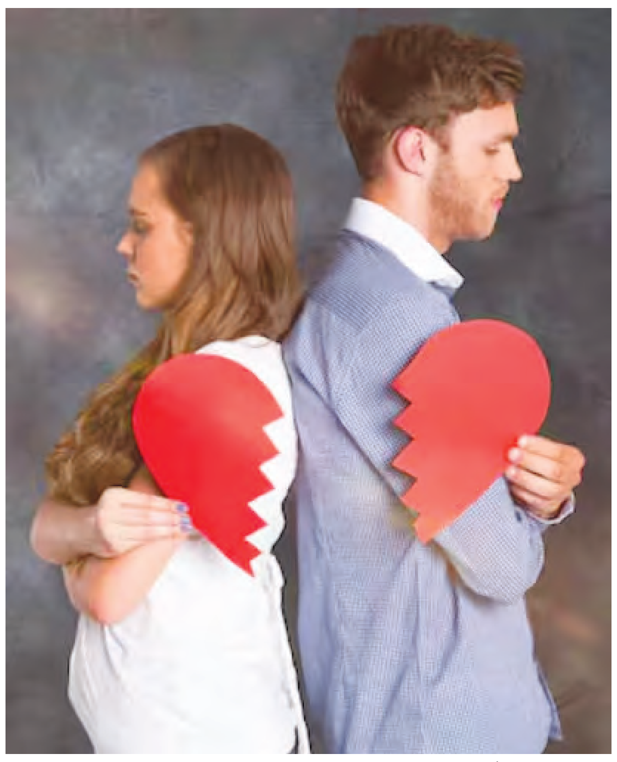

***दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएं**

ब्रेकअप के बाद मन में तरह-तरह के ख्याल आते हैं. इसलिए जरूरी है कि ब्रेकअप के बाद अकेले रहने से बचें. परिवार और करीबी दोस्तों के साथ समय बिताना ब्रेकअप के बाद टेंशन फ्री रहने का सबसे अच्छा तरीका होता है. ब्रेकअप के बाद अपनी सोच को पॉजिटिव रखें और परिवार के साथ अपने मन की बातें शेयर करें. ऐसा करने से आप बेहतर फील कर सकते हैं.

***हंसी-मजाक वाले TV शो देखें**

ब्रेकअप के बाद कुछ लोग खाना-पीना भी छोड़ देते हैं. ऐसी गलती ना करें. इससे आप शारीरिक रूप से कमजोर होंगे. ब्रेकअप के बाद जिंदगी में आगे बढ़ना है, तो पौष्टिक खाएं, अच्छी-अच्छी बातें सोचें. अपना मन लगाने के लिए फेवरेट काम करें. हॉबीज को पूरा करें. हंसाने वाले टीवी शोज देखें. इससे आपका मूंड हल्का होगा.

मन की बातें शेयर करें

अधिकतर लोग ब्रेकअप के बाद तनाव और डिप्रेशन की स्थिति में आ जाते हैं, क्योंकि वे अपने आपको अकेला समझने लगते हैं और अपने मन की बात किसी से नहीं कह पाते हैं. लेकिन ब्रेकअप के बाद टेंशन फ्री रहने के लिए अपनी भावनाओं को शेयर करना बहुत जरूरी है. इसलिए आपको मन में जो भी हो वो अपने दोस्तों और करीबियों से शेयर करें.

योग या एक्सरसाइज करें

ब्रेकअप से व्यक्ति मेंटली कमजोर करने के साथ-साथ थका देता है. ऐसे में मानसिक टेंशन को दूर करने के लिए आप योग और मेडिटेशन काफी कारगर उपाय है. ब्रेकअप के बाद टेंशन में बैठे रहने के बजाए योग और एक्सरसाइज से खुद को फिजिकली और मेंटली स्ट्रांग बना सकते हैं.

आसान टिप्स से बच्चा मोबाइल छोड़कर किताबों से दोस्ती करने लगेगा

आज के डिजिटल दौर में जहां बच्चों का अधिकतर समय मोबाइल, टीवी और वीडियो गेम में बीतता है, वहीं किताबों के प्रति उनकी रुचि कम होती जा रही है। ऐसे में लगभग हर माता-पिता की यही इच्छा होती है कि उनका बच्चा खुद से किताब उठाए, पढ़ने में आनंद महसूस करे और सीखने को केवल परीक्षा तक सीमित न समझे। हालांकि पढ़ने की आदत एक दिन में विकसित नहीं होती, बल्कि इसके लिए सही माहौल, नियमित अभ्यास और धैर्य की जरूरत होती है। यदि पढ़ाई को रोचक, व्यावहारिक और बच्चों की रुचि के अनुसार बनाया जाए, तो वे बिना किसी दबाव के सीखने लगते हैं और इसके लिए आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके अपनाने होंगे।

बेसिक कॉन्सेप्ट को मजबूत बनाएं

किसी भी विषय को समझने की शुरुआत उसकी मजबूत नींव से होती है।

यदि बच्चा शुरुआती अवधारणाओं को अच्छी तरह समझ लेता है, तो आगे की पढ़ाई उसके लिए आसान हो जाती है।

इसलिए बच्चों को केवल रटने के बजाय विषय को समझने के लिए प्रेरित करें।

कठिन बातों को सरल उदाहरणों, चित्रों और कहानियों के माध्यम से समझाएं।

साथ ही खेल, पहेलियां और क्विज जैसी गतिविधियों का सहारा लें।

जब सीखना मजेदार बनता है, तो बच्चा खुद ही किताबों की ओर आकर्षित होने लगता है।

पढ़ाई को रोजमर्रा की जिंदगी से जोड़ें

बच्चों को यह महसूस कराएं कि पढ़ाई सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि हर दिन की जिंदगी में उसका उपयोग होता है।

खाना बनाते समय सब्जियों और फलों की पहचान कराना, खरीदारी के दौरान गिनती और तुलना सिखाना, घड़ी देखकर समय समझाना या कैलेंडर पढ़ाना जैसी छोटी-छोटी गतिविधियां सीखने को आसान और रोचक बनाती हैं।

जब बच्चा पढ़ाई का वास्तविक जीवन से संबंध समझता है, तो उसकी रुचि अपने आप बढ़ने लगती है।

रोजाना पढ़ने की आदत डालें

पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए नियमित अभ्यास सबसे जरूरी है।

रोजाना 15 से 20 मिनट का एक निश्चित समय किताबों के लिए तय करें।

शुरुआत में छोटे-छोटे लक्ष्य रखें, जैसे प्रतिदिन एक पेज पढ़ना, एक नई कहानी जानना या एक नया शब्द सीखना।

धीरे-धीरे यह अभ्यास बच्चे की दिनचर्या का हिस्सा बन जाएगा।

नियमित पढ़ाई से न केवल उसकी समझ बेहतर होगी, बल्कि उसका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

गलतियों को सीखने का अवसर बनाएं

बच्चों से गलती होना बिल्कुल स्वाभाविक है।

ऐसे में उन्हें डांटने या डराने के बजाय उनकी गलतियों को सुधारने का मौका दें।

प्यार से समझाएं कि गलती करना सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है।

समय-समय पर छोटे टेस्ट, सवाल-जवाब या मजेदार गतिविधियों के जरिये उनकी समझ को परखें।

इससे बच्चों में आत्मविश्वास बना रहता है और वे बिना किसी डर के नई चीजें सीखने के लिए प्रेरित होते हैं।

घर में पढ़ने का सकारात्मक माहौल बनाएं

बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं।

यदि घर के बड़े भी किताबें, अखबार या पत्रिकाएं पढ़ते हैं, तो बच्चों पर उसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

घर में एक छोटा-सा रीडिंग कॉर्नर बनाएं, जहां रंग-बिरंगी किताबें, कहानी संग्रह और चित्र पुस्तकें रखी जाएं।

बच्चों के साथ बैठकर कहानी पढ़ें और उस पर चर्चा करें।

इससे पढ़ाई एक मजेदार पारिवारिक गतिविधि बन जाएगी और बच्चे स्वाभाविक रूप से किताबों के करीब आने लगेंगे।

प्राकृतिक चीजों से रिमूव करें मेकअप, मिनटों में हो जाएगा चेहरा क्लीन

फेस पर लगा मेकअप रिमूव करने के लिए लोग कई ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं. हालांकि, केमिकल युक्त ये चीजें स्किन को डैमेज कर सकती हैं. इससे त्वचा पर कई समस्याएं भी होने लगती हैं. आप कुछ नेचुरल चीजों की मदद से मेकअप रिमूव करने के साथ-साथ त्वचा पर ग्लो भी पा सकते हैं. आइए जानते हैं घर पर मेकअप रिमूव करने के नेचुरल तरीकों के बारे में.

कोकोनट ऑयल लगाएंः नारियल के तेल को त्वचा का बेस्ट मॉइश्चराइजिंग एजेंट माना जाता है. वहीं मेकअप रिमूव करने के लिए भी कोकोनट ऑयल का इस्तेमाल बेस्ट होता है.

इसके लिए कॉटन में नारियल का तेल लगाकर फेस पर रब करें और फिर चेहरे को साफ पानी से धो लें. इससे आपका मेकअप आसानी से छूट जाएगा।

एलोवेरा जेल ट्राई करेंः औषधीय तत्वों से भरपूर एलोवेरा कई स्किन प्रॉब्लम्स को दूर रखने में मददगार होता है. ऐसे में मेकअप हटाने के लिए आप एलोवेरा जेल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं. वहीं चेहरे पर एलोवेरा जेल लगाने से कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होता है।

कच्चे दूध से करें साफः कच्चे दूध का इस्तेमाल भी मेकअप हटाने का बेस्ट नुस्खा साबित हो सकता है. ऐसे में मेकअप रिमूव करने के लिए कटोरी में थोड़ा सा दूध ले लें. अब इसमें रूई भिगोकर चेहरे को साफ कर लें. इससे मेकअप पूरी तरह क्लीन हो जाएगा और चेहरे का मॉइश्चर भी बरकरार रहेगा।

खीरे की मदद लेंः खीरे की मदद से आप त्वचा को हाइड्रेट रख सकते हैं. वहीं मेकअप रिमूव करने के लिए आप खीरे के रस का इस्तेमाल कर सकते हैं. इसके लिए खीरे को घिसकर रस निकाल लें. अब इसमें कॉटन डिप करके चेहरे को क्लीन कर लें. इसके बाद फेस को साफ पानी से धोकर मॉइश्चराइजर अप्लाई करें. इससे आपका चेहरा नेचुरली ग्लो करने लगेगा।

शहद से हटाएं मेकअपः पोषक तत्वों से भरपूर शहद त्वचा का मॉइश्चर मेंटेन रखने में सहायक होता है. ऐसे में शहद का इस्तेमाल करके भी आप मेकअप रिमूव कर सकते हैं. वहीं शहद में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल तत्व आपको त्वचा की कई परेशानियों से भी छुटकारा दिला सकते हैं।

आमंड ऑयल ट्राई करेंः बादाम के तेल को विटामिन ई का अच्छा सोर्स माना जाता है. जिसे लगाने से त्वचा पर चमक आने लगती है. वहीं मेकअप हटाने के लिए भी बादाम के तेल का इस्तेमाल बेस्ट होता है. इसके लिए कॉटन पर 2-4 बूंद आमंड ऑयल लगाएं और इससे चेहरे को साफ कर लें. फिर साफ पानी से चेहरा धो लें. इससे आपका चेहरा मुलायम और निखरा नजर आएगा ।

लंबे समय तक नहीं टिक पाती लिपस्टिक तो ध्यान देने योग्य बातें

लिपस्टिक हर लड़की की जिंदगी का बहुत जरूरी हिस्सा है। अगर आप कहीं पार्टी में जा रहीं हैं, या ऑफिस जा रहीं हैं, तो सिर्फ लिपस्टिक लगाकर आप अपने लुक को कंप्लीट कर सकती हैं। लिपस्टिक से आपका लुक निखर के बाहर आ सकता है। पर, बहुत सी लड़कियों को ये शिकायत रहती है कि उनकी लिपस्टिक ज्यादा समय तक टिकती नहीं है। इसके पीछे कई वजह होती हैं। जैसे होठों का फटना या कुछ खाना-पीना लिपस्टिक को खराब कर देता है। इस परेशानी का सामना लगभग हर लड़की करती है।

ऐसे में हम आपको आज कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिसको अगर आप फॉलो करेंगी तो आपकी लिपस्टिक लंबे समय तक टिकेगी। यानि कि अगर आप रोजाना इन टिप्स को फॉलो करके ऑफिस जाएंगी तो आपकी लिपस्टिक लंबे समय तक टिकी रहेगी। तो आइए देर ना करते हुए आपको भी ये तरीके बताते हैं।

लिप्स को करें एक्सफोलिएट

लिपस्टिक लगाने से पहले होठों को एक्सफोलिएट जरूर करें। इसका मतलब होता है होठों की पपड़ी हटाना। होंठ काफी संवेदनशील होते हैं। इसलिए इसे अच्छे क्वालिटी के स्क्रब से साफ करें। बाजार में कई तरीके के स्क्रब आसानी से मिल जाते हैं। होठों को एक्सफोलिएट करने के बाद मॉइस्चराइज जरूर करें।

कंसीलर को बनाएं लिप प्राइमर

लिपस्टिक लगाने के पहले कंसीलर का इस्तेमाल लिप प्राइमर की तरह करें। अपने होठों पर कंसीलर लगाने के लिए सबसे पहले इसकी आउटलाइन बनाएं और फिर होठों पर थपथपाएं।

ब्रश से लगाएं लिपस्टिक

अगर आप ब्रश से लिपस्टिक लगाते हैं तो ये ज्यादा समय तक टिकी रहती है। लिपस्टिक लगाने के लिए सबसे पहले ऊपर और नीचे के होठों के बीच में इसे लगाएं। इसके बाद किनारों से शुरू करते हुए और धीरे-धीरे बीच में आते हुए अपने निचले होठों में फिलिंग करें। ठीक इसी तरह अपने ऊपर के होठों के साथ भी ऐसा करें।

इसके बाद अपनाएं पफ एंड टिश्यू ट्रिक

जब लिपस्टिक लगा लें तो इसके बाद एक टिश्यू लें और इसे होठों के बीच कसकर दबाएं। इससे एक्सट्रा लिपस्टिक साफ हो जाएगी।

सबसे लास्ट में करें पेंसिल लाइनर का इस्तेमाल

लिपस्टिक लगाने के बाद सबसे लास्ट में पेंसिल लाइनर का इस्तेमाल करें। इसके लिए कोशिश करें कि न्यूड शेड का लाइनर इस्तेमाल करें। ताकि होंठ की शेप अलग से दिखाई दे।

ऑटो सेक्टर की होगी बल्ले-बल्ले!

सरकार ने बनाया 4,000 करोड़ का प्लान

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग इस समय एक बड़े तकनीकी और संरचनात्मक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग और एडवांस्ड ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी के विस्तार के बीच केंद्र सरकार की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजना अब अपने सबसे प्रभावी चरण में पहुंच रही है। वित्त वर्ष 2026-27 में ऑटो पीएलआई योजना के तहत इंसेंटिव डिस्बर्समेंट (प्रोत्साहन राशि का भुगतान) 4,000 करोड़ के आंकड़े को छूने का अनुमान है।

शुरुआती वर्षों में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने और भारी पूंजी निवेश के बाद अब ऑटो कंपनियां और कंपोनेंट मेकर्स बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू कर चुके हैं, जिसका सीधा फायदा अब इंसेंटिव पेआउट के रूप में दिखने लगा है। आखिर ऑटो पीएलआई के तहत इंसेंटिव भुगतान में यह उछाल क्यों आ रहा है? इससे मेक इन इंडिया, इलेक्ट्रिक व्हीकल मार्केट और आम भारतीय ग्राहकों पर क्या असर पड़ेगा?

बांटे जाएंगे 4 हजार करोड़

सरकार को उम्मीद है कि इस फाइनेंशियल ईयर में ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स के लिए प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम के तहत लगभग 4,000 करोड़ रुपए बांटे जाएंगे। ये इंसेंटिव उन योग्य कंपनियों को दिए जाएंगे जो वित्त वर्ष 2026 में अतिरिक्त बिक्री (इंक्रीमेंटल सेल्स) हासिल करेंगी। अधिकारियों ने बताया कि बजाज ऑटो को इस फाइनेंशियल ईयर में स्कीम के तहत पहले ही लगभग 750 करोड़ रुपए मिल चुके हैं। पिछले हफ्ते ही इन दावों का निपटारा किया गया। एक सीनियर अधिकारी ने ईटी की रिपोर्ट में कहा कि बजाज ऑटो इस फाइनेंशियल ईयर में दावा करने और इंसेंटिव पाने वाली पहली कंपनी है। उन्होंने आगे कहा कि ये इंसेंटिव कंपनी द्वारा हासिल की गई लगभग 6,000 करोड़ रुपए की अतिरिक्त बिक्री के लिए दिए जा रहे हैं।

5,939.87 करोड़ रुपए का प्रावधान

अगस्त 2024 के एक बयान में, पुणे की इस कंपनी ने कहा कि उसे ऑटो-पीएलआई के तहत 13 वाहनों के लिए मंजूरी मिली है। इसमें दो-पहिया और तीन-पहिया दोनों तरह के वाहन शामिल थे, और बजाज ऑटो ने दावा किया कि उसने स्कीम के डॉमेस्टिक वैल्यू एडिशन को पूरा किया है। वित्त वर्ष 2027 के बजट में 5,939.87 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जो पिछले फाइनेंशियल ईयर के 2,091.26 करोड़ रुपए से लगभग तीन गुना ज्यादा है। इस स्कीम को सितंबर 2021 में 25,938 करोड़ के बजट आवंटन के साथ मंजूरी दी गई थी।

2023-24 से अतिरिक्त उत्पादन, निवेश और डीवीए लक्ष्यों को पूरा करने जैसी शर्तों के आधार पर इंसेंटिव दिए जाने थे। पिछले दिसंबर में, भारी उद्योग मंत्रालय ने अनुमान लगाया था कि ऑटो-पीएलआई स्कीम के लाभार्थियों ने 32,879 करोड़ रुपए की सेल हासिल की है। संसद में एक सवाल का जवाब देते हुए, भारी उद्योग राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा ने कहा कि पांच आवेदकों को 1,350.83 करोड़ रुपए बांटे गए।

ट्रंप पर शक और ब्लॉक हो गए उनके बैंक खाते, क्यों हुआ एक्शन?

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। हालांकि, इस बार वजह ईरान से जंग या किसी देश में टैरिफ लगाने के उनके फैसले नहीं है, बल्कि मामला इन सबसे कुछ हटकर है। दरअसल, अमेरिकी बैंक कैपिटल बैंक ने 2021 में ट्रंप और ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन से जुड़े 300 से अधिक बैंक अकाउंट्स बंद कर दिए थे लेकिन ऐसा तब किया, जब उसे इन अकाउंट्स में संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों का पता चला।

इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ, जब किसी बड़े अमेरिकी बैंक ने अदालत में माना कि उसने ट्रंप और उसके फैमिली बिजनेस से जुड़े बैंक अकाउंट्स को मनी लॉन्ड्रिंग की चिंताओं के बाद बंद कर दिए है।

ट्रंप ने क्या दी सफाई?

हालांकि, ट्रंप भी कहां चुप रहने वालों में से हैं? दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप और उनके बेटे एरिक ने फ्लोरिडा की संघीय अदालत में कैपिटल वन के खिलाफ केस दर्ज कराया। ट्रंप ने आरोप लगाया कि 6 जनवरी को यूएस कैपिटल पर हुए हमलों के बाद, कैपिटल वन ने राजनीतिक कारणों से उनके अकाउंट्स गैर-कानूनी तरीके से बंद कर दिए थे। इधर, बैंक ने कोर्ट में जमा किए गए दस्तावेजों में कहा कि अकाउंट्स बंद करने का फैसला कैपिटल वन की एएमएल टीम द्वारा महीनों के एनालिसिस और सावधानीपूर्वक समीक्षा के बाद लिया गया और इसमें बैंक की पॉलिसी और रेगुलेटरी गाइडेंस का पूरी तरह से पालन किया गया।

ट्रंप पर कोई सीधा आरोपा नहीं

बैंक ने यह भी कहा कि ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन पर मनी लॉन्ड्रिंग का कोई सीधा-सीधा आरोप नहीं लगाया जा रहा है, बल्कि सिर्फ संदिग्ध जोखिमों के आधार पर खाते बंद कर दिए गए हैं। इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। बता दें कि ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन राष्ट्रपति ट्रंप और उनके परिवार के मालिकाना हक वाली एक प्राइवेट ग्लोबल होल्डिंग कंपनी है। यह कंपनी लग्जरी रियल एस्टेट, गोल्फ कोर्स और रिजॉर्ट्स के बिजनेस से जुड़ी हुई है।

शेयर बाजार में गिरावट; सेंसेक्स 210 अंक लुढ़का, निफ्टी 159.40 अंक टूटा

मुंबई, 4 अगस्त (एजेंसियां)। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। शुरुआती बढ़त को गंवाते हुए, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 210.08 अंक या 0.27 प्रतिशत गिरकर 78,428.95 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, बेंचमार्क ने 79,143.15 का उच्च और 78,211.87 का निम्न स्तर छुआ, जिसमें 931.28 अंकों का उतार-चढ़ाव आया। दिनभर गिरावट के दायरे में कारोबार करने के बाद, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 159.40 अंक या 0.64 प्रतिशत गिरकर 24,614.90 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 346.35 अंक या 1.39 प्रतिशत की मामूली गिरावट आई और यह 24,427.95 के निचले स्तर पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 2 पैसे कमजोर हुआ, यह 95.39 रुपये (अस्थायी) पर बंद हुआ।

क्या है विशेषज्ञों की राय?

रिसर्च एनालिस्ट फर्म एनएसटी वेल्थ के संस्थापक और सीईओ हरिसेल्वन राधाकृष्णन ने कहा कि एफ एंड ओ शेयरों के लिए क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) की शुरुआत ने बेंचमार्क इंडेक्स में अस्थिरता की एक नई परत जोड़ दी है, और मंगलवार के कारोबार में संशोधित बाजार संरचना के लिए शुरुआती समायोजन झलक रहा है। सोमवार को नीलामी के बाद कई प्रमुख इंडेक्स शेयरों के समापन मूल्यों में उछाल आया, जिसके बाद निवेशकों ने आज के सत्र का अधिकांश समय अपनी पोजीशन को फिर से समायोजित करने में बिताया क्योंकि कीमतें निरंतर कारोबार के दौरान स्थापित स्तरों की ओर वापस लौट रही थीं। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप हुआ समायोजन सेंसेक्स की तुलना में निफ्टी में अधिक स्पष्ट रहा है, क्योंकि नई नीलामी प्रणाली से सबसे अधिक प्रभावित शेयरों में अपेक्षाकृत अधिक मुनाफावसूली देखी गई। राधाकृष्णन ने आगे कहा कि यह अंतर अंतर्निहित मूलभूत सिद्धांतों में किसी महत्वपूर्ण बदलाव के बजाय बाजार की कार्यप्रणाली को दर्शाता प्रतीत होता है। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि मंगलवार को साप्ताहिक समाप्ति, साथ ही एफ एंड ओ क्लोजिंग कीमतों को निर्धारित करने के लिए नई व्यवस्था के लागू होने से बाजार के रुझानों में विकृति आई है।

क्या रहा सेंसेक्स की कंपनियों का हाल?

सेंसेक्स पैक में, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंटरग्लोब एविएशन और टेक महिंद्रा पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल थे।

डाबर पर सरकार का सख्त एक्शन, शहद और घी समेत कई आइटम्स पर बैन, तुरंत बिक्री रोकने का निर्देश

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने डाबर इंडिया पर सख्त कार्रवाई की है। फूड रेगुलेटर ने कंपनी की तत्काल उन फूड प्रोडक्ट्स की बिक्री रोकने का निर्देश दिया है जिन पर शत प्रतिशत यानी 100% शुद्ध होने के दावे किए गए हैं। इनमें ऑर्गेनिक एप्पल साइडर विनेगर, ऑर्गेनिक शहद, होममेड नारियल का दूध, तिल का तेल और गाय का घी शामिल हैं।

कंपनी को 15 दिन के भीतर एक्शन टेकन रिपोर्ट देने को कहा गया है। एफएसएसएआई का कहना है कि डाबर के 100 फीसदी के दावे फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (एडवरटाइजिंग एंड क्लेम्स) रेगुलेशंस, 2018 का उल्लंघन करते हैं। इसकी वजह यह है कि ये दावे अस्पष्ट हैं। इनकी पुष्टि नहीं की जा सकती और इनसे ग्राहकों के गुमराह होने की संभावना है। रेगुलेटर ने यह भी बताया कि कंपनी को पहले भी ऐसे दावों को बंद करने के निर्देश देते हुए नोटिस जारी किए गए थे।

एक्शन टेकन रिपोर्ट जमा करने का आदेश

एक इंस्टाग्राम पोस्ट में एफएसएसएआई ने कहा कि उसने डाबर को निर्देश दिया है कि वह 100% भ्रामक दावों वाले सभी फूड प्रोडक्ट्स की बिक्री पर तुरंत रोक लगाए और 15 दिनों के भीतर एक्शन टेकन रिपोर्ट जमा करे। रेगुलेटर ने बताया कि डाबर ने अपनी वेबसाइट पर लिस्टेड प्रोडक्ट्स पर 100% नेचुरल, 100% प्योर, 100% प्योरिटी गारंटीड, 100% ऑर्गेनिक और 100% टेंडर कोकोनट वॉटर जैसे दावे किए गए थे। एफएसएसएआई ने यह भी आरोप लगाया कि डाबर हिमालयन ऑर्गेनिक एप्पल साइडर विनेगर और डाबर ऑर्गेनिक शहद पर जैविक भारत लोगो का इस्तेमाल किया गया, जो फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (ऑर्गेनिक फूड्स) रेगुलेशंस, 2017 का उल्लंघन है। रेगुलेटर ने कहा कि ये उल्लंघन भ्रामक विज्ञापन दावों और ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन के अनधिकृत इस्तेमाल से जुड़े हैं।

चांदी 1,348 बढ़कर 2.19 लाख पर पहुंची

10 ग्राम सोना 309 महंगा होकर 1.43 लाख का हुआ, इस साल 10 हजार महंगा हो चुका

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 4 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी की कीमत 1,348 रुपए बढ़कर 2.19 लाख रुपए पर पहुंच गई है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोना का दाम 309 रुपए बढ़कर 1.43 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

इस साल सोने में अब तक तेजी रही

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 10 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.43 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी की कीमत में 11 हजार रुपए की गिरावट है।

चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.19 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

सोना इस साल 1.60 लाख तक जा सकता है

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर सकते हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए। अजय केडिया के अनुसार साल के आखिर तक सोना एक बार फिर 1.60 लाख और चांदी 2.80 लाख रुपए तक जा सकती है।

त्योहारों से पहले बढ़ी महंगाई : चीनी-चावल की कीमत 5% से अधिक बढ़ी

कमजोर मानसून और जमाखोरी के अलावा क्या कारण?

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। कमजोर मानसून, वैश्विक संकट और जमाखोरी के बीच त्योहारी सीजन की शुरुआत के साथ ही महंगाई बढ़ रही है। एक माह में चीनी और चावल के दाम पांच फीसदी तक बढ़ गए हैं। उपभोक्ता मामलों के विभाग के मुताबिक, देशभर के बाजारों में चीनी की थोक कीमतें बीते एक महीने में 5 फीसदी से ज्यादा बढ़कर औसतन 4,593 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई हैं। एक साल में दाम 7.64 फीसदी बढ़े हैं।

वहीं, खुदरा बाजार में कीमत एक महीने पहले के 47.11 रुपये से बढ़कर 3 अगस्त, 2026 को 49.53 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई।

उधर, चावल की अखिल भारतीय औसत दैनिक खुदरा कीमत मासिक आधार पर 2.27 फीसदी बढ़कर 3 अगस्त को 45.13 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई। एक महीने पहले चावल की खुदरा कीमत 44.13 रुपये प्रति किलोग्राम थी। दक्षिण भारत के राज्यों, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और केरल में चावल की कीमत में प्रति किलोग्राम 10 से 15 फीसदी तक की वृद्धि हुई है। इससे न सिर्फ घरेलू बजट बिगड़ रहा है, बल्कि मासिक राशन का बिल भी बढ़ गया है।

50 फीसदी तक महंगा हो सकता है चावल

प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय के एक नीति पत्र ने चेतावनी दी है कि अगर अल-नीनो के कारण चावल उत्पादन में होने वाले नुकसान के साथ देश एहतियातन स्टॉक जमा करने लगे तो वैश्विक बाजार में दाम 30-50 फीसदी तक बढ़ेंगे

वैश्विक अनिश्चितताओं, उर्वरक-ऊर्जा की बढ़ती लागत और एशिया के प्रमुख चावल उत्पादक क्षेत्रों पर अल-नीनो के खतरे ने मिलकर कीमतों में भारी उछाल का जोखिम पैदा कर दिया है।

क्यों बढ़ रहे हैं दाम?

चीनी की कीमतों में तेजी की वजह उत्पादक राज्यों महाराष्ट्र एवं कर्नाटक में पुराने स्टॉक का खत्म होना और इथेनॉल डायवर्जन है। क्षेत्रीय स्तर पर आपूर्ति के इस असंतुलन का फायदा उठाकर सट्टेबाजों ने कीमतें बढ़ा दी हैं। इसका असर आगामी त्योहारी सीजन में मिठाइयों, बेकरी और प्रोसेस्ड फूड इंडस्ट्री पर पड़ेगा। चावल की मूल्य वृद्धि का मुख्य कारण अल-नीनो से जुड़ी गंभीर मौसमी स्थितियां, बारिश की कमी और जमाखोरी है। जमाखोरी से खुले बाजार में आपूर्ति कृत्रिम रूप से कम हो गई है एवं दाम और अधिक बढ़ गए हैं।

तांबा...वैश्विक बाजार में रिकॉर्ड ऊंचाई पर

लंदन मेटल एक्सचेंज पर तांबे का तीन महीने का वायदा अनुबंध चढ़कर 13,842 डॉलर प्रति टन की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है।

वैश्विक उत्पादन में 20 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी वाले देश चिली में अचानक बाढ़, शीतकालीन तूफानों और भारी बर्फबारी के कारण प्रमुख खदानों में कामकाज ठप हो गया है।

इसके अलावा, डाटा सेंटरों और पावर ग्रिड इन्फ्रा से भारी मांग ने दाम और बढ़ाने का काम किया है। इससे आने वाले दिनों में इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, वाहन और घरेलू उपकरण महंगे हो सकते हैं।

अनिल अग्रवाल का बड़ा धमाका, फिर नई कंपनी बनाएगी वेदांता,2200 एकड़ जमीन वाला रियल एस्टेट बिजनेस होगा अलग

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। मेटल और माइनिंग सेक्टर की दिग्गज कंपनी वेदांता लिमिटेड अपने बड़े पांच डीमर्जर के बाद अब एक और कारोबार को अलग करने जा रही है। अनिल अग्रवाल के नेतृत्व वाली कंपनी ने अपने रियल एस्टेट बिजनेस को अलग कर वेदांता प्रॉपर्टी प्लेटफॉर्म्स नाम की नई कंपनी बनाने का ऐलान किया है। यह एक प्योर-प्ले रियल एस्टेट कंपनी होगी, जिसके शेयर बाद में शेयर बाजार में लिस्ट किए जाएंगे। रियल एस्टेट बिजनेस का डीमर्जर स्कीम ऑफ अरेंजमेंट के तहत किया जाएगा। इसके लिए वैधानिक और नियामकीय मंजूरियां जरूरी होंगी।

शेयरधारकों को क्या मिलेगा?

प्रस्तावित वर्टिकल स्प्लिट के तहत वेदांता के शेयरधारकों को कंपनी में रखे हर 20 शेयर के बदले नई कंपनी का 1 पूरी तरह पेड-अप इक्विटी शेयर मिलेगा।इस नई कंपनी को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर अलग से लिस्ट कराया जाएगा।इसके लिए रिकॉर्ड डेट की घोषणा होना अभी बाकी है। केवल वही निवेशक पात्र होंगे जिनके पास रिकॉर्ड डेट के दिन वेदांत के शेयर उनके डिमैट खाते में मौजूद होंगे। वेदांता का यह रियल एस्टेट कारोबार वर्तमान में इसके प्रमुख धातु कारोबार के अंदर एकीकृत था। डीमर्जर के बाद कई संपत्तियां इसमें शामिल होंगी।लगभग 2200 एकड़ औद्योगिक भूमि और 55,000 वर्ग फुट की आवासीय व वाणिज्यिक संपत्तियां इसमें शामिल होंगी। भारत भर में 22 प्रमुख एसेट्स (फ्लैट, इमारतें, बंगले और भूखंड) जो महाराष्ट्र, गोवा, तमिलनाडु, गुजरात और कर्नाटक में फैले हुए हैं।वित्त वर्ष 2026 में इस डीमर्ज हो रही इकाई का परिचालन राजस्व 1.26 करोड़ रुपये रहा है।डीमर्जर के बाद वेदांता का कारोबार और ज्यादा केंद्रित हो जाएगा। इससे कंपनी का वैल्यूएशन समझना आसान हो सकता है और निवेशकों को अलग-अलग बिजनेस की स्वतंत्र वैल्यू देखने का मौका मिल सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक निवेशकों को कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। डीमर्जर की प्रक्रिया में करीब दो साल का समय लग सकता है।मंगलवार को वेदांता के शेयर में तेजी आई। बीएसई पर यह शेयर करीब 2 फीसदी की तेजी के साथ 270 रुपये पर बंद हुआ। एक दिन पहले यानी सोमवार को भी इसमें तेजी देखी गई थी। कंपनी का मौजूदा मार्केट कैप 1,05,580.48 करोड़ रुपये है।

जड़ी-बूटी दिवस के रूप में मनाया गया आचार्य बालकृष्ण का जन्मदिवस

हरिद्वार, 4 अगस्त (एजेंसियां)। पतंजलि योगपीठ के महामंत्री एवं पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण का जन्मदिवस पतंजलि वैलनेस, पतंजलि योगपीठ-2 के योगभवन सभागार में जड़ी-बूटी दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर हजारों लोगों ने रक्तदान शिविर, निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर, निःशुल्क औषधि वितरण का लाभ उठाया।

कार्यक्रम में स्वामी रामदेव ने आचार्य को जन्मदिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि योग, आयुर्वेद, स्वदेशी, सनातन जीवन पद्धति जो सार्वभौमिक, वैज्ञानिक सर्वहितकारी है, ये लोगों की जीवन पद्धति बने। हम आश्वस्त हैं कि योग, आयुर्वेद स्वस्थ लोगों की जीवन पद्धति बनेगा। रोगियों के लिए एक विश्व चिकित्सा पद्धति के रूप में स्थापित होगा और योग-आयुर्वेद-नेचुरोपैथी विश्व चिकित्सा पद्धति के रूप में प्रतिष्ठापित होंगी।

स्वामी जी ने कहा कि देश के हजारों-लाखों स्कूलों को हम भारतीय शिक्षा बोर्ड से जोड़ेंगे। अपने पूर्वजों की महान विरासत को विज्ञान के साथ जोड़कर, अपने अनुभवों को अनुसंधान के साथ जोड़कर, दृष्टि, दक्षता, शोध, बोध, हमारे प्राचीन ऋषियों की आइडियोलॉजी और आधुनिक नवाचार के साथ टेक्नोलॉजी का समावेश करके पतंजलि आगे बढ़ रहा है।

आचार्य जी ने कहा कि प्रकृति से हम हैं, हमारी संस्कृति है। संस्कृति को बचाने के लिए यदि प्रकृति को बचाना आवश्यक है। इसके लिए यदि जड़ी-बूटी दिवस एक बहाना है, तो सभी इसका लाभ उठाएँ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देशवासियों से आह्वान किया था कि एक पौधा माँ के नाम से अवश्य लगाएँ। पतंजलि उस अभियान को पिछले तीन दशकों से चला रहा है। प्रसन्नता की बात है कि सरकार के स्तर से भी अब इस तरह के प्रयास हो रहे हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 05-56
सूर्यास्त. 18-48
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - श्रावण कृष्ण पक्ष बुधवार 05 August 2026
तिथि - सप्तमी 20-42 तक उपरान्त अष्टमी
नक्षत्र - अश्विनी 21-18 तक उप भरणी
योग - शूल 17-28 तक उप गण्ड
करण - विष्टी (भद्रा) 09-26 तक उप बव
विशेष:भद्रा 09-27 तक,अश्विनी शांति कर्क मे बुध 19-54 से

गृह स्थिति		
सूर्य	कर्क	मे
चंद्र	मेष	मे
मंगल	वृष	मे
बुध	मिथुन	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	सिंह	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
कर्क----	04-34 बजे
सिंह----	06-50 बजे
कन्या--	08-56 बजे
तुला-----	11-02 बजे
वृश्चिक--	13-12 बजे
धनु-----	15-26 बजे
मकर--	17-32 बजे
कुंभ----	19-22 बजे
मीन----	21-00 बजे
मेष-----	22-36 बजे
वृष------	00-22 बजे
मिथुन--	02-22 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
12-22 से 13-58 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

दिन का चौघड़िया		
लाभ	05-56 - 07-34	शुभ
अमृत	07-34 - 09-10	शुभ
काल	09-10 - 10-46	अशुभ
शुभ	10-46 - 12-22	शुभ
रोग	12-22 - 13-58	अशुभ
उत्पात	13-58 - 15-34	अशुभ
चंचल	15-34 - 17-10	शुभ
लाभ	17-10 - 18-48	शुभ

रात का चौघड़िया		
उत्पात	18-48 - 20-10	अशुभ
शुभ	20-10 - 21-34	शुभ
अमृत	21-34 - 22-58	शुभ
चंचल	22-58 - 00-22	शुभ
रोग	00-22 - 01-46	अशुभ
काल	01-46 - 03-10	अशुभ
लाभ	03-10 - 04-34	शुभ
उत्पात	04-34 - 05-56	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला,ली, लू , ले, लो, अ,)
आपके दिमाग में आज कोई अद्भुत विचार आएगा और आपको इसे हाथोहाथ केवल इसीलिए रद्द नही क्र देना चाहिए क्योंकि आपको इसका हो पाना मुश्किल लग रहा है ।आज बड़ा सोचने और ऊँचाइयों को छूने का दिन है ।ऐसा करने के लिए आपको बाधाओं की सूची बनाकर अच्छी योजना बनानी अहि और आप पायेंगे कि परेशानियों से खुद-ब-खुद समाधान नजर आने लगेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
ग्रहों की स्थिति आपके पक्ष में है,दिन की शुरुआत अच्छी होगी ,विशेषत दोपहर से पहले ।अपने ऑफिस सम्बन्धी कामों की योजना अगर हो सके तो दोपहर से पहले ही बनाएं,सफलता की सम्भावना अधिक है ।शाम को या तो कुछ न करें या कोई हल्का –फुल्का काम करें ।कोई अप्रत्याशित व्यक्ति आपसे मिलने आ सकता है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
भाग्य आपकी वित्तीय स्थिति पर मुस्कुरा रहा है और अधिक कमाई के कारण आप के खर्चे भी बढ़ गए हैं।अब समय आ गया है की आप अपने खर्च पर नियंत्रण रखें ।अब फिजूलखर्ची से बचना होगा ।आपके परिजन या किसी करीबी के साथ ऐसा कुछ होगा कि आपके भीतर भी उससे अशांति आएगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपके सामने इन दिनों कुछ नई चीजें आई हैं ।अपने सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहें ।पूछे गये प्रश्नों का जवाब दें ।आपको अभी और भी प्रयास करने हैं और इससे आपकी तरक्की की मजबूत नींव पड़ेगी ।इन सबके बीच खुद को तरोताजा करना और खुश रखना न भूलें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आपके हर एक काम में आत्मविश्वास की झलक दिखेगी ।कुछ समय पहले तक बहुत मुश्किल दिखने वाली बाधाएं आज आसानी से पार हो जाएंगी ।आपकी संवाद कुशलता अब पहले से बेहतर है और आप लोगों को इसके चलते विश्वास में लेकर अपनी बात समझा पायेंगे ।दिन किसी मुश्किल परियोजना पर काम करने के लिए भी उपयुक्त है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आपको दूसरों पर विश्वास करना होगा ।यह आपका कोई करीबी या कोई दोस्त हो सकता है और वः आपकी किसी ऐसे विशेष काम में मदद करेगा जिससे आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा ।लेकिन इसके लिए सबसे जरुरी यह होगा की आप उस व्यक्ति में विश्वास बनाये रखें ।आपको अपनी ही तरफ से विश्वास की पहल करनी होगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आप अनुभव करेंगे कि आप सामान्य से कुछ अधिक बोल रहे हैं ।आप पिछले कुछ समय से चालाकी भरा व्यवहार कर रहे हैं लेकिन आज आप इससे खुद ही परेशानी अनुभव करेंगे ।आज आप वह सच्चाई नही उगलना चाहते जो शायद कईयों को अच्छी नही लगेगी ।आज के लिए किसी एकान्त कार्यकलाप की योजना बनाएं ,क्योंकि आज आप शायद दूसरों को अच्छा लगने वाला व्यवहार ना कर पायें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, नें,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आपके भावनाओं में बहने की उम्मीद थोड़ी ज्यादा है ।किसी छोटी सी बात पर भी आप उदास हो जायेंगे या पुराने बेहतर समय को याद करने लगेंगे ।किसी पुराने दोस्त से संपर्क साधने की कोशिश कर सकते हैं । आज आप अपनी वर्त्तमान समस्या को सुलझाने के लिए कोई संतोषजनक समाधान खोजने या किसी की तरफ दोस्ती का हाथ बढाने के मूड में हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है ।आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है ।लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है ।

मकर (भो, ज , जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपका सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सकारात्मक कदम उठाने के लिए ही प्रेरित करेगा ।इससे आपको भविष्य में बहुत लाभ मिलेगा ।अगर कोई आपसे उलझने की कोशिश करता भी है तो आप शांति बनाये रखें और दृढ़ता से अपनी बात सामने रखें ।आज आपकी धार्मिक तथा रहस्य विज्ञान के कार्यों में रूचि बनेगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आज आप किसी के अहसान का बदला उतारने की दिशा में पहला कदम उठाएंगे ।यह कदम मानसिक ,वित्तीय या आध्यात्मिक हो सकता है लेकिन इसका अर्थ यह नही है कि आप आज अपने सारे अहसान उतार पायेंगे लेकिन आपको कम से कम यह संतुष्टि जरूर होगी कि आप ऐसा करने की दिशा में कदम तो उठा रहे हैं ।इससे आपको बहुत अच्छा लगेगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप आज किसी अपराजेय शक्तिपुंज के समान महसूस करेंगे और किसी भी विरोध पर आसानी से विजय हासिल कर लेंगे ।आज का दिन उस काम को करने का बहुत अच्छा दिन है जो आप काफी समय से करने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि आज आपको कोई नही रोक सकता ।आज का दिन अपने सबसे महत्वपूर्ण काम करें,सफलता आपके कदम चूमेगी ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

क्या बदलेंगे मुख्य सचिव? राज्य सरकार ने केंद्र से कर दी बड़ी डिमांड, नए दावेदारों पर छाएगी मायूसी!

जयपुर, 4 अगस्त (एजेंसिया)। राजस्थान की प्रशासनिक गैलरी में इन दिनों इस बात को लेकर जबरदस्त सुगबुगाहट चल रही है कि राज्य के सबसे शीर्ष प्रशासनिक पद यानी मुख्य सचिव की कमान किसके हाथों में रहेगी। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और वर्तमान मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास आगामी 31 अगस्त को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। हालांकि, इस बीच प्रशासनिक गलियारों से आ रही बड़ी खबर यह है कि राज्य सरकार ने उनके कार्यकाल को बढ़ाने की कवायद शुरू कर दी है। यदि केंद्र से हरी झंडी मिलती है, तो मुख्य सचिव पद की रेस में शामिल अन्य वरिष्ठ अफसरों को अभी थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है।

सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार ने 24 जुलाई को केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को एक पत्र भेजकर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास को एक साल का सेवा विस्तार देने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। चर्चा यह भी है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्य सचिव को इस संबंध में अग्रिम जानकारी भी दे दी है। गौरतलब है कि 1989 बैच के आईएएस अधिकारी वी. श्रीनिवास ने 17 नवंबर 2025 को राजस्थान के मुख्य सचिव का पदभार ग्रहण किया था। इससे पूर्व वह लंबे समय तक केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात थे।

यदि केंद्र सरकार वी. श्रीनिवास के सेवा विस्तार के प्रस्ताव को स्वीकार कर लेती है, तो मुख्य सचिव पद के दावेदार माने जा रहे कई वरिष्ठ अधिकारियों की उम्मीदों पर फिलहाल विराम लग जाएगा। इस पद की रेस में अभय कुमार, रजत कुमार और अखिल अरोड़ा प्रमुख चेहरों के नाम चर्चा में हैं।

मुख्य सचिव पद की रेस में अभय कुमार (1992 बैच) को सबसे आगे माना जा रहा था, लेकिन एक्सटेंशन के प्रस्ताव से उनकी उम्मीदों पर मायूसी छा सकती है। वरिष्ठता के साथ-साथ उनके पक्ष में सबसे बड़ी बात यह है कि वे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के ड्रीम और फ्लैगशिप प्रोजेक्ट 'रामजल सेतु लिंक' की कमान संभाल रहे हैं। इसके अलावा, अगस्त 2028 तक का उनका लंबा कार्यकाल सरकार को एक स्थिर प्रशासनिक ढांचा दे सकता था। ऐसे में यदि वी. श्रीनिवास को एक साल का एक्सटेंशन मिलता है, तो अभय कुमार के मुख्य सचिव बनने का इंतजार लंबा हो जाएगा।

1992 बैच के ही आईएएस अफसर रजत कुमार मिश्रा प्रशासनिक और वित्तीय प्रबंधन के बेहद माहिर माने जाते हैं। वर्तमान में वे दिल्ली में डेपुटेशन पर हैं और केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में सचिव पद संभाल रहे हैं। केंद्र सरकार के साथ उनके बेहतरीन तालमेल को देखते हुए उन्हें सीएस पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। जनवरी 2028 में रिटायर होने वाले मिश्रा के लिए भी एक्सटेंशन की यह खबर एक बड़ा झटका साबित हो सकती है, क्योंकि इससे उनका बचा हुआ कार्यकाल सीमित हो जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के एसीएस अखिल अरोड़ा (1993 बैच) अपनी मजबूत प्रशासनिक छवि और वित्त तथा जनस्वास्थ्य जैसे भारी-भरकम विभागों के सफल संचालन के लिए जाने जाते हैं। फरवरी 2029 तक का लंबा कार्यकाल उनके पक्ष में है, हालांकि उन्हें मुख्य सचिव बनाने के लिए सरकार को 1992 बैच के वरिष्ठ अफसरों को दरकिनार करना पड़ता। अब यदि मौजूदा मुख्य सचिव को ही सेवा विस्तार मिल जाता है, तो अखिल अरोड़ा के लिए फिलहाल सीएस की कुर्सी तक पहुंचने की संभावनाएं काफी हद तक सुस्त पड़ सकती हैं।

राजपूत करणी सेना की रैली में शामिल देवराज सिंह की मौत

जयपुर, 4 अगस्त (एजेंसिया)। जयपुर में यूजीसी के नए नियमों के विरोध में निकली श्री राजपूत करणी सेना की रैली के दौरान तबीयत बिगड़ने से शख्स की मौत हो गई। मृतक की पहचान डीडवाना-कुचामन ज़िले के पलाड़ा निवासी देवराज सिंह के तौर पर हुई है। जानकारी के अनुसार, देवराज सिंह यहां यूजीसी के नए नियमों के विरोध में श्री राजपूत करणी सेना, राष्ट्रीय हिंदू महासभा और सवर्ण समाज के विभिन्न संगठनों की ओर से निकाली गई रैली में शामिल हुए थे।

इस रैली में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी। पुलिस के अनुसार, देवराज सिंह की मौत प्रदर्शन के दौरान अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद हुई है। डीसीपी प्रशांत किरण ने पुष्टि करते हुए बताया कि देवराज की मौत पुलिस लाठीचार्ज या वाटर कैनन के कारण नहीं, बल्कि स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद हुई है।

देवराज सिंह की मौत के बाद मंगलवार सुबह जयपुर में उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया है। यह सूचना भाजपा नेता विजय सिंह पलाड़ा ने दी। मृतक डीडवाना-कुचामन जिले के पलाड़ा गांव का रहने वाला था। प्रदर्शन के दौरान देवराज सिंह की तबीयत खराब हो गई थी, जिसके बाद उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई

रैली को रोकने के लिए पुलिस ने सबसे पहले 200 फीट एक्सप्रेस पुलिया के नीचे बैरिकेड्स लगाए, लेकिन प्रदर्शनकारी उन्हें पार कर आगे बढ़ गए। इसके बाद चौमूं पुलिया तिराहा, अंबाबाड़ी तिराहा और पानीपेच तिराहा पर भी उन्हें रोकने की कोशिश की गई। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी कलेक्ट्रेट सर्किल तक पहुंच गए और वहां से भाजपा प्रदेश कार्यालय और मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ने लगे। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कई बार आमना-सामना हुआ था।

उम्रकैद की सजा भुगत रहे आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से पहली पैरोल, अब 20 दिन जेल से बाहर रहेगा

जोधपुर, 4 अगस्त (एजेंसिया)। जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद 87 वर्षीय आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने आसाराम की याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें पहली बार 20 दिन की पैरोल पर रिहा करने का आदेश जारी किया है। हालांकि, राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन ने पैरोल का कड़ा विरोध करते हुए आसाराम के रिहा होने के बाद फरार होने की आशंका जताई थी। लेकिन हाईकोर्ट की खंडपीठ ने इन सभी आशंकाओं को पूरी तरह से निराधार और आधारहीन करार दे दिया।

राजस्थान हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और न्यायाधीश संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने पैरोल याचिका पर सुनवाई की। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट रूप से कहा कि राज्य सरकार की ओर से पैरोल खारिज करने के समर्थन में जो तर्क और आशंकाएं पेश की गई हैं, उनका कोई ठोस या मजबूत आधार सामने नहीं आया है।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के पक्ष ने कोर्ट को सूचित किया कि जिला कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट, जोधपुर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में आसाराम के 20 दिन के पैरोल आवेदन को पहले ही खारिज किया जा चुका था। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कालूराम भाटी और अधिवक्ता यशपालसिंह राजपुरोहित ने अदालत के समक्ष मजबूती से पैरवी की।

पुलिस प्रशासन का तर्क था कि रिहा होने के पश्चात आसाराम के फरार होने की पूरी संभावना है। राजस्थान प्रिजनर्स रिलीज ऑन पैरोल रूल्स, 1958 के नियम 14 (ए) का हवाला देते हुए बताया गया कि राजस्थान से बाहर भी उनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं और गुजरात के गांधीनगर की एक अदालत द्वारा उन्हें दोषी ठहराया जा चुका है।

सरकार ने यह तर्क भी दिया कि आसाराम का इलाज वर्तमान में चल रहा है और मेडिकल अधिकारी ने उन्हें पैरोल के लिए शारीरिक रूप से 'फिट' होने का प्रमाण पत्र प्रदान नहीं किया है। इसके अलावा, पीड़िता के परिवार की सुरक्षा पर गंभीर खतरे की बात भी उठाई गई।

हाईकोर्ट ने मामले के सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद टिप्पणी की कि आसाराम पहले ही 13 साल, 1 महीना और 24 दिन की जेल की सजा काट चुका है।

अवैध शराब कारोबार पर आबकारी विभाग का बड़ा एक्शन, 250 लीटर वॉश नष्ट व 94 बीयर केन जब्त; एक गिरफ्तार

उदयपुर, 4 अगस्त (एजेंसिया)। राजस्थान में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ आबकारी विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। उदयपुर आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में प्रदेशभर में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत निरोधात्मक दल लगातार गश्त, नाकाबंदी और दबिश देकर अवैध कारोबार पर शिकंजा कस रहे हैं।

आबकारी विभाग के अनुसार, प्रदेश में 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत चल रही कार्रवाई के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

विभाग का कहना है कि निरोधात्मक गतिविधियों में बढ़ोतरी से शराब तस्करी और अवैध मदिरा के कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हो रहा है। चित्तौड़गढ़, निम्बाहेड़ा और बेगूं की आबकारी टीमों ने संयुक्त अभियान चलाकर 250 लीटर अवैध वॉश (कच्ची शराब बनाने का घोल) नष्ट किया। साथ ही 13 बोतल अवैध हथकड़ शराब जब्त की गई। इस मामले में आबकारी अधिनियम के तहत तीन अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

सिरोही जिले के आबूरोड में आबकारी निरोधक दल और रेलवे सुरक्षा बल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 94 बीयर केन बरामद कीं। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आबकारी विभाग ने बताया कि प्रदेश के अन्य जिलों में भी निरोधात्मक दल लगातार गश्त, नाकाबंदी और दबिश की कार्रवाई कर रहे हैं। विभाग का उद्देश्य अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन और बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाना तथा शराब तस्करी के नेटवर्क को समाप्त करना है।

मानगढ़ धाम को नहीं मिलेगा राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा, केंद्र ने बताई बड़ी वजह; गरमाई सियासत

बांसवाड़ा, 4 अगस्त (एजेंसिया)। गुजरात की सीमा पर स्थित राजस्थान का मानगढ़ धाम, जिसे राजस्थान का जलियांवाला बाग भी कहा जाता है, राष्ट्रीय स्मारक नहीं बनेगा। इसका प्रमुख कारण यह है कि धाम पर हुए आधुनिक निर्माण कार्य राष्ट्रीय स्मारक बनने की राह में बाधा बन गए हैं। नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल की ओर से लोकसभा में पूछे गए सवाल के जवाब में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सदन में बताया कि केंद्र सरकार का मानना है कि मानगढ़ धाम राष्ट्रीय स्मारक घोषित किए जाने योग्य नहीं है। इसलिए इसे राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने का कोई प्रस्ताव लंबित नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने अपने जवाब में बताया कि मानगढ़ धाम स्थल का सर्वे किया गया था। सर्वे में पाया गया कि यहां बड़े पैमाने पर आधुनिक निर्माण कार्य हुए हैं। आधुनिक बदलाव के कारण मानगढ़ धाम अपनी पुरातात्विक विशेषताओं, अखंडता और प्रमाणिकता को बनाए नहीं रखता है। प्राचीन स्मारक एवं पुरातात्विक स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 के तहत राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने के प्रावधानों को मानगढ़ धाम पूरा नहीं करता है।

उल्लेखनीय है कि मानगढ़ धाम पर पैनोरमा बनाने के साथ ही वृहद स्तर पर निर्माण कार्य हुए हैं। यहां विशाल शहीद स्तंभ बनाया गया है। इसके अलावा मानगढ़ धाम की धूनी को भी विकसित किया गया है। यही निर्माण कार्य धाम को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा मिलने की राह में बाधा बन गए हैं।

गत लोकसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मानगढ़ धाम का दौरा किया था। इस दौरान गुजरात और राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी मौजूद थे। उस समय मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित किए जाने की उम्मीद जगी थी, लेकिन प्रधानमंत्री ने राज्यों की एक समिति बनाने की बात कही थी।

बुलडोजर एक्शन: 186 अवैध निर्माण ध्वस्त, नेताओं के घर से लेकर सरकारी दीवारें तक ढहीं

सीकर, 4 अगस्त (एजेंसिया)। राजस्थान के सीकर जिले के सबसे बड़े शहर नीमकाथाना में शाहपुरा-चिड़ावा स्टेट हाईवे-13 के फोरलेन निर्माण के लिए प्रशासन का बुलडोजर अभियान उपखंड क्षेत्र के तमाम आलाधिकारियों एवं पुलिस जाब्ते के साथ दूसरे दिन भी पूरे रौब के साथ जारी है। नीमकाथाना शहर के जिस हिस्से में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई हो रही है, वहां सिर्फ जेसीबी, पोकलेन मशीनों की गर्जना, धूल के गुबार और जमींदोज होती इमारतें दिखाई दीं। कई दो और तीन मंजिला मकान, शोरूम, कॉम्प्लेक्स और पक्के निर्माण मिनटों में मलबे में तब्दील हो गए। पूरे शहर में इस कार्रवाई की सबसे ज्यादा चर्चा रही। आपको बताते चले कि प्रशासन ने पहले से चिन्हित 186 अतिक्रमणों को हटाने का लक्ष्य तय किया है। इनमें बड़ी संख्या में पक्के और बहुमंजिला अवैध निर्माण शामिल हैं। पहले दिन 100 से अधिक निर्माणों पर कार्रवाई हुई, जबकि दूसरे दिन खेतड़ी रोड से जिला अस्पताल तक अभियान तेजी से आगे बढ़ाया गया।

सुबह 8 बजे से शुरू हुए अभियान में 8 जेसीबी, 4 पोकलेन, 2 हैमर मशीनें, 5 डंपर और नगर पालिका की मशीनरी लगातार कार्रवाई को अंजाम दे रही हैं। मौके पर एसडीएम राजवीर यादव, डीएसपी, पीडब्ल्यूडी और नगर पालिका के अधिकारी रणजीत सिंह आदि आलाधिकारी मौजूद रहे। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी पुलिस जाब्ता तैनात किया गया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लगातार मशक्कत करनी पड़ी। कई जगह हल्का विरोध भी हुआ, लेकिन प्रशासन ने पूरे अभियान को शांतिपूर्ण तरीके से जारी रखा।

बताते चले कि पहले दिन की कार्रवाई के दौरान सबसे बड़ी चुनौती सीएम मोटर्स टॉवर को तोड़ने में आई। दो जेसीबी मशीनों ने करीब दो घंटे की लगातार मशक्कत के बाद इस बहुमंजिला निर्माण को ध्वस्त किया। इसके अलावा कई बड़े शोरूम और व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स भी बुलडोजर की जद में आ गए।

इस अभियान में किसी को भी राहत नहीं मिली। कार्रवाई के दौरान पूर्व मंत्री राजस्थान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. जितेन्द्र सिंह के आवास का गेट और दीवार तोड़ी गई। ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय की दीवार हटाई गई। पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष महेश मेगोतिया के मकान का हिस्सा ध्वस्त किया गया। विहिप जिलाध्यक्ष मनोज बंशिया के होटल की भी सीढियां हटाई गईं। सरकारी कार्यालयों में शामिल, बीएसएनएल कार्यालय और ब्लॉक सीएमएचओ कार्यालय की दीवारों पर भी कार्रवाई हुई।

अतिक्रमण हटाने के लिए चल रही जेसीबी मशीनों की आवाज और गिरते मलबे से पूरा इलाका धूल के गुबार से भरा हुआ नजर आ रहा है। पहले दिन कई जगह बिजली के पोल टूटने से बिजली आपूर्ति बाधित रही। सड़क पर मलबा जमा होने से यातायात प्रभावित है और प्रशासन को ट्रैफिक डायवर्ट करना पड़ रहा है। हालांकि प्रशासन लगातार डंपरों की मदद से मलबा हटवाता रहा, लेकिन भारी मात्रा में मलबा जमा होने से लोगों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा हैं।

पैसों के लालच में बेची देश की सुरक्षा?

युवकों को पूछताछ के बाद छोड़ा, पुलिस रख रही पैनी नजर

जयपुर, 4 अगस्त (एजेंसिया)। राजस्थान पुलिस की स्पेशल ब्रांच और जम्मू की मिलिट्री इंटेलिजेंस (एमआई) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अलवर जिले से चार युवकों जासूसी के आरोप हिरासत में लिया है। जांच एजेंसियों को संदेह है कि आरोपी कथित तौर पर पैसों के बदले सेना से जुड़े प्रतिष्ठानों और अन्य संवेदनशील स्थानों की सूचनाएं पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स तक पहुंचा रहे थे। फिलहाल सभी से पूछताछ की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

सूत्रों के अनुसार शुक्रवार को ईटाराणा सैन्य छावनी क्षेत्र के पास झोपड़ी गांव निवासी उमेश जाटव तथा उसके तीन परिचितों संजय जाटव, धारा जाटव और आकाश जाटव को हिरासत में लिया गया। उमेश से उद्योग नगर थाने में पूछताछ की जा रही है, जबकि अन्य तीन युवकों से अलग स्थान पर पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपी अपने साथियों के बैंक खातों और मोबाइल फोन का इस्तेमाल करता था। एजेंसियां यह भी जांच कर रही हैं कि बैंक खातों में आए पैसों का स्रोत क्या था और उनका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया गया।

जांच में पता चला है कि संदिग्ध आरोपी पाकिस्तान में बैठे कथित हैंडलर्स के संपर्क में थे। शुरुआती जानकारी के अनुसार पाकिस्तानी हैंडलर्स ने सोशल मीडिया और व्हाट्सएप के जरिए फर्जी पहचान तथा महिलाओं के नाम से उनसे संपर्क किया फिर उन्हें कथित रूप से पैसों का लालच देकर सैन्य गतिविधियों से जुड़ी जानकारी जुटाने के लिए कहा गया।

एजेंसियों के अनुसार आरोपियों पर ईटाराणा आर्मी कैंट, रेलवे स्टेशन और वंदे भारत ट्रेन की आवाजाही से संबंधित फोटो, वीडियो और अन्य जानकारियां साझा करने का संदेह है। हालांकि यह जांच का विषय है कि वास्तव में कौन-कौन सी सूचनाएं साझा की गईं और उनका सुरक्षा की दृष्टि से क्या महत्व था?

जांच एजेंसियां आरोपियों के मोबाइल फोन, व्हाट्सऐप चैट, फोटो, वीडियो, सोशल मीडिया अकाउंट और बैंक खातों की फॉरेंसिक जांच कर रही हैं।

ऑनलाइन शॉपिंग फ्रॉड

लाखों की धोखाधड़ी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अलवर, 4 अगस्त (एजेंसिया)। अलवर जिले के वैशाली नगर थाना पुलिस ने ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियों के साथ कथित धोखाधड़ी करने वाले एक संगठित गिरोह के 2 हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी मिंत्रा, फ्लिपकार्ट और ब्लू डार्ट जैसी कंपनियों के प्रीपेड शिपमेंट का दुरुपयोग कर लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने में शामिल था। मामले में इससे पहले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि एक विधि से संघर्षरत बालक को भी निरुद्ध किया गया था। अलवर जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी दयाशंकर (28) पुत्र अमीलाल निवासी फतेहपुरा कलां, थाना सरूण्ड, जिला कोटपूतली-बहरोड़ है। आरोपी की गिरफ्तारी पर 2 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

पेपर लीक मामलों पर राजस्थान हाईकोर्ट सख्त: भर्ती धांधली के 4 आरोपियों को बड़ा झटका, जमानत अर्जी खारिज

जयपुर, 4 अगस्त (एजेंसिया)। हाईकोर्ट ने भर्ती परीक्षा में पेपर लीक व नकल को लेकर एक बार फिर सख्ती दिखाई है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे अपराध न केवल पात्र अभ्यर्थियों के हितों को नुकसान पहुंचाते हैं बल्कि सार्वजनिक भर्ती परीक्षा की चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सीधा हमला है। इससे सार्वजनिक परीक्षाओं में जनता का भरोसा कम होता है। कोर्ट ने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया से जुड़ी अनियमितताओं में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जरूरी है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। भर्ती परीक्षाओं की विश्वसनीयता बनाए रखना प्रशासन और जांच एजेंसियों की अहम जिम्मेदारी है। मामला केन्द्र सरकार की सेन्ट्रल कौंसिल फोर रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइंस (सीसीआरएएस) में मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) भर्ती से जुड़ा है जिसमें कोर्ट ने पेपर लीक व नकल कराने के चार आरोपियों को जमानत देने से इनकार कर दिया।

न्यायाधीश प्रमिल कुमार माथुर ने सूरज सिंह धनगर, सागर करुवान, गौरव कुमार मीना व मदन सिंह की जमानत याचिका खारिज करते यह आदेश दिया। आरोपियों के खिलाफ कोटा के आरकेपुरम थाने में 2025 में रिपोर्ट दर्ज हुई थी, जिसमें कहा था कि परीक्षा केंद्र से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों ने अभ्यर्थियों को हल किए गए उत्तर और अन्य नकल सामग्री मुहैया कराकर भर्ती परीक्षा की निष्पक्षता को प्रभावित किया है।

राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि आरोपियों की भूमिका निष्क्रिय कर्मचारी की नहीं बल्कि सक्रिय साजिशकर्ता की है। कोर्ट ने माना कि सीसीटीवी फुटेज, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और वित्तीय लेन-देन से प्रथम दृष्टया संलिप्तता साबित होती है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि गिरफ्तारी के लिखित कारण न बताए जाने मात्र से जमानत का अधिकार नहीं बनता जब तक कि वास्तविक नुकसान या पूर्वाग्रह का आरोप प्रमाणित नहीं हो। अभियोजन पक्ष ने आरोपियों पर संगठित साजिश का आरोप लगाया। सुरज सिंह को क्लस्टर हेड और परीक्षा प्रभारी बताया गया जिसने परीक्षा केंद्र की वास्तविक स्थिति छिपाई। सागर करुवान ने मोबाइल के प्रयोग की अनुमति दी और सॉल्व्ड आंसर शीट बांटी।

चर्चित संदीप सिंह हत्याकांड में पूर्व सरपंच समेत 3 दोषियों को आजीवन कारावास, 37 गवाह और 193 दस्तावेज बने आधार

जयपुर, 4 अगस्त (एजेंसिया)। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले के संगरिया क्षेत्र के बहुचर्चित ढाई साल पुराने संदीप सिंह हत्याकांड में अपर जिला एवं सत्र न्यायालय ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया। न्यायाधीश मोहम्मद आसिफ अंसारी की अदालत ने जंडवाला सिखान के पूर्व सरपंच सहित तीन मुख्य आरोपियों को हत्या का दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास (उम्रकैद) की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने साक्ष्य के अभाव में दो अन्य आरोपियों को दोषमुक्त (बरी) कर दिया।

अदालत के इस फैसले से लंबे समय से लंबित इस गंभीर आपराधिक मामले में न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव पूरा हुआ है। फैसला सुनाए जाने के दौरान कोर्ट परिसर में भारी संख्या में ग्रामीण और पुलिस बल तैनात रहा। अदालत ने आरोपी पूर्व सरपंच जसकरण सिंह (निवासी जंडवाला सिखान), जितेन्द्र सिंह उर्फ काका और हिम्मत सिंह (निवासी चक 1 एएमपी रोही संतपुरा) को दोषी माना। तीनों दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। बेमियादी अनशन का 12वां दिन, आईसीयू में छात्र नेता शुभम रेवाड़ की हालत नाजुक- ऑर्गन फेलियर की आशंका, सवाल- 'आखिर कब होगा संवाद?' पीड़ित परिवार को प्रतिकर: वसूले गए कुल जुर्माने में से 4 लाख रुपये मृतक संदीप सिंह के कानूनी वारिसों को मुआवजे (प्रतिकर) के रूप में दिए जाएंगे।

रोजाना 14 घंटे करवाते थे काम', वतन लौटे पीड़ितों ने सुनाई आपबीती, 'साइबर-स्लेवरी नेटवर्क' के 5 आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 4 अगस्त (एजेंसिया)। विदेश में मोटी तनख्वाह का सपना दिखाकर युवाओं को कंबोडिया, लाओस, वियतनाम और म्यांमार भेजकर बंधक बनाने और उनसे जबरन साइबर ठगी कराने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह का राजस्थान पुलिस की स्टेट साइबर क्राइम टीम ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है जिनमें से दो को राजस्थान और तीन को पश्चिम बंगाल से तब दबोचा गया, जब वे म्यांमार भागने की फिराक में थे।

एडीजी (साइबर क्राइम) वी.के. सिंह ने बताया कि भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र से मिली सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर यह कार्रवाई की गई। जांच में सामने आया कि गिरोह ब्यावर, राजसमंद, उदयपुर और सीकर के युवाओं को 800 से 1000 अमेरिकी डॉलर (करीब 65 से 80 हजार रुपए) प्रतिमाह वेतन का झांसा देकर विदेश भेजता था। इन साइबर स्कैम सेंटरों का संचालन चीनी नागरिक करते हैं। गिरोह के सदस्य डिजिटल अरेस्ट, फर्जी निवेश और क्रिप्टोकरेंसी के नाम पर दुनियाभर के लोगों से ठगी करते थे।

'साइबर स्लेवरी' डेटाबेस के विश्लेषण में राजस्थान के 500 से अधिक ऐसे युवाओं की पहचान हुई है, जिन्हें इन देशों में भेजा गया था। इनमें से कई अब भी भारत नहीं लौटे हैं। विदेश पहुंचते ही पीड़ितों के पासपोर्ट छीन लिए जाते थे। वतन लौटे पीड़ितों ने बताया कि वहां उनसे मारपीट और अमानवीय प्रताड़ना देकर जबरन अपराध कराया जाता था। इसके बाद जयपुर के साइबर क्राइम थाने में मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की गई।

कस्टम मिलिंग चावल संचालन की एक दशक लंबी ऑडिट का आदेश

नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने राज्य के गठन के बाद से कस्टम मिलिंग राइस (सीएमआर) प्रणाली की सबसे व्यापक समीक्षा शुरू की है, और खरीद शृंखला में जवाबदेही को मजबूत करने के लिए धान की खरीद, चावल मिलिंग संचालन, वसूली, कानूनी कार्यवाही और प्रवर्तन उपायों का एक दशक लंबा ऑडिट करने का आदेश दिया है।

सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने मंगलवार को अधिकारियों को सरकारी बकाया की वसूली के लिए निरंतर प्रयास करने, व्यवस्थागत कमजोरियों की पहचान करने और सार्वजनिक संपत्तियों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुधार लाने का निर्देश दिया।

उन्होंने एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की जिसमें पिछले दस से बारह वर्षों में खरीद कार्यों को शामिल किया गया, जिसमें धान की खरीदी गई मात्रा, कस्टम मिलिंग चावल की प्राप्ति और वितरण, जिलावार और मिलवार चूक, लंबित वसूली, सतर्कता जांच और चूक करने वाले मिल मालिकों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शामिल थी। मंत्री ने दोहराया कि सरकार का प्राथमिक उद्देश्य केवल दंड देना नहीं बल्कि सार्वजनिक धन और सरकारी स्वामित्व वाले खाद्यान्न की वसूली करना है। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि यद्यपि बकाया देनदारियों का एक बड़ा हिस्सा पुराने भुगतान न होने के कारण है, फिर भी तत्काल प्राथमिकता बकाया मिल मालिकों से लंबे समय से लंबित भुगतान की वसूली करना है। वसूली को अधिकतम करने के लिए नकद भुगतान, धान की वापसी और उत्तम चावल की आपूर्ति सहित कई वसूली विकल्पों पर एक साथ विचार किया जा रहा है। सरकार ने बकाया भुगतान न करने वाले मिल मालिकों को अपनी देनदारियों को निपटाने के लिए सीमित समय देकर पहले ही काफी वसूली कर ली है। उन्होंने बताया कि अधिकारियों को प्रत्येक लंबित मामले को शामिल करते हुए मिल-वार, समयबद्ध वसूली योजना तैयार करने का निर्देश दिया गया था।

दक्षिण तट रेलवे
विशाखपट्टणम
हमें X@SCoRailway पर फालो करें।
Website: www.scr.indianrailways.gov.in

निविदा सूचना संख्याःजी/ ई.29/टीआर./ टेंडर नोटिस/13/ 2026-27,दि.31-07-2026

PUB/SCoR-127

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुन्टकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं. 01, निविदा सं. जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-43-2026-27, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः रेणीगुन्टा स्टेशन पर ट्रिप शेड की वृध्दि के साथ तत्संबंधित ओएचइ परिवर्तन।
अनुमानित मूल्य रु.31,97,896.50, अग्रधन रु.64,000.00

क्रम सं. 02, निविदा सं. जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-45-2026-27, कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजनः जीटीएल-आरयु सेक्शन में पात्रता सुधार के दृष्टिगत लूप लाइन्स & क्रासओवर्स पर ओएचई व्यवस्था का परिवर्तन।
अनुमानित मूल्य रु.3,46,16,235.00, अग्रधन रु.6,92,300.00

निविदा बंद करने की तिथि व समयः 24-08-2026 के 15.00 बजे

टिप्पणीः 1. निविदाकार द्वारा निविदा दस्तावेज को **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in से मुफ्त में डाउनलोड किया जा सकता है।

निविदा की बोली लगाने या टेन्डर बिड्डिंग & अन्य विवरण हेतु https://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुन्टकल

निविदा सूचना सं. सीआरएस-ई-02-आर1-26-27, दि.22-07-2026

PUB/SCoR-128

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय. सीएमइ/सीआरएस/टीपीटीवाय द्वारा तत्संबंधित निम्न निविदा संख्या- की बंद करने की तिथि के 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदाता अपनी मूल /संशोधित बोलियों को बंद करने की तिथि & समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा इस प्रकार के किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः सीआरएस-ई-02-आर1-26-27, दि.22-07-2026, संबंधित 36 महिनों की अवधि हेतु कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति पर इलेक्ट्रिकल इंस्टाल्लेशन्स के लिए लांग टर्म सेफ्टी मीजर्स या लंबी अवधि तक सुरक्षा उपाय।
अनुमानित मूल्य रु.1,50,82,176.00 (रु.एक करोड पचास लाख बयासी हजार & एक सौ छिहत्तर मात्र), बोली सुरक्षा (रु.) 3,01,700.00 (रु.तीन लाख एक हजार & सातसौ मात्र), कार्य पूरा करने की अवधिः 36 महिने, बंद करने की तिथिः 13-08-2026 के 11.00 बजे

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

निविदा शर्ते/अधिक जानकारी (निविदा दस्तावेजों मे उपलब्ध) & निविदा दस्तावेजो की डाउनलोडिंग, शुध्दिपत्र हेतु कृपया हमारे वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in पर जाएं।

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

निविदा सूचना सं. सीआरएस-ई-06 --26-27, दि.24-07-2026

PUB/SCoR-129

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय. सीएमइ/सीआरएस/टीपीटीवाय द्वारा तत्संबंधित निम्न निविदा संख्या- की बंद करने की तिथि के 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदाता अपनी मूल /संशोधित बोलियों को बंद करने की तिथि & समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा इस प्रकार के किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः सीआरएस-ई-06-26-27, दि.24-07-2026, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति पर 24 महिनों की अवधि हेतु ट्रेन लाइटिंग शाप की आईसीएफ नान-एसी कोचेस से जुडी आउटसोर्सिंग एक्टीवीटीज/गतिविधियां।
अनुमानित मूल्य रु.1,75,39,923.56 (रु.एक करोड पचहत्तर लाख उनचालीस हजार नौ सौ तेईस व छप्पन पैसे मात्र), बोली सुरक्षा रु.3,50,800.00 (रु. तीन लाख पचास हजार व आठसौ मात्र), कार्य पूरा करने की अवधिः 24 महिने, बंद करने की तिथिः 17-08-2026 के 11.00 बजे

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

निविदा शर्ते/अधिक जानकारी (निविदा दस्तावेजों मे उपलब्ध) & निविदा दस्तावेजो की डाउनलोडिंग, शुध्दिपत्र हेतु कृपया हमारे वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in पर जाएं।

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

निविदा सं. जीटीएल-ईएम-30-2026-27,दि.03-08-2026

PUB/SCoR-130

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. जीटीएल-ईएम-30-2026-27, कार्य विवरणः
गुंटकल डिवीजनः गुंटकल में आपरेशनल कंट्रोल सेंटर बिल्डिंग के लिए वीआरएफ टेक्नालाजी द्वारा एनर्जी एफीशियंन्ट अथवा ऊर्जा-सक्षम अतिरिक्त एचवीएसी सिस्टम का प्रावधान। अनुमानित मूल्य रु.83,06,532.00

बंद करने की तिथि & समयः 24-08-2026 के 15.00 बजे

निविदा की बोली लगाने या टेंडर बिड्डिंग & अन्य विवरण हेतु https://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। निविदा का शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

टिप्पणीः तत्संबंधित ई-निविदा में सहभागिता/बोली लगाने हेतु निविदाकार के पास वैध डीएससी (डिजीटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र अवश्य होना चाहिए।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव, गुंटकल

खुली ई-निविदा सूचना सं. डीआरएम/वर्क्स/बीजेडए/27/2026, दि.03-08-2026

PUB/SCoR-131

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु तत्संबंधित हरेक प्रति विवरित तिथि के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं.-ई-12-मध्य-बीजेडए-2026, कार्य विवरणः अमृत स्टेशन्स फेज-2 कार्यो के तहत एसडब्ल्यू I- एलुरू स्टेशन पर पीएफ नं.1, 2 & 3-5 नंबर्स (रैम्प एफओबी-3 नंबर्स & 12 एम एफओबी-2 नंबर्स के लिए) पर लिफ्ट्स का प्रावधान। एसडब्ल्यू II- सीएलएक्स स्टेशन पर पीएफ नं.1, 2 & 3, 4 & 5--3 नंबर्स (12 एम एफओबी के लिए) लिफ्ट्स का प्रावधान। एसडब्ल्यू III - बीपीपी स्टेशन पर पीएफ नं.1, 2 & 3, 4 & 5--3 नंबर्स (12 एम एफओबी के लिए) लिफ्ट्स का प्रावधान। एसडब्ल्यू- IV - सीएलएक्स स्टेशन पर पीएफ नं.1, 2 & 3, 4 & 5--3 नंबर्स (12 एम एफओबी के लिए) एस्केलेटर्स का प्रावधान। एसडब्ल्यू- V -बीपीपी स्टेशन पर पीएफ नं.1, 2 & 3, 4 & 5--3 नंबर्स (12 एम एफओबी के लिए) एस्केलेटर्स का प्रावधान। कार्य पूरा करने की अवधिः 12 (बारह) महिने, निविदा मूल्य रु.6,73,28,050.00, अग्रधन रु.13,46,600.00, बंद करने की तिथिः19-08-2026

क्रम सं.2, निविदा सं.-ई-13-मध्य-बीजेडए-2026, कार्य विवरणः बीजेडए डिवीजनः बीजेडए-जीडीआर सेक्शनः डीइएन/सेंट्रल/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/बीपीपी सब-ड़िवीजन के एसएसइ/वर्क्स/बीपीपी में पीएफ1-165 X10एम, पीएफ 2&3-180x15एम तथा पीएफ 4 & 5-260x15एम के बीपीपी स्टेशन पर सीओपी शेल्टर्स का निर्माण कार्य। कार्य पूरा करने की अवधिः 12 (बारह) महिने, निविदा मूल्य रु.7,38,72,961.00, अग्रधन रु.14,77,500.00, बंद करने की तिथिः19-08-2026

क्रम सं.3, निविदा सं.-ई-24-पूर्व-बीजेडए-2026, कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजनः डीइएन/इस्ट/बीजेडए क्षेत्राधिकार में एडीइएन/बीवीआरएम सब-डिवीजन के तहत एसएसइ/पी-वे/बीवीआरएम, एसएसइ/पी-वे/केकेएलआर, एसएसइ/पी-वे/टीएनकेयु & एसएसइ/पी-वे/एमटीएम सेक्शन में सुरक्षा संबंधित ट्रैक रखरखाव कार्य & अन्य ट्रैक का छिटपुट कार्य। कार्य पूरा करने की अवधिः 12 (बारह) महिने, निविदा मूल्य रु.5,08,70,278.00, अग्रधन रु.10,17,400.00, बंद करने की तिथिः 21-08-2026

क्रम सं.4, निविदा सं.-ई-13-दक्षिण-बीजेडए-2026, कार्य विवरणः -एसडब्ल्यू-I -एमबीएलः एसआर. डीइएन/साउथ क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/एनएलआर सब-डिवीजन के एमबीएल यार्ड में किमी 145/17 से 146/1 पर आरसीसी रिटेनिन्ग वाल का निर्माण कार्य। एसडब्ल्यू-II-जीडीआरः एसआर. डीइएन/साउथ/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/एनएलआर सब-डिवीजन में डीएन & 3 लाइन्स के बीच सेंट्रल ड्रेन्स का प्रावधान तथा ब्रिजेस 271ए और 273 पुलों के बीच 3री लाइन के लिए टो वाल/रिटेनिंग वाल का प्रावधान। निविदा मूल्य रु.5,08,70,278.00, अग्रधन रु.10,34,500.00, बंद करने की तिथिः 24-08-2026

1 निविदा शर्ते/अन्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य का नाम, उपरोक्त कार्यो का समानान्तर कार्य, पात्रता मानदंड आदि **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में उपलब्ध है।

2. भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के किसी भी परिवर्तनों/ शुध्दिपत्रों को नोट करने के लिए निविदा बंद करने की तिथि से पहले **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in देखें।

-विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य/विजयवाडा

खुली ई-निविदा सूचना सं. ई-04-सीपीओएच-आरवायपी-2026, दि.03-08-2026

PUB/SCoR-132

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु हरेक के प्रति विवरित तत्संबंधित तिथि एवं दि.28-08-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं.ई-04-सीपीओएच-आरवायपी-2026, कार्य विवरणः रायनपाडू-दि.01-07-2026 से 30-06-2027 की अवधि के लिए, सीपीओएच/आरवायपी & जेडटीएमडी/आरवायपी पर सर्विस बिल्डिंग्स, वाटर टैन्क्स & सडकों आदि का तत्संबंधित समस्त कार्य।
कार्य पूरा करने की अवधिः 24 महिने, निविदा मूल्य रु.56,000.00, बंद करने की तिथिः 28-08-2026 (एक मद मात्र)

वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य का नाम, उपरोक्त कार्यो का समानान्तर कार्य, योग्यता मानदंड आदि उपलब्ध है।

भावी निविदाकारों को परामर्श दिया जाता है कि, किसी भी निविदा के किसी भी परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in देखें।

उप मुख्य अभियन्ता/सीपीओएच /रायनपाडु

SCoR-A150

निविदा नियम शर्ते/ज्यादा जानकारी & निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in देखें।

एच-फास्ट द्वारा 25 टन मिलावटी मसाले जब्त किए गए, 3 गिरफ्तार

शहर में 13 मसाला व्यापार और प्रसंस्करण इकाइयों पर छापेमारी

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर पुलिस की हैदराबाद खाद्य मिलावट निगरानी टीम (एच-फास्ट) ने जीएचएमसी खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के साथ मिलकर 25 टन से अधिक मिलावटी मसाले जब्त किए। मंगलवार को शहर भर में स्थित 13 मसाला व्यापार और प्रसंस्करण इकाइयों पर छापेमारी के दौरान पुलिस ने तीन आपराधिक मामले दर्ज किए। मैलार्देवपल्ली और बालापुर पुलिस स्टेशनों में राहुल भाटी, विशाल पंवार और दुलिचंद कछवार को गिरफ्तार किया गया। यहां पत्रकारों से बात करते हुए शहर के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने बताया कि छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने औद्योगिक रंगों, कृत्रिम रंगों, टैल्कम पाउडर, कपड़े के रंग और चावल की भूसी के तेल से मिलावटी मसाले बरामद किए हैं। इन मसालों का उद्देश्य मसालों की दिखावट को बेहतर बनाना और मुनाफा बढ़ाना था। नमूनों को प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेजा गया है और खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पुलिस ने चेतावनी दी है कि इस तरह की मिलावट से लीवर और किडनी को नुकसान, कैंसर, पाचन संबंधी विकार, एलर्जी और तंत्रिका तंत्र संबंधी जटिलताएं हो सकती हैं। एच-फास्ट ने नागरिकों से 'डायल 100' या एच-फास्ट की विशेष हेल्पलाइन 8712661212 के माध्यम से खाद्य पदार्थों में मिलावट की सूचना देने का आग्रह किया है, और सूचना देने वालों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। यह विशेष अभियान एच-फास्ट टीम द्वारा श्री गायकवाड़ वैभव रघुनाथ, डीसीपी, टास्क फोर्स के नेतृत्व में, इंस्पेक्टर रंजीत और अजेया, सब-इंस्पेक्टर शंकर, कृष्णा, अखिल और उनकी टीम के साथ मिलकर चलाया गया।

युद्धस्तर पर काम करते हुए, 'एच-फास्ट' टीम ने जीएचएमसी खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों के समन्वय से पूरे शहर में व्यापक फील्ड निरीक्षण किए हैं। स्थापना के महज 140 दिनों के भीतर, विभाग ने 659 छापे मारे, 202 एफआईआर दर्ज कीं और लगभग 246 टन मिलावटी खाद्य सामग्री जब्त की। इसके अतिरिक्त, 232 मामले आगे की कार्रवाई के लिए जीएचएमसी खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को सौंपे गए, जबकि 46 पनीर और 83 घी की दुकानों पर निरीक्षण किए गए और जनता से प्राप्त विभिन्न शिकायतों का त्वरित समाधान किया गया।

जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता देने के जिला अधिकारियों को निर्देश : दान किशोर

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के विशेष मुख्य सचिव एम. दाना किशोर ने जिला अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राज्यभर में 15 अगस्त तक 13,046 कृषि तालाबों के निर्माण कार्य को पूरा किया जाए। उन्होंने मंगलवार को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के आयुक्त कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिला ग्रामीण विकास अधिकारियों, जिला पंचायत अधिकारियों, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, मंडल विकास अधिकारियों और पंचायत सचिवों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में वीबी-जी राम-जी, तेलंगाना जलसिरी और ग्राम पंचायत समग्र विकास योजना (जीपीएसएपी) के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए दाना किशोर ने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में कृषि तालाबों की पहचान, प्रशासनिक मंजूरी और कार्यों की शुरुआत की प्रक्रिया शत-प्रतिशत पूरी की जाए।

उन्होंने प्रत्येक जिले में कम से कम 50 इको फार्म तालाबों का निर्माण करने का सुझाव दिया। इसके लिए ग्रामीण गरीबी उन्मूलन संस्था, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पशुपालन, बागवानी और मत्स्य विभागों के समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। विशेष मुख्य सचिव ने तेलंगाना जलसिरी योजना के तहत कृषि तालाबों, सोख्ता गड्ढों, परकोलेशन टैंकों, बोरवेल रिचार्ज संरचनाओं और खुले कुओं के विकास जैसे जल संरक्षण कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा। उन्होंने जिला अधिकारियों को निर्देश दिया कि क्षेत्र स्तर पर प्रतिदिन निरीक्षण किए जाएं और मंडल स्तर के अधिकारियों के साथ लगातार समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समय सीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने ग्राम पंचायत समग्र विकास योजनाओं (जीपीएसएपी) के मैनुअल को जल्द पूरा करने तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत से संबंधित समग्र जानकारी एकत्र कर तीन वर्षीय विकास कार्य योजना तैयार करने के निर्देश भी दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंस में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की आयुक्त दिव्या सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

कालेश्वरम ने फिर से अपना इंजीनियरिंग मूल्य साबित किया: केटीआर

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) के परिचालन महत्व की पुष्टि करते हुए, भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि यह मेगाप्रोजेक्ट रिवर्स पंपिंग के माध्यम से श्री राम सागर परियोजना (एसआरएसपी) की बाढ़ नहर को पुनर्जीवित करके एक बार फिर अपनी इंजीनियरिंग महत्ता का प्रदर्शन कर रहा है।

एक बयान में, रामा राव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि बाढ़ नहर के किनारे रामपुर और राजेश्वररावपेट पंप हाउसों से सक्रिय रिवर्स पंपिंग वर्तमान में लगभग दो लाख एकड़ भूमि में सुनिश्चित सिंचाई प्रदान कर रही है। उन्होंने परियोजना के खिलाफ सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार के बयान की आलोचना करते हुए कहा कि जहां विपक्षी राजनीतिक अभियान कालेश्वरम को बदनाम करने का लक्ष्य रखते हैं, वहीं जमीन पर पानी को अपने खेतों तक पहुंचते देख रहे किसान वास्तविक स्थिति से वाकिफ हैं। केटी रामाराव ने इस बात पर जोर दिया कि गोदावरी नदी में भारी जल प्रवाह के बाद, राज्य अधिकारियों ने व्यापक केएलआईएस लिफ्टिंग नेटवर्क में परिचालन शुरू किया, जिससे राज्य भर में विभिन्न जलाशयों और परियोजनाओं में पानी का रणनीतिक रूप से मोड़ा और वितरण संभव हो सका।

शिक्षा से जुड़ी मांगों को लेकर 'महा धरना' और 'चलो विधानसभा' का ऐलान

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। स्कूली शिक्षा क्षेत्र की समस्याओं के समाधान की मांग करते हुए, सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों के शिक्षकों ने मंगलवार को 'महा धरना' और 'चलो विधानसभा' कार्यक्रम सहित कई विरोध प्रदर्शनों की घोषणा की।

यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, टीएसयूटीएफ के अध्यक्ष चावा रवि और अन्य लोगों ने कहा कि सरकार राज्य के बजट का 15 प्रतिशत शिक्षा क्षेत्र को आवंटित करने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रही है और गुणवत्ता में सुधार का हवाला देकर स्कूलों की संख्या कम करने की कोशिश की जा रही है।

सरकार ने प्री-प्राइमरी कक्षाएं तो शुरू कीं, लेकिन उन्हें यूकेजी तक ही सीमित रखा और प्री-प्राइमरी कक्षाओं का समय दोपहर 12 बजे तक ही रखा, जबकि प्राइवेट स्कूल शाम 4 बजे तक चलते हैं। शिक्षकों ने कहा कि नौकरीपेशा माता-पिता उनसे सवाल कर रहे हैं कि अगर वे अपने बच्चों का दाखिला सरकारी स्कूलों में कराते हैं, तो दोपहर में उनकी देखभाल कौन करेगा।

शिक्षकों ने 7 अगस्त को लंच ब्रेक के दौरान काले बिल्ले पहनकर विरोध प्रदर्शन करने और पीआरसी की घोषणा होने तक हर दिन काले बिल्ले पहनने का फैसला किया। विरोध योजनाओं में 12 और 13 अगस्त को मंडल मुख्यालयों पर रैलियां, 19 अगस्त को ज़िला मुख्यालयों पर धरना और 29 अगस्त को राज्य-स्तरीय 'महा धरना' शामिल है।

श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया

मदनूर , 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार के दिन मुनूर कापु, पद्मशाली, शिम्पी, समाज के साथ विविध समाज के भक्तों ने भक्ति भाव से बोनालु लेकर ग्राम देवता की पूजा अर्चना करने निकले। भक्ति भाव से बोनालु त्योहार मनाया गया। इस अवसर पर भक्तों ने बताया कि मदनूर में बोनालु त्योहार बड़ी भक्ति भाव से मनाया गया। बोनालु में महिलाएं पके हुए चावल, दूध, गुड़ और नीम की पत्तियों से भरे सजावटी मीठी के बर्तन में जलता हुआ दीपक लेकर आती हैं, जो ईश्वर के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। समाज के लोगों ने भक्ति भाव भाव से ग्राम देवता की पूजा अर्चना की, आरती उतारी और भोग लगाया। इस दौरान उन्होंने भगवान से अच्छी बारिश और उत्तम फसल की मनोकामना की। सभी श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

मुलुगु में किसान की करंट लगने से मौत

मुलुगु, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को ज़िले के मल्लामपल्ली मंडल के देवुनगर गाँव में एक किसान की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई।

गाँव के रहने वाले मृतक पोर्ला वीरैया (62) सुबह अपनी फ़सल में पानी देने के लिए खेत गए थे। वे गलती से बिजली के एक चालू तार के संपर्क में आ गए, जिससे उन्हें ज़ोरदार झटका लगा और वे खेत के पास ज़मीन पर गिर पड़े। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। परिवार वालों की शिकायत के आधार पर स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पाक्सो मामले में बास्केटबॉल एसोसिएशन के सेक्रेटरी के खिलाफ केस दर्ज

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। माधापुर पुलिस ने तेलंगाना बास्केटबॉल एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी के खिलाफ एक टीनएज बास्केटबॉल खिलाड़ी के कथित यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की मां ने पिछले महीने पुलिस में शिकायत की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि आरोपी पिछले दो सालों से लड़की का यौन उत्पीड़न कर रहा था।

शिकायत के आधार पर, माधापुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस एक्ट और पाक्सो के तहत मामला दर्ज किया है और जांच कर रही है।

टीटीडी ने अर्जित सेवा और अन्य विशेष दर्शन रद्द किया

तिरुमला, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला में 15 से 23 सितंबर तक आयोजित होने वाले वार्षिक श्रीवारी सालाकटला ब्रह्मोत्सव के मद्देनजर, टीटीडी ने नौ दिवसीय उत्सव के दौरान निम्नलिखित अर्जित सेवा को रद्द कर दिया है।

सेवानिवृत्त आरटीसी कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना आरटीसी के सैकड़ों सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने मंगलवार को यहां 'चलो बस भवन' के नाम से एक विशाल विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें लंबे समय से लंबित सेवानिवृत्ति लाभों और बकाया राशि के तत्काल निपटान की मांग की गई।

तेलंगाना आरटीसी सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ द्वारा आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने आरटीसी प्रबंधन के खिलाफ नारे लगाए, जबकि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। प्रदर्शनकारियों ने 2017 और 2021 के लंबित बकाया भुगतान, पेंशनभोगियों के लिए दो महीने की दवा आपूर्ति, मृत कर्मचारियों के जीवनसाथियों के लिए मुफ्त सुपर लग्जरी बस यात्रा और कर्मचारियों की विधवाओं के लिए पीएफ, ग्रेच्युटी और पेंशन दावों के शीघ्र निपटान की मांग की।

वायरल बुखार और डेंगू जैसी बीमारियों में बढ़ोतरी

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ दिनों से खराब मौसम ने वायरल बुखार, डेंगू के संदिग्ध मामलों और इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियों के बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा कर दी हैं।

पिछले कुछ दिनों से, फीवर हॉस्पिटल, गांधी हॉस्पिटल और उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल सहित सरकारी अस्पतालों के आउटपेशेंट विभागों में बुखार, सांस लेने में तकलीफ (जैसे गले में खराश, खांसी), शरीर में दर्द (मायलगिया), अत्यधिक थकान और कमजोरी वाले मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है, जिससे रोजमर्रा के काम करना मुश्किल हो जाता है।

बस्ती दवाखानों में भी आईएलआई के सामान्य लक्षणों वाले मरीज आ रहे हैं, जिनमें अचानक तेज बुखार और बहुत ज़्यादा थकान (इतनी थकान कि बुखार उतरने तक बनी रहती है) शामिल है।

कई मरीज सीने में तकलीफ की भी शिकायत कर रहे हैं, जिसमें गहरी और दर्दनाक खांसी के साथ-साथ सीने में जकड़न या दर्द शामिल है। उन्हें ठंड लगने और पसीना आने की भी समस्या हो रही है, जिसमें तेज कंपकंपी और बहुत ज़्यादा पसीना आता है।

वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ और डेंगू विशेषज्ञ डॉ. मडापा करुणा कहती हैं, हम ऐसे मामले देख रहे हैं जिनमें लोगों को अचानक 104 या 105 डिग्री तक तेज बुखार हो रहा है और आंखों के ठीक पीछे तेज दर्द के कारण सिरदर्द हो रहा है। हम रैशेज (त्वचा पर चकत्ते) भी देख रहे हैं, जो डेंगू के सामान्य लक्षण हैं। हालांकि, जब मरीजों की जांच की जा रही है, तो वे डेंगू के लिए नेगेटिव पाए जा रहे हैं।

डेंगू जैसे कुछ अन्य सामान्य लक्षणों में शरीर में दर्द, मांसपेशियों में बहुत ज़्यादा दर्द और जोड़ों का दर्द शामिल है, जो अंगों और पीठ के निचले हिस्से को प्रभावित करते हैं। मरीजों में जी मिचलाना, उल्टी और भूख न लगने जैसी गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल (पेट और आंतों से जुड़ी) तकलीफ के लक्षण भी दिखाई दे रहे हैं। तेलंगाना के पब्लिक हेल्थ डायरेक्टर डॉ. बी. रविंदर नायक ने कहा, "हमने मौसमी बीमारियों के लिए 'बस्ती दवाखानों' में उचित इंतज़ाम किए हैं।

पुलिस ने गायब मोबाइल मालिकों को वापस सौंपे

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। चादरघाट पुलिस ने केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल की सहायता से गुम और लापता हुए 16 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए। पुलिस के अनुसार, 4 अगस्त को सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से इन मोबाइल फोन का पता लगाया गया। मोबाइल वापस मिलने पर मालिकों ने खुशी व्यक्त करते हुए पुलिस के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर मलकपेट के सहायक पुलिस आयुक्त एल. राजा वेंकट रेड्डी ने चादरघाट पुलिस और अपराध टीम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि पुलिस की तत्पर कार्रवाई से लोगों को उनके खोए हुए मोबाइल वापस मिल सके हैं। बरामद किए गए मोबाइल फोन चादरघाट पुलिस निरीक्षक के. ब्रह्म मुरारी की उपस्थिति में संबंधित मालिकों को सौंपे गए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

नीरज 21 अगस्त को लुसाने डायमंड लीग में उतरेंगे

कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर जीता था; ओलिंपिक गोल्डिस्ट अरशद और श्रीलंका के पथिराजे से मुकाबला

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। दो बार के ओलिंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा 21 अगस्त को स्विट्जरलैंड में होने वाली लुसाने डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे। कमर की चोट से वापसी कर रहे नीरज के लिए यह सीजन का तीसरा इवेंट होगा।

नीरज के सामने इस बार कॉमनवेल्थ गेम्स गोल्ड मेडलिस्ट रुमेश पथिराजे, पाकिस्तान के ओलिंपिक चैंपियन अरशद नदीम होंगे। ग्लासगो में नीरज ने 85.83 मीटर का सीजन बेस्ट थ्रो फेंककर सिल्वर मेडल जीता था।

नीरज पिछले साल सितंबर के बाद पहली बार जून में दोहा डायमंड लीग में उतरे थे। वहां उन्होंने 85.69 मीटर का थ्रो कर चौथा स्थान हासिल किया। इसके बाद कॉमनवेल्थ गेम्स में 85.83 मीटर का थ्रो फेंककर सिल्वर जीता। मेडल जीतने के बाद नीरज ने कहा था कि उनकी वापसी सही दिशा में जा रही है और आने वाली प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन और बेहतर करने की कोशिश रहेगी। लुसाने नीरज के पसंदीदा मैदानों में से एक रहा है। उन्होंने 2022 में यहां 89.08 मीटर के थ्रो के साथ डायमंड लीग का खिताब जीता था। वहीं 2024 में 89.49 मीटर का थ्रो फेंककर दूसरे स्थान पर रहे थे। ऐसे में भारतीय स्टार एक बार फिर इसी ट्रैक पर पदक की उम्मीद लेकर उतरेंगे।

श्रीलंका के रुमेश पथिराजे फॉर्म में चल रहे जेवलिन थ्रोअर हैं। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में 89.75 मीटर के थ्रो के साथ गोल्ड जीता था। उनका व्यक्तिगत बेस्ट प्रदर्शन 92.62 मीटर है, जो उन्होंने इसी साल रोम के गोल्डन गाला में बनाया था। इस सीजन में 90 मीटर का आंकड़ा पार करने वाले वह इकलौते खिलाड़ी हैं।

लुसाने डायमंड लीग में नीरज और पथिराजे के अलावा पाकिस्तान के अरशद नदीम, त्रिनिदाद एवं टोबैगो के केशव वालकॉट, ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स और जर्मनी के थॉमस रोहलर भी उतरेंगे। इनके अलावा चेक रिपब्लिक के जैकब वाडलेच, जर्मनी के जूलियन वेबर, स्विट्जरलैंड के साइमन वीलैंड और अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन भी फील्ड में होंगे।

सिर पर हॉकी विश्व कप, कोच साहब मना रहे हैं छुट्टी

महिला टीम के मुख्य कोच स्जोर्ड मरीन घिरे

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय हॉकी इस समय विवादों से घिरी हुई है। केसरिया जर्सी विवाद के बीच विश्व कप से ठीक पहले मुख्य कोच को छुट्टी देने पर नया हंगामा खड़ा हो गया है। नीदरलैंड व बेल्जियम में विश्व कप 14 अगस्त से शुरू हो रहा है। लेकिन महिला टीम के मुख्य कोच स्जोर्ड मरीन खिलाड़ियों संग जुटे होने की बजाय पिछले 20 दिन से अवकाश पर हैं।

सलीमा टेटे की अगुआई वाली महिला टीम अपने पहले खिताब के लिए पसीना बहा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, मरीन 12 जुलाई से निजी पारिवारिक कारणों से अवकाश पर हैं और उनके छह अगस्त को नीदरलैंड में टीम से जुड़ने की उम्मीद है।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने पहले बंगलूरू में आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लिया। फिर 31 जुलाई और एक अगस्त को जर्मनी में अभ्यास मैच खेला और अब टीम नीदरलैंड में अंतिम तैयारी कर रही है।

इस दौरान टीम के मुख्य के कोच की गैरमौजूदगी टीम के प्रदर्शन पर असर डाल सकती है। भारत को अपना पहला मुकाबला 16 अगस्त को चीन के खिलाफ खेलना है। भारतीय महिला टीम का विश्व कप में 1974 में चौथा स्थान श्रेष्ठ प्रदर्शन है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मरीन कि इस छुट्टी को हॉकी इंडिया और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) दोनों ने मंजूरी दी है।

उनकी अनुपस्थिति में टीम की जिम्मेदारी विश्लेषणात्मक कोच माथियास विला संभाल रहे हैं।

पूर्व एफआईएच और हॉकी इंडिया अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने कहा, सबसे पहले तो पुरुष टीम के कार्यकाल में कथित दुर्व्यवहार को लेकर मानहानि का मुकदमा दायर होने के बाद उन्हें दोबारा नियुक्त ही नहीं करना चाहिए था। अब विश्व कप जैसे टूर्नामेंट से पहले छुट्टी लेना हॉकी इंडिया के गैर-गंभीर रवैये को दिखाता है। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान पीआर श्रीजेश का कहना है कि बड़े टूर्नामेंट से ठीक पहले छुट्टी नहीं लेनी चाहिए।

कोच के तौर पर यही वह समय होता है जब पेनल्टी कॉर्नर, सेट-पीस, शूटआउट जैसी रणनीतियों पर अंतिम तैयारी की जाती है।

हर्षिता टूर डी फ्रांस में हिस्सा लेने वाली पहली भारतीय

यूसीआई के टैलेंट प्रोग्राम में चुनी गईं, पिता राकेश जाखड़ ने ट्रेनिंग दी

पटियाला, 4 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान की साइकिलिस्ट हर्षिता जाखड़ टूर डी फ्रांस फेम्स 2026 में हिस्सा लेने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं।

19 साल की हर्षिता ने रविवार को स्विट्जरलैंड के एग्ल में स्टेज टू की शुरुआत के दौरान साइकिलिस्टों के एक ग्रुप को लीड किया।

हर्षिता को यूनियन साइकिलिस्ट इंटरनेशनल वर्ल्ड साइकिलिंग टैलेंट प्रोग्राम के तहत चुना गया था।

इस प्रोग्राम में दुनिया भर के आठ साइकिलिस्ट शामिल थे, जिन्हें एलीट साइकिलिंग टूर्नामेंट का अनुभव देने के लिए चुना गया था।

टूर डी फ्रांस महिलाओं की सालाना रोड साइकिलिंग रेस है। यह यूसीआई विमेंस वर्ल्ड टूर कैलेंडर का सबसे बड़ा और लंबा इवेंट है। जो 1 अगस्त को लुसाने से शुरू हुई और 9 अगस्त को नीस में समाप्त होगी।

हर्षिता के साथ इस समूह में अफगानिस्तान, अल्जीरिया, चिली, इथियोपिया, नामीबिया और युगांडा के साइकिलिस्ट भी शामिल थे। इन सभी ने प्रोफेशनल पेलेटन के शुरू होने से पहले 4.5 किलोमीटर की न्यूट्रलाइज्ड राइड पूरी की।

यूसीआई के अध्यक्ष डेविड लैपार्टिएंट ने उम्मीद जताई कि भारतीय साइकिलिस्ट हर्षिता भविष्य में टूर डी फ्रांस फेम्स की मुख्य प्रतियोगिता का हिस्सा बनेंगी।

लैपार्टिएंट ने भरोसा जताया कि हर्षिता को इस रेस का अनुभव पसंद आएगा और वह जल्द ही मुख्य प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए वापस आएंगी।

हर्षिता का ट्रेनिंग बेस पटियाला में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया का नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस है। वह अपने पिता और पूर्व साइकिलिस्ट राकेश जाखड़ की देखरेख में ट्रेनिंग करती हैं। उनके पिता राकेश जाखड़ 2010 नई दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स में भी हिस्सा ले चुके हैं।

हर्षिता ने 2025 खेलो इंडिया यूथ गेम्स में तीन गोल्ड मेडल जीतकर अपनी पहचान बनाई थी। इसके अलावा, उन्होंने 2024 एशियन जूनियर साइकिलिंग चैंपियनशिप में एक सिल्वर और दो ब्रॉन्ज मेडल भी अपने नाम किए हैं।

फिलीपींस की ईला ने पहला डब्ल्यूटीए टाइटल जीता

डीसी ओपन के फाइनल में एला ने जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-0 से हराया

रॉक क्रीक पार्क, 4 अगस्त (एजेंसियां)। फिलीपींस की 21 साल की टेनिस खिलाड़ी एलेक्सांड्रा ईला ने डीसी ओपन का खिताब जीत लिया है। उन्होंने बारिश की वजह से दो दिन तक चले फाइनल में टॉप सीड अमेरिका की जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-0 से हराकर करियर का पहला डब्ल्यूटीए सिंगल्स टाइटल जीता। इसके साथ ही वह ब्ल्यूटीए सिंगल्स खिताब जीतने वाली फिलीपींस की पहली महिला खिलाड़ी बन गईं। वहीं मेन्स में अमेरिका के टेलर फ्रिटज ने स्पेन के राफेल जोडार को हराकर खिताब अपने नाम किया। बारिश के कारण फाइनल रोकना पड़ा था। तब जेसिका पेगुला पहला सेट 6-4 से जीत चुकी थीं, जबकि दूसरे सेट में ईला 2-1 से आगे थीं।

खेल दोबारा शुरू होने पर ईला ने शानदार वापसी की। उन्होंने दूसरा सेट 6-4 से जीतकर मुकाबला बराबर किया। इसके बाद निर्णायक सेट में पेगुला को एक भी गेम जीतने का मौका नहीं दिया और 6-0 से सेट व मैच अपने नाम कर लिया। ईला ने लगातार आखिरी 8 गेम जीतकर खिताब पर कब्जा जमाया।

जीत के बाद वह कोर्ट पर भावुक हो गईं। उनकी आंखों में आंसू थे और उन्होंने अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि का जश्न मनाया। खिताब जीतने के बाद एला ने कहा कि हफ्ते की शुरुआत में उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह यह ट्रॉफी उठाएंगी। उन्होंने कहा कि 500 लेवल का टूर्नामेंट जीतना उनके लिए अविश्वसनीय और एक बड़ा मील का पत्थर है। एला ने बताया कि वह बहुत नर्वस थीं और सब कुछ अचानक हुआ। मैच के दौरान स्टेडियम में फिलीपीन के झंडे दिखाई दिए और दर्शकों ने एला का जमकर समर्थन किया। पेगुला ने कहा कि उनके खिलाफ खेलना मजेदार नहीं था, लेकिन उन्हें वहां का माहौल बहुत अच्छा लगा। एला ने टूर्नामेंट के दौरान सभी तीन शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को हराकर यह खिताब अपने नाम किया।

दिवालिया होने की कगार पर बेंजामिन मेंडी

बेच डाला फीफा वर्ल्ड कप मेडल, लगी 50 लाख रुपए बोली

पेरिस, 4 अगस्त (एजेंसियां)। फ्रांस के पूर्व इंटरनेशनल डिफेंडर और 2018 वर्ल्ड कप विजेता टीम के सदस्य रहे बेंजामिन मेंडी ने एक चौंकाने वाला फैसला लिया है. 32साल के इस फुटबॉलर ने साल 2018 में फ्रांस के साथ जीता अपना आधिकारिक वर्ल्ड कप विजेता मेडल नीलाम कर दिया है. ऑक्शन हाउस गोल्डिन के जरिए यह मेडल लगभग 46,000 यूरो (यानी 50 लाख रुपए) में बिका है. इस ऑक्शन ने फुटबॉल फैंस और खेल जगत के बीच एक नई बहस छेड़ दी है.

साल 2018 में वर्ल्ड कप ट्रॉफी उठाकर फुटबॉल करियर के सबसे ऊंचे शिखर को छूने वाले मेंडी का जीवन कोर्ट के चक्कर काटते-काटते आर्थिक तंगी के दलदल में फंस गया है. 2021 में मेंडी पर लगे बलात्कार के 8 गंभीर आरोपों से खुद को बरी कराने के लिए उन्हें एक लंबी कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी. अदालत में अपना नाम साफ करने की कोशिश में मेंडी को भारी नुकसान उठाते हुए अपने मकान, सुपरकार्स और लग्जरी घड़ियां तक बेचनी पड़ीं, जिससे उन्हें 13 करोड़ से ज्यादा का घाटा हुआ. दिवालिया होने से बचने के लिए उन्होंने चेशर स्थित अपने घर को भी लगभग 64 करोड़ रुपए की कीमत पर बिक्री के लिए रखा था.

मेंडी का फुटबॉल करियर काफी उतार-चढ़ाव से भरा रहा है. ले हावरे, मार्सिले और मोनाको में चमकने के बाद, मेंडी समर 2017 में 58 मिलियन यूरो की भारी-भरकम राशि में मैनचेस्टर सिटी से जुड़े और दुनिया के सबसे महंगे डिफेंडर बने थे. लेकिन साल 2021 में बलात्कार के आरोप लगने के बाद उनका करियर पूरी तरह ठप हो गया. दो साल के बैन और जेल में बिताए समय के बाद जुलाई 2023 में कोर्ट ने उन्हें सभी आरोपों से पूरी तरह बरी कर दिया.

कोर्ट से राहत मिलने के बाद उन्होंने लोरिएंट और ज्यूरिख जैसे क्लबों के जरिए वापसी की कोशिश की, लेकिन पुरानी लय नहीं पा सके. आखिरकार, सितंबर 2025 में उन्होंने पोलैंड के क्लब पोगोन स्ज़ेसिन का दामन थामा, जहां वेतन में भारी कटौती के बाद वो काफी शांत और गुमनामी का जीवन जी रहे हैं. वहीं, बेंजामिन मेंडी ने फ्रांस की टीम की जर्सी में अपना आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला साल 2019 में अल्बानिया के खिलाफ यूरोपीय चैंपियनशिप क्वालिफायर मैच के दौरान खेला था.

डूरंड कप फुटबॉल में लांगस्निंग एफसी का धमाका

मुंबई एफसी को एकतरफा अंदाज में 5-0 से रौंदा

शिलांग, 4 अगस्त (एजेंसियां)। 135वें डूरंड कप में पदार्पण कर रही लांगस्निंग एफसी ने अपने पहले ही मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रुप-ई के मैच में मुंबई एफसी को 5-0 से करारी शिकस्त दी। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में सोमवार को खेले गए मुकाबले में मेघालय की टीम ने गोलरहित पहले हाफ के बाद दूसरे हाफ में पूरी तरह खेल पर कब्जा जमा लिया और पांच गोल दागकर यादगार जीत दर्ज की।

मुकाबले की शुरुआत तेज रही। दोनों टीमों ने शुरुआती मिनटों में ही आक्रामक रुख अपनाया। मुंबई एफसी को एक शुरुआती गोल की उम्मीद जगी थी, लेकिन उसे ऑफसाइड करार दे दिया गया। इसके बाद लांगस्निंग ने धीरे-धीरे खेल पर नियंत्रण कायम कर लिया। मेजबान टीम ने दोनों छोर से लगातार हमले किए और मुंबई की रक्षापंक्ति पर दबाव बनाए रखा। पहले हाफ में लांगस्निंग ने करीब 60 प्रतिशत गेंद अपने कब्जे में रखी और गोल के लिए 10 प्रयास किए। मुंबई की रक्षापंक्ति ने किसी तरह पहला हाफ गोलरहित रखा।

दूसरे हाफ में लांगस्निंग ने आक्रामक तेवर और तेज कर दिए। 51वें मिनट में टीम को पहली सफलता मिली। लगातार मिले कॉर्नर में सातवें प्रयास पर सटीक गेंद सैयद अहमद तक पहुंची और उन्होंने शानदार हेडर से गेंद को गोल में पहुंचाकर लांगस्निंग को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद भी मेजबान टीम ने दबाव बनाए रखा। सैमुअल के पास बढ़त दोगुनी करने का मौका आया, लेकिन वह चूक गए। हालांकि ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा। 65वें मिनट में सैयद अहमद ने एक बार फिर हेडर से गोल दागकर अपना दूसरा गोल किया और लांगस्निंग को 2-0 से आगे कर दिया। इस गोल ने मुंबई एफसी की वापसी की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया।

मुंबई ने इसके बाद बदलाव करते हुए खेल का रुख बदलने की कोशिश की, लेकिन लांगस्निंग की रक्षापंक्ति के सामने उसके हमले बेअसर रहे। गोलकीपर राजत पॉल लिंगदोह ने भी महत्वपूर्ण बचाव किया। मुंबई के अफजार नूरानी ने दूर से शानदार शॉट लगाया, लेकिन गोलकीपर ने उसे कॉर्नर के लिए बाहर कर दिया। मुकाबले के अंतिम चरण में लांगस्निंग ने मुंबई की थकती रक्षापंक्ति का पूरा फायदा उठाया। 89वें मिनट में किर्मेनखेम मुखिम ने गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। इसके बाद अतिरिक्त समय में मेघालय की टीम ने दो और गोल दागे।

दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान की वापसी

शफीक का 2 साल बाद टेस्ट शतक, बाबर चार साल बाद टेस्ट सेंचुरी के करीब, टीम 78 रन पीछे

पोर्ट ऑफ स्पेन, 4 अगस्त (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान ने वापसी कर ली है। अब्दुल्ला शफीक के नाबाद शतक और बाबर आजम की नाबाद अर्धशतकीय पारी के दम पर टीम ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 2 विकेट पर 266 रन बना लिए। पाकिस्तान अब पहली पारी के आधार पर वेस्टइंडीज से सिर्फ 78 रन पीछे है। तीसरे विकेट के लिए शफीक और बाबर के बीच 168 रन की नाबाद साझेदारी हो चुकी है। अब्दुल्ला शफीक ने टेस्ट करियर का छठा शतक लगाया। यह उनका 2024 के बाद पहला टेस्ट शतक है। वह लंबे समय तक 99 रन पर अटके रहे। इसके बाद जोमेल वॉरीकन की शॉर्ट गेंद पर मिडविकेट की दिशा में चौका लगाकर उन्होंने अपना शतक पूरा किया। इससे पहले उन्होंने केमार रोच पर चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया था। बाबर आजम 86 रन बनाकर नाबाद लौटे। वह अपने शतक से सिर्फ 14 रन दूर हैं। अगर वह तीसरे दिन शतक पूरा करते हैं तो यह चार साल बाद उनका पहला टेस्ट शतक होगा। उन्होंने शुरुआत में जेडन सील्स के एक ओवर में तीन चौके लगाए और फिर संयम के साथ बल्लेबाजी करते हुए शफीक के साथ बड़ी साझेदारी निभाई। पाकिस्तान को युवा बल्लेबाज अजान ओवैस ने आक्रामक शुरुआत दिलाई। उन्होंने दूसरे ही ओवर में केमार रोच पर लगातार तीन चौके लगाए, जिसके बाद वेस्टइंडीज को जल्दी स्पिन गेंदबाज लाना पड़ा। हालांकि इमाम-उल-हक 150 किमी/घंटा की रफ्तार वाली शमार जोसेफ की गेंद पर स्लिप में कैच दे बैठे। ओवैस ने अर्धशतक पूरा किया, लेकिन बाद में जोमेल वॉरीकन की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए।

भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ने किया खास टीम का ऐलान, 3 खिलाड़ियों को मिली कप्तानी

मेलबोर्न, 4 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की महिला ए टीम अगले महीने भारत दौरा करने वाली है. दोनों देशों के बीच टेस्ट, टी20 और वनडे तीनों प्रारूपों के मैचों का आयोजन होगा. इस सीरीज के लिए अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपनी महिला A टीम का आधिकारिक रूप से ऐलान कर दिया है. खास बात यह है कि तीनों प्रारूपों के लिए ऑस्ट्रेलिया ने अलग-अलग कप्तान नियुक्त किए हैं. टायला व्लामिनिंक लंबे समय बाद मैदान पर उतरने वाली हैं.

भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला ए टीमों के बीच सितंबर में तीन टी20, तीन वनडे और एक चार दिवसीय मैच खेला जाएगा. ऑस्ट्रेलिया ने इसके लिए 15 सदस्यीय स्क्वाड का ऐलान किया है, जिसमें डार्सी ब्राउन जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं. निकोल फाल्टम टी20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ए टीम की कप्तानी संभालेंगी, वहीं वनडे में ताहिला विल्सन और चार दिवसीय मैच में रैचेल ट्रेनामन यह जिम्मेदारी निभाती नजर आएंगी. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया अपनी महिला टीम के लिए नए कप्तानी विकल्प तलाश रहा है.

ऑस्ट्रेलिया महिला ए टीम का स्क्वाड: डार्सी ब्राउन, मैटलन ब्राउन, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, सियान्ना जिंजर, चार्ली नॉट, अनिका लेरॉयड, केटी मैक, लिली मिल्स, फ्रैंकी निकलिन, हीली सिल्वर-होम्स, रैचेल ट्रेनामन, कोर्टनी वेब, ताहलिया विल्सन, टायला व्लामिनिंक.

पाकिस्तान ने माइक स्मिथ को नया बैटिंग कोच बनाया

इस्लामाबाद, 4 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टीम की लगातार खराब बल्लेबाजी और बार-बार हो रहे बैटिंग कोलैप्स को देखते हुए नया बैटिंग कोच नियुक्त किया है। बोर्ड ने साउथ अफ्रीका के पूर्व फर्स्ट क्लास क्रिकेटर और कोच माइक स्मिथ को बैटिंग कोच बनाया है। स्मिथ 19 अगस्त से इंग्लैंड में शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज से टीम के साथ जुड़ेंगे। वह रेड-बॉल और व्हाइट-बॉल दोनों टीमों के बल्लेबाजों के साथ काम करेंगे। पीटीआई के मुताबिक, पीसीबी ने लंबे समय के लिए बैटिंग कोच की तलाश में सार्वजनिक विज्ञापन जारी कर आवेदन मांगे थे। कई उम्मीदवारों के इंटरव्यू और मूल्यांकन के बाद माइक स्मिथ को शॉर्टलिस्ट किया गया।

हाल में ही पाकिस्तान की बल्लेबाजी, खासकर टेस्ट क्रिकेट में, लगातार सवालों के घेरे में रही है। टीम कई बार मजबूत स्थिति से मैच गंवा चुकी है। वेस्टइंडीज के खिलाफ हालिया टेस्ट में पाकिस्तान का स्कोर एक समय 3 विकेट पर 244 रन था, लेकिन टीम ने आखिरी 7 विकेट सिर्फ 38 रन में गंवा दिए। दूसरी पारी में 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पूरी टीम 120 रन पर सिमट गई। यह कोई एक मैच की कहानी नहीं है। पाकिस्तान ने अपने पिछले 17 टेस्ट में से 13 गंवाए हैं और बल्लेबाजी का बार-बार दबाव में बिखरना इसकी बड़ी वजह रहा है।

अपने ही देश में विदेशी खिलाड़ी बनकर खेलेगा मोहम्मद आमिर !

खेल डेस्क, 4 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर अब अपने ही देश में एक विदेशी खिलाड़ी के रूप में खेलते नजर आ सकते हैं. दरअसल, पाकिस्तान में जन्मे आमिर कुछ साल पहले इंग्लैंड चले गए थे और हाल ही में उन्होंने ब्रिटिश नागरिकता भी हासिल कर ली है. यह उनके लिए जरूर बड़ी उपलब्धि होगी, लेकिन इससे उनकी मुश्किलें बढ़ी गई हैं. ब्रिटिश नागरिक बनने के बाद उनके पाकिस्तान सुपर लीग करियर पर खतरा मंडराने लगा है. आइए जानते हैं कैसे?

ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद 34 वर्षीय मोहम्मद आमिर के लिए पीएसएल 2027 में स्थिति पूरी तरह से बदल गई है. अब तक आमिर पीएसएल में एक स्थानीय खिलाड़ी के रूप में खेलते थे, लेकिन ब्रिटिश नागरिक बनने के बाद उन्हें विदेशी खिलाड़ी माना जाएगा. ऐसे में अगर कोई फ्रेंचाइजी आमिर को अपनी टीम में रखना चाहती है, तो उसे अपने सीमित विदेशी खिलाड़ियों के स्लॉट में से एक आमिर के लिए इस्तेमाल करना होगा. यानी अब वे

अपने देश की लीग में ही एक विदेशी खिलाड़ी के रूप में खेलेंगे.

अगर आमिर पीएसएल 2027 के लिए अपना नाम ड्राफ्ट में देते हैं, तो उन्हें विदेशी खिलाड़ी की कैटेगरी में रखा जाएगा. ऐसे में किसी भी फ्रेंचाइजी को उन्हें शामिल करने के लिए अपने विदेशी कोटे का उपयोग करना पड़ेगा, जिससे उनकी टीम में जगह बनाना पहले की तुलना में ज्यादा मुश्किल हो सकता है. पिछले सीजन में आमिर रावलपिंडी की फ्रेंचाइजी का हिस्सा थे. उन्हें पीएसएल ड्राफ्ट में 5.4 करोड़ पाकिस्तानी रुपये में खरीदा गया था और वह टीम के सबसे महंगे खिलाड़ियों में शामिल थे. उन्हें 2026 और 2027 सीजन के लिए दो साल का अनुबंध भी मिला था.

तांत्रिक पूजा को लेकर तेलंगाना में राजनीतिक महौल गरमाया

कथित तांत्रिक लोकतांत्रिक राजनीति में उचित नहीं : महेश कुमार गौड़

टीपीसीसी अध्यक्ष ने हरीश राव पर कथित तांत्रिक पूजा कराने के आरोप दोहराए

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य महेश कुमार गौड़ ने मीडिया से बातचीत में बीआरएस नेता एवं पूर्व मंत्री हरीश राव पर कथित तांत्रिक एवं क्षुद्र पूजा कराने के आरोप दोहराए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर कोई दुविधा नहीं है और इस संबंध में उनके पास कथित रूप से कई तथ्य एवं उदाहरण मौजूद हैं। पत्रकारों से बातचीत करते हुए महेश कुमार गौड़ ने आरोप लगाया कि हरीश राव ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए ऐसी गतिविधियां कीं, जिनका उद्देश्य तेलंगाना में वर्षा न होना, फसलों का नुकसान होना और राज्य में सूखे जैसी स्थिति उत्पन्न करना था। उन्होंने दावा किया कि इस संबंध में पहले भी कांग्रेस नेताओं सामा राममोहन और चनगानी दयाकर द्वारा उठाए गए मुद्दों के बाद उन्हें कानूनी नोटिस भेजे गए हैं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली और कर्नाटक के शिवमोग्गा में ऐसे मंदिर हैं, जहां कथित तांत्रिक पूजा कराई जाती है। उनका दावा है कि 31 मई, 1 जून और 23 जुलाई को हरीश राव के शिवमोग्गा जाने के प्रमाण मौजूद हैं। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि कांग्रेस ने जिन तिथियों का उल्लेख किया है, उन दिनों हरीश राव कहां थे, इसका जवाब उन्हें मीडिया के सामने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि हरीश राव इन सवालों का जवाब देंगे तो कांग्रेस भी मुख्यमंत्री से जुड़े सवालों पर अपना पक्ष स्पष्ट करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं द्वारा तथ्यों को सामने रखने पर उनके खिलाफ कानूनी नोटिस भेजे गए। उन्होंने यह भी पूछा कि यदि हरीश राव शिवमोग्गा गए थे तो वहां की तस्वीरें सोशल मीडिया पर क्यों साझा नहीं की गईं और तिरुपति की तरह वहां मीडिया को संबोधित क्यों नहीं किया गया। टीपीसीसी अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी प्रकार की कथित तांत्रिक या क्षुद्र पूजा लोकतांत्रिक राजनीति में उचित नहीं मानी जा सकती। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीआरएस के गठन के बाद से पार्टी पर इस प्रकार की गतिविधियों के आरोप लगते रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पहले पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के फार्महाउस में कथित तांत्रिक पूजा की चर्चाओं पर उन्हें विश्वास नहीं था, लेकिन हरीश राव के कथित आचरण को देखकर अब संदेह उत्पन्न हो रहा है। महेश कुमार गौड़ ने अपने संबोधन में हरीश राव पर कई राजनीतिक टिप्पणियां भी कीं।

हरीश राव के खिलाफ कथित दुष्प्रचार पर बीआरएसवी की शिकायत

कांग्रेस नेताओं से सार्वजनिक माफी की मांग

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएसवी ने उस्मानिया विश्वविद्यालय पुलिस थाने में कांग्रेस नेताओं के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। संगठन ने आरोप लगाया कि वरिष्ठ बीआरएस नेता हरीश राव के खिलाफ कांग्रेस नेताओं द्वारा झूठा और भ्रामक प्रचार किया जा रहा है। बीआरएसवी नेताओं ने कांग्रेस नेता अद्दांकी दयाकर और सामा राममोहन रेड्डी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि उन्होंने माफी नहीं मांगी तो उनके खिलाफ आंदोलन तेज किया जाएगा। बीआरएसवी नेताओं ने कहा कि हरीश राव ने लंबे राजनीतिक जीवन में बेदाग छवि बनाई है, लेकिन कांग्रेस नेता उनकी जनस्वीकृति को नुकसान पहुंचाने की साजिश के तहत निराधार आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी संबंध में कानूनी नोटिस भी जारी किए गए हैं, जिनमें आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस नेताओं ने जानबूझकर दुष्प्रचार अभियान चलाया। शिकायत में कहा गया कि हरीश राव पर यह आरोप लगाया गया कि उन्होंने राज्य में वर्षा न होने और सूखा पड़ने की कामना से मंदिरों में तांत्रिक अथवा कथित गुप्त पूजा कराई। बीआरएसवी ने इन आरोपों को पूरी तरह झूठा, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण बताया। संगठन का कहना है कि जन्मदिन अथवा मनौती पूरी होने पर परिवार के साथ मंदिर जाना भारतीय परंपरा का हिस्सा है, लेकिन कांग्रेस नेताओं ने इसे तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत कर धार्मिक भावनाओं को आहत करने का प्रयास किया है। बीआरएसवी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार अपनी चुनावी गारंटियों और वादों को लागू करने में विफल रही है। जनता के मुद्दों पर सरकार को घेरने के कारण बीआरएस नेताओं के खिलाफ सुनियोजित तरीके से चरित्र हनन का अभियान चलाया जा रहा है। संगठन ने मांग की कि कांग्रेस नेता बिना किसी साक्ष्य के लगाए गए आरोपों को तत्काल वापस लें और जिन समाचार चैनलों तथा अन्य मंचों के माध्यम से आरोप लगाए गए, उन्हीं माध्यमों से सार्वजनिक माफी मांगें। इसके साथ ही सोशल मीडिया, वेबसाइटों, प्रेस अभिलेखों तथा अन्य डिजिटल एवं प्रिंट मंचों से संबंधित वीडियो और पोस्ट तत्काल हटाने की भी मांग की गई। इस अवसर पर बीआरएसवी के राज्य सचिव जंगैया, चाटारी दशरथ, काटम शिवा, बोल्लु नागराजू यादव, कोम्पल्ली नरेश, मिथुन प्रसाद, श्रीकांत, नागेंद्र राव, अविनाश सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वर्षा रोकने के लिए कथित तांत्रिक पूजा कराने के आरोप में हरीश राव के खिलाफ शिकायत

टीपीसीसी महासचिव ने उस्मानिया विश्वविद्यालय थाने में शिकायत दर्ज कराई

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के महासचिव चनगानी दयाकर ने पूर्व मंत्री हरीश राव के खिलाफ उस्मानिया विश्वविद्यालय पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए पूरे मामले की विस्तृत जांच कराने और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) सहित अन्य संबंधित कानूनों के तहत मामला दर्ज करने की मांग की है। शिकायत में दयाकर ने आरोप लगाया कि हरीश राव ने राजनीतिक लाभ के उद्देश्य से कथित रूप से ऐसी तांत्रिक और कथित क्षुद्र पूजा कराई, जिससे तेलंगाना में वर्षा न हो, सूखे की स्थिति उत्पन्न हो और राज्य की जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़े। उन्होंने इसे जनता के हितों के विरुद्ध गंभीर साजिश करार दिया। शिकायत के अनुसार, हरीश राव के 2 मार्च 2026 तथा 2 जून 2026 को तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु) तथा 31 मई से 1 जून 2026 और 23 जुलाई 2026 को शिवमोग्गा (कर्नाटक) जाने का उल्लेख किया गया है। शिकायतकर्ता का दावा है कि इन तिथियों में हरीश राव ने स्वयं इन स्थानों पर जाकर पुजारियों से कथित तांत्रिक एवं क्षुद्र पूजा कराई।

हालांकि शिकायत में इस आरोप के समर्थन में कोई साक्ष्य सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत नहीं किया गया है। दयाकर ने कहा कि एक धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक लाभ के लिए इस प्रकार की कथित गतिविधियां करना अनुचित है। उनका आरोप है कि इससे जनता में भ्रम फैलाने और राजनीतिक माहौल को प्रभावित करने का प्रयास किया गया। उन्होंने पुलिस से मांग की कि यदि जांच में आरोपों की पुष्टि होती है तो राज्य के हितों के विरुद्ध कथित षड्यंत्र रचने तथा सरकार के खिलाफ साजिश करने के आरोपों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत हरीश राव के खिलाफ मामला दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री की टिप्पणी के विरोध में इंजीनियरिंग छात्रों का प्रदर्शन

छात्रों ने सम्मान और रोजगार के अवसर सुनिश्चित करने की मांग उठाई

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएसवी के नेतृत्व में उस्मानिया विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग कॉलेज में इंजीनियरिंग छात्रों ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की कथित टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा 'इंजीनियरिंग के छात्र नौकरी के आवेदन पत्र तक नहीं भर सकते' जैसी कथित टिप्पणी करना इंजीनियरिंग विद्यार्थियों का अपमान है। छात्रों ने इस टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए इसे वापस लेने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि तेलंगाना के विकास में इंजीनियरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य में परियोजनाओं, सड़कों, पुलों, सिंचाई योजनाओं तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विकास में इंजीनियरों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ऐसे में इंजीनियरिंग छात्रों और इंजीनियरों का अपमान करने के बजाय सरकार को उनकी प्रतिभा का सम्मान करना चाहिए तथा उन्हें रोजगार और बेहतर अवसर उपलब्ध कराने चाहिए। बीआरएसवी ने कहा कि वह इंजीनियरिंग छात्रों के आत्मसम्मान की रक्षा और उनके अधिकारों के लिए अपना आंदोलन आगे भी जारी रखेगी।

भोजन विषाक्तता मामले पर तेलंगाना मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया

27 छात्राओं के बीमार होने पर जिला कलेक्टर से मांगी विस्तृत रिपोर्ट

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल जिले के वर्धन्नापेट स्थित एसटी बालिका छात्रावास में दूषित भोजन खाने से 27 छात्राओं के बीमार होने की प्रकाशित खबर पर तेलंगाना मानवाधिकार आयोग (टीजीएचआरसी) ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया है। तेलंगाना मानवाधिकार आयोग की अध्यक्ष डॉ. न्यायमूर्ति शमीम अख्तर के नेतृत्व में आयोग ने 4 अगस्त को प्रकाशित समाचार रिपोर्ट के आधार पर यह स्वतः संज्ञान मामला दर्ज किया। आयोग ने इस घटना को लेकर वरंगल जिला कलेक्टर को विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने रिपोर्ट में घटना के कारणों और परिस्थितियों, बीमार हुई छात्राओं की संख्या एवं उनकी वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति, उन्हें उपलब्ध कराए गए चिकित्सा उपचार, छात्रावास में भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं साफ-सफाई की स्थिति तथा इस संबंध में की गई जांच के निष्कर्षों की जानकारी मांगी है। इसके अलावा आयोग ने दोषी पाए गए लोगों के खिलाफ की गई कार्रवाई, भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए उठाए गए निवारक और सुधारात्मक कदमों का विवरण भी मांगा है। तेलंगाना मानवाधिकार आयोग ने जिला कलेक्टर से रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए मामले की अगली सुनवाई 7 सितंबर तक स्थगित कर दी है।

रघुनाथ राव ने सिंगरेणी को नया कोयला ब्लॉक आवंटित करने पर जताया केंद्र का आभार

कांग्रेस विधायक प्रेम सागर राव की संपत्ति पर भी उठाए

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के राज्य उपाध्यक्ष रघुनाथ राव ने मंगलवार को हैदराबाद स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में केंद्र सरकार द्वारा सिंगरेणी को नया कोयला ब्लॉक आवंटित किए जाने का स्वागत किया। साथ ही उन्होंने कांग्रेस विधायक प्रेम सागर राव की कथित वित्तीय स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से जवाब मांगा। रघुनाथ राव ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा सिंगरेनी को मणुगुरु पीकेओसी-2 डिप साइड कोल ब्लॉक आवंटित किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी का आभार व्यक्त किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस कोयला ब्लॉक से अगले 30 वर्षों तक लगभग 180 मिलियन टन कोयले का उत्पादन होगा। इससे सिंगरेणी को लगभग 42,360 करोड़ रुपये की आय होगी, जबकि राज्य सरकार को 10,500 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होगा।

इसके अलावा लगभग 2,000 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी की विशेष पहल पर केंद्र सरकार पहले भी सिंगरेणी को ओडिशा स्थित नैनी कोल ब्लॉक, ताडीचर्ला-2 तथा पीओसीके-2 कोल ब्लॉक आवंटित कर चुकी है। उनका कहना था कि इन निर्णयों का उद्देश्य सिंगरेनी की आय बढ़ाना और राज्य के बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करना है। संवाददाता सम्मेलन में रघुनाथ राव ने कांग्रेस विधायक प्रेम सागर राव को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले प्रेम सागर राव पर विभिन्न बैंकों का 470 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया था।

उन्होंने पूछा कि आखिर मात्र डेढ़ वर्ष के भीतर उन्होंने यह पूरी राशि किस प्रकार चुका दी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रेम सागर राव स्वयं को उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और मंत्री श्रीधर बाबू का करीबी बताते हैं। रघुनाथ राव ने मुख्यमंत्री से मांग की कि वह इस मामले पर स्पष्टीकरण दें तथा प्रेम सागर राव से जुड़े कथित भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों पर जवाब दें।

परिवारवाद से निकलकर 'नेशन फर्स्ट' की ओर बढ़ रहा भारत : एन. रामचंदर राव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस पर परिवारवाद और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा कि देश आज परिवारवाद की राजनीति से निकलकर "नेशन फर्स्ट" की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देशहित और राष्ट्रीय सुरक्षा किसी भी राजनीतिक दल के हित से ऊपर है तथा प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। मंगलवार को जारी एक प्रेस वक्तव्य में रामचंदर राव ने कहा कि देश के राजनीतिक इतिहास में कई दशकों तक कांग्रेस ने केवल एक परिवार को प्राथमिकता दी, जबकि देश के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जैसे महान नेताओं को उचित सम्मान नहीं मिला।

उन्होंने कहा कि साधारण परिवार से आने वाले और बिना किसी पारिवारिक राजनीतिक विरासत के देश की सेवा करने वाले नेताओं की उपेक्षा कांग्रेस की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा के शासन में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। पहले रसोई गैस या टेलीफोन कनेक्शन के लिए वर्षों तक इंतजार करना पड़ता था और सिफारिश के बिना काम नहीं होते थे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में इस व्यवस्था में बदलाव आया तथा आधारभूत ढांचे के विकास को गति मिली। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से गांवों को सड़कों से जोड़ने और विश्वस्तरीय राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया गया। रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के दौरान प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह होने के बावजूद निर्णय लेने की वास्तविक शक्ति सोनिया गांधी के पास होने की धारणा बनी रही।

उन्होंने कहा कि 2जी स्पेक्ट्रम, राष्ट्रमंडल खेल और कोयला आवंटन जैसे घोटालों के कारण देश भ्रष्टाचार से प्रभावित हुआ और लाखों करोड़ रुपये के सार्वजनिक धन का दुरुपयोग हुआ। रामचंदर राव ने कहा कि लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष आवश्यक है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और देश की एकता के मुद्दों पर राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका में 11 सितंबर के आतंकवादी हमलों के दौरान सभी राजनीतिक दल राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर एकजुट हुए थे, जबकि भारत में सेना की कार्रवाई पर कुछ विपक्षी नेताओं द्वारा सबूत मांगना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शनों के दौरान कथित राष्ट्रविरोधी नारों और कश्मीर जैसे संवेदनशील विषयों पर दिए गए कुछ बयानों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि भारत एक मानव शरीर की तरह है, जिस प्रकार शरीर का कोई अंग अलग नहीं किया जा सकता, उसी प्रकार देश का कोई भी हिस्सा अलग नहीं हो सकता।

एससीआर का व्यापक टिकट जांच अभियान 30.53 लाख रुपये का राजस्व वसूला

186 टिकट जांच कर्मचारियों ने 169 ट्रेनों में चलाया दिनभर विशेष अभियान

अभियान में 4,121 बिना टिकट व अनियमित यात्री पकड़े गए

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के वाणिज्य विभाग ने 3 अगस्त को पूरे जोन में व्यापक टिकट जांच अभियान चलाया। यह विशेष अभियान सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के अधिकार क्षेत्र में संचालित किया गया। दिनभर चले इस अभियान में 186 टिकट जांच कर्मचारियों ने 169 ट्रेनों में सघन जांच की। अभियान का मुख्य उद्देश्य बिना टिकट यात्रा करने वाले, अनियमित रूप से यात्रा करने वाले तथा बिना बुकिंग के सामान ले जाने वाले यात्रियों की पहचान करना था। इसके साथ ही रेलवे परिसरों में धूम्रपान, गंदगी फैलाने और अनधिकृत फेरी लगाने वालों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान बिना टिकट यात्रा, अनियमित यात्रा तथा बिना बुकिंग के सामान ले जाने के मामलों में कुल 4,121 यात्रियों का पता लगाया गया। इनसे टिकट जांच के माध्यम से 30.53 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त रेलवे परिसरों में गंदगी फैलाने के आरोप में 35 यात्रियों पर कार्रवाई करते हुए 7,300 रुपये का जुर्माना वसूला गया। वहीं 19 अनधिकृत फेरीवालों के विरुद्ध कार्रवाई कर उनसे 38,000 रुपये का जुर्माना वसूला गया। रेलवे परिसर में धूम्रपान करते पाए गए 2 यात्रियों से 4,000 रुपये का जुर्माना भी वसूला गया। विशेष अभियान के दौरान टिकट जांच कर्मचारियों ने यात्रियों को विभिन्न प्रकार के उल्लंघनों पर लगाए जाने वाले दंड के संबंध में भी जागरूक किया। यात्रियों को ट्रेनों और रेलवे परिसरों में धूम्रपान से होने वाले अग्नि जोखिमों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही उनसे रेलवे स्टेशन और ट्रेनों को स्वच्छ बनाए रखने, कूड़ा-कचरा न फैलाने तथा बेहतर नागरिक आचरण अपनाने की अपील की गई। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने इस व्यापक टिकट जांच अभियान के सफल संचालन और यात्रियों में जागरूकता फैलाने के लिए वाणिज्य विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि टिकट जांच रेलवे व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, क्योंकि इससे बिना टिकट और अनियमित यात्रा पर प्रभावी रोक लगती है, वैध टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को अधिक सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित होती है तथा रेलवे व्यवस्था के प्रति यात्रियों का विश्वास मजबूत होता है। दक्षिण मध्य रेलवे ने सभी यात्रियों से अपील की है कि वे हमेशा वैध टिकट लेकर यात्रा करें, टिकट जांच कर्मचारियों का सहयोग करें तथा रेलवे के नियमों का पालन करें। रेलवे ने कहा कि सुरक्षित, संरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करना रेलवे और यात्रियों दोनों की साझा जिम्मेदारी है।

हैदराबाद-गोरखपुर के बीच विशेष ट्रेनों की सेवा का विस्तार

दक्षिण मध्य रेलवे ने चार-चार फेरे बढ़ाए

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे ने हैदराबाद और गोरखपुर के बीच चल रही विशेष ट्रेन सेवाओं के परिचालन को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। दक्षिण मध्य रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या 07075 हैदराबाद—गोरखपुर विशेष ट्रेन का परिचालन प्रत्येक शुक्रवार को निर्धारित तिथियों पर जारी रहेगा। इस ट्रेन की सेवा का विस्तार 4 सितंबर, 11 सितंबर, 18 सितंबर और 25 सितंबर को किया गया है। इसके तहत कुल 4 फेरे संचालित किए जाएंगे। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 07076 गोरखपुर—हैदराबाद विशेष ट्रेन का परिचालन प्रत्येक रविवार को निर्धारित तिथियों पर किया जाएगा। इस ट्रेन की सेवा का विस्तार 6 सितंबर, 13 सितंबर, 20 सितंबर और 27 सितंबर तक किया गया है। इसके तहत भी कुल 4 फेरे संचालित होंगे। दक्षिण मध्य रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले ट्रेन के समय और उपलब्धता की जानकारी प्राप्त कर वैध टिकट के साथ यात्रा करें।

भारी बारिश के बाद पोचारम बांध ओवरफ़्लो

मेडक, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। किसानों के चेहरों पर मुस्कान लाते हुए, पोचारम बांध ओवरफ़्लो होने लगा क्योंकि मंगलवार सुबह प्रोजेक्ट में 6,000 क्यूसेक से ज़्यादा पानी आ रहा था।

1.8 टीएमसीएफटी की स्टोरेज क्षमता वाला यह प्रोजेक्ट अब पूरी तरह भर चुका है। दोपहर 12 बजे प्रोजेक्ट में पानी का इनफ़्लो और आउटफ़्लो 6,690 क्यूसेक दर्ज किया गया। कामारेड्डी और मेडक ज़िलों की सीमा पर अलेरू वागु नदी पर बने इस प्रोजेक्ट में कामारेड्डी और मेडक ज़िलों में भारी बारिश के कारण रात भर पानी का बहाव जारी रहा।

यह मध्यम सिंचाई प्रोजेक्ट निज़ाम द्वारा 1915 और 1922 के बीच बनाया गया था। पोचारम बांध का कामारेड्डी और मेडक ज़िलों में लगभग 10,000 एकड़ का सिंचाई क्षेत्र (आयाकट) है। यह प्रोजेक्ट पिछले साल तब चर्चा में आया था जब इसे अपने 100 से ज़्यादा सालों के इतिहास में सबसे भयानक बाढ़ का सामना करना पड़ा था। अगस्त 2025 में पानी का बहाव 1.80 लाख क्यूसेक तक पहुँचने के कारण प्रोजेक्ट को आंशिक नुकसान हुआ था। यह खबर सामने आते ही प्रोजेक्ट पर सैलानी आने लगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.